फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 167 प्रभात जयपुर, मंगलवार 17 जनवरी , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Master of the Middle Path He is best remembered as the director who always made you smile. Yes, his films that were never over-the-top entertainers.

Food @ India's Railway Stations

The Remarkable Emptiness of Existence We might be able to artificially create a vacuum

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सोमवार को अपनी राजनीतिक यात्रा का आगाज परबतसर (नागौर) से किया। परबतसर में किसान सम्मेलन के जरिये पायलट ने न केवल अपना शक्ति प्रदर्शन किया, बल्कि पेपर लीक प्रकरण में अपनी ही सरकार को जोरदार तरीके से घेरा भी। पायलट ने राजस्थान में लगातार हो रही पेपर लीक की घटनाओं पर कहा, जब भी खबर पढ़ता हूँ....''पेपर लीक हो गये, कभी भर्ती तो कभी परीक्षा कैंसिल हो गई...यह सब सुनकर मन बहुत आहत होता है। मैं कहना चाहता हूँ, सरकार को छोटे-मोटे दलालों के बजाय बड़े एवं प्रमुख सरगनाओं को पकड़ना चाहिये।'' पायलट ने किसानों की मांगों का भी जोरदार समर्थन किया, उन्होंने कहा कि, केन्द्र सरकार के समक्ष किसान आंदोलन के समय किसानों ने जो मांगें की थी उन्हें तत्काल पूरा किया जाये।

मु.मंत्री के लिये किसानों का मांग पत्र तैयार करना शुरु किया पायलट ने

नागौर में आयोजित विशाल रैली में उन्होंने जनता की मांग पर स्वीकृति प्राप्त की कि, एम.एस.पी.के लिये कानून बनाया जाये

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **बीस तारीख तक चलने वाले इस जनसंपर्क अभियान में मुख्यतया जाट बाहुल्य क्षेत्र में कई बड़ी-बड़ी रैलियां आयोजित करेंगे पायलट।**
- **नागौर में जनता से पारित कराई दूसरी बड़ी मांग थी, पेपर लीक मामले में मुख्य बड़े-बड़े अपराधियों को पकड़ा जाये, न कि, छोटे-मोटे दलालों को ही।**
- **गहलोत मंत्रिमण्डल के सदस्य हेमाराम चौधरी ने भी नागौर रैली में मांग की कि, नये युवा नेताओं को पार्टी में, राजनीति में उपयुक्त स्थान मिलना चाहिये, जो फिलहाल नहीं होता दिख रहा।**
- **पायलट के करीबी नेता ने भी मांग की कि, समाज के विभिन्न वर्गों को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे पार्टी 21 सीटों पर न सिमट जाये, जैसा कि गहलोत की दूसरी पारी के बाद हुआ था, तथा पायलट कांग्रेसाध्यक्ष के रूप में पुनः पार्टी को सत्ता में लाने में सफल हुए थे।**

नई दिल्ली, 16 जनवरी। सचिन पायलट ने किसानों की विभिन्न मांगों पर राज्य सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है।

उन्होंने नागौर में अपनी विशाल जनसम्पर्क रैली में फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य लाने हेतु कानून बनाने की मांग की। सभा में मौजूद किसानों, व स्त्री-पुरुषों ने पायलट की मांग का जोरदार समर्थन किया।

वे 20 जनवरी तक सभाएं जारी रखेंगे। अभियान का समापन जयपुर में होगा जहां एक विशाल जनसभा में वे मुख्यमंत्री को किसानों के कल्याण की मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे। गहलोत बजट प्रस्तुत करने की तैयारी में है पर सचिन पायलट की सभा में आ रही भारी भीड़ से उनके पसीने छूट रहे हैं, जो कि सचिन को देखने व सुनने आ रही है। खासकर युवा तो सचिन के प्रति मंत्रमुग्ध से हैं।

इसके साथ सचिन पायलट ने सरकार पर और मुख्यमंत्री पर टीचर्स भर्ती में सामान्य ज्ञान पेपर लीक के लिए भी कटाक्ष किया।

उन्होंने कहा, कभी पेपर लीक हो जाता है कभी परीक्षा रद्द हो जाती है यह बहुत दर्दनाक व तनाव परक है। पढ़ाई के लिए बच्चे और उनके माता पिता कितना कष्ट सहते हैं। परीक्षा की तैयारी के लिए बच्चे रात-दिन पढ़ाई करते हैं।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को चाहिए कि पेपर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

''अमर्त्य सेन की, भारत से वाकफियत बहुत पुरानी व सतही है''

उन्होंने अचानक निद्रा से जागते हुए वक्तव्य दिया कि, ममता बनर्जी देश की प्र.मंत्री बनने के लिये सबसे उपयुक्त है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **अर्मत्य सेन उस जमाने के व्यक्ति हैं, ''जो सदा से मानते आये हैं कि, बंगाल ही भारत है, और भारत बंगाल।''**
- **वे भूल गये कि, लगातार प्रयास के बावजूद, ममता बनर्जी की पार्टी एक विधायक नहीं बना पायी बंगाल से बाहर त्रिपुरा, गोवा में उनका प्रयास इतना विफल हुआ कि, उनके उम्मीदवार चुनाव ही नहीं हारे, बल्कि जमानत भी खो बैठे।**
- **अर्मत्य सेन इस तथ्य से भी वाकिफ नहीं लगते कि, ममता जी की पार्टी के नेता लगातार भ्रष्टाचार काण्डों में लिप्त पाये जा रहे हैं और इस बारे में ममता जी कभी-कबार कुछ भाषण देने के अलावा कुछ नहीं कर पाई हैं। अर्मत्य सेन का पुराना प्रतिपादित सिद्धांत था, भ्रष्टाचार, समाज की नैसर्गिक कार्यकुशलता में घुन लगा देता है।**
- **साथ ही, नये परिदृश्य में कई नये नेता जैसे केजरीवाल, चन्द्रशेखर राव राष्ट्रीय नेता बनने के लिए अधिक सशक्त दावेदार हैं, तथा ममता जी की पार्टी अभी तक प्रदेश स्तर की पार्टी की मान्यता ही प्राप्त कर पाई है चुनाव आयोग से।**

नई दिल्ली, 16 जनवरी। बहुत पहले भारत छोड़ चुके एक भारतीय अमर्त्य सेन द्वारा भारत के प्रधानमंत्री के चयन को लेकर की गई टिप्पणी ने लोगो को हसंने और मंनोरजन करने का मौका दे दिया।

अमर्त्य सेन ऐसा महसूस करते हैं कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी में भारत का प्रधानमंत्री बनने की विशिष्ट योग्यता है। बिना सोचे-समझे किए गए इस आकलन ने पलटवार की टिप्पणियों के एक बवंडर को जन्म दे दिया है।

ममता बनर्जी ने भी तुरन्त प्रभाव से प्रतिक्रिया दी कि ''अमर्त्य सेन जी द्वारा कही गई बात एक आदेश के समान है'' ऐसा जैसे कि यह आदेश उन्हें देश का अगला प्रधानमंत्री बनने के योग्य बनाता हो और इससे उनके पक्ष में पूरे देश के वोट पड़ जाए।

अमर्त्य सेन ने इतना समय पहले भारत छोड़ था कि उस समय को प्राचीन काल ही कहा जा सकता है। फिर भी ऐसे मकान मालिकों, जो किराए पर दिए हुए अपने मकानों को यदा-कदा देखने जाते रहते हैं, की तरह अमर्त्य सेन भारत के लिए सही मार्ग चुनने वाले व्यक्ति के रूप में अब भी एक स्वामित्व अधिकार चाहते हैं सेन स्पष्ट रूप से भारत की वर्तमान वास्तविकताओं से वाकिफ नहीं हैं।

सेन इन छोटे तथ्यों पर गौर नहीं कर रहे हैं कि ममता बनर्जी बंगाल के बाहर एक भी सीट जीतने में विफल रही हैं। अमर्त्य सेन के लिए भारत बंगाल है और बंगाल ही भारत है। अतः बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में ममता में वह योग्यता है कि वह भारत की प्रधानमंत्री बन सकती है, बावजूद इसके कि अपने राज्य के बाहर उन्हें गिने-चुने वोट ही मिल सकते हैं।

अमर्त्य सेन की बकवास पर गंभीर राजनेताओं की तरफ से शायद ही कोई प्रतिक्रिया आई होगी, लेकिन प्रतिद्वंद्वी पार्टियों की तरफ से इसे लेकर विरोध और प्रशंसात्मक टिप्पणियां तुरंत आने लगी।

ममता बनर्जी बार-बार हाथ लगी विफलताओं और अपने राज्य के बाहर कोई उपस्थिति दर्ज ना करा सकने के कारण राजनीतिक रूप से विलुप्त हो गई हैं। उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को एक राष्ट्रीय पार्टी की मान्यता अब तक प्राप्त नहीं हुई तथा उनकी पार्टी विशुद्ध रूप से एक राज्य स्तरीय पार्टी है।

ममता का कभी एक नैशनल लैवल के नेता का थोड़ा बहुत कद था, लेकिन नए उभरे नेताओं के आगे बाद में उन्हें अपने हथियार डालने पड़े। आम आदमी पार्टी (आप) के केजरीवाल का कद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री का रोड शो

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी ने मंगलवार को पार्लियामैंट स्ट्रीट पर 200 मीटर लम्बा रोड शो निकाला। पटेल चौक से एन.डी.एम.सी. कॉन्वैंशन सैंटर तक चले रोड शो के जरिए गुजरात विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सम्मान किया गया।

एक दर्जन से ज्यादा राज्यों के पारम्परिक लोक गायकों व नर्तकों ने रोड शो में हिस्सा लिया। इसके बाद कॉन्वैंशन सैंटर पर भाजपा का दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक शुरु हुई। इसमें दस राज्यों के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर चर्चा की जाएगी और राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के कार्यकाल का अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव तक विस्तार किया जाएगा। उन राज्यों जिन राज्यों के विधानसभा चुनाव होने है उनके लिए रणनीति बनाई जाएगी। पार्टी के केन्द्रीय पदाधिकारियों ने रविवार को एक बैठक

- **नई दिल्ली में पार्लियामैंट स्ट्रीट पर भाजपा ने प्रधानमंत्री का 200 मीटर लम्बा रोड शो किया। इसके बाद भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक शुरु हुई।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रियंका गांधी ने महिला मतदाताओं पर फोकस किया कर्नाटक में

''गृह लक्ष्मी स्कीम'' के अन्तर्गत हर महिला के खाते में प्रति माह दो हजार रूपये जमा करने का वादा किया

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **दिनभर उनके कार्यक्रमों में भारी भीड़ देखकर कर्नाटक की भाजपा सरकार ने भी कई मनलुभावन महिला उन्मुख स्कीमों की घोषणा की, अखबारों व टी.वी. पर भारी विज्ञापन जारी करके**
- **जद (सैक्युलर) ने भी घोषणा की कि, अगर सत्ता में आयी तो एक महिला को उपमुख्यमंत्री जरूर बनायेगी।**
- **भाजपा सरकार पर 40 प्रतिशत कमीशन का आरोप चिपक सा गया है, तथा पार्टी के लिये, दुर्भाग्यपूर्ण दिन था सोमवार, क्योंकि कर्नाटक कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन ने भी एक टेप जारी किया, जिसमें वे यह साबित करना चाहते थे कि, चित्रदुर्ग के विधायक को 90 लाख रूपये की रिश्वत दी है। टेप में ठेकेदार व भाजपा विधायक के बीच इस संदर्भ हुए वार्तालाप को साफ सुना जा सकता है।**

नई दिल्ली, 16 जनवरी। हिमाचल प्रदेश में अपनी पार्टी के लिए तुफानी प्रचार करने के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी कर्नाटक पहुंची और उन्होंने महिलाओं की एक लक्षित कल्याणकारी योजना को लेकर कांग्रेस का प्रचार किया। उन्होंने वादा किया कि महिलाओं को गृह लक्ष्मी योजना के तहत प्रतिमाह 2 हजार रूपए किए जाएंगे।

बैंग्लोर में आयोजित एक रैली में प्रियंका गांधी ने महिलाओं को सशक्त करने की कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहरायी। कर्नाटक में महिलाएं एक अति महत्वपूर्ण वोट बैंक हैं, जिन्हें सभी राजनीतिक पार्टियां लक्ष्य बना रही हैं। प्रियंका ने भी महिलाओं को लुभाते हुए इन्दिरा गांधी और सोनिया गांधी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को एल.पी.जी. की भारी कीमतों और मंहगे दैनिक खर्चो का भार उठाना होता है। ''गृह लक्ष्मी योजना इसी भार को साझा करने का एक प्रयास है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि 24 हजार रूपए सालाना राशि ''अनकंडीशनल यूनिवर्सल बेसिक इनकम'' के रूप में ''गृह लक्ष्मी योजना'' के तहत महिलाओं के खतों में सीधे जमा करायी जाएगी।

मजे की बात यह है कि भाजपा, जिसने मुफ्त बिजली के वायदे की आलोचना की थी, ने भी इसी ताल से ताल मिलाई और महिला मतदाताओं को रिझाने की मुहि में कांग्रेस को मात देने की कोशिश की। मंगलवार को जिस दिन प्रियंका गांधी चुनाव प्रचार के लिए बैंगलोर आई थी उस दिन भाजपा ने महिला उन्मुखी योजनाओं की लिस्ट बनाई और जोर-शोर से टी.वी. व अखबारों में उसके विज्ञापन प्रसारित किए। जनतादल (एस) ने तो सत्ता में आने पर महिला उप मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया।

संयोगवश प्रियंका के लिए भारी भी आई बिल्कुल वैसेही जैसे गत वर्ष राहुल की भारत जोड़ो यात्रा में आई थी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख डी.के. शिवकुमार तय पूर्व उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता 40 प्रतिशत कमीशन की सरकार से थक चुकी है और उसे उखाड़ फेंकना चाहती है।

प्रियंका जिस दिन बैंगलोर आई उसी दिन कर्नाटक सरकार ने मीडिया में महिला सशक्तीकरण पर सरकार की प्रतिबद्धता दिखाने के लिए 28 विज्ञापन प्रसारित करवाए। इअब राज्य में महिलाओं के वोट हासिल करने के लिए रोचक जंग छिड़ गई हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता डॉली शर्मा ने कहा कि, कांग्रेस वही वादे करती है जिन्हें पूरा कर सकती है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश का उदाहरण दिया जहां चुनावों में पूरानी पेंशन योजना लागू करने का वादा किया गया था जिसे नई सरकार ने लागू भी कर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जापान सैन्य ताकत बनने की ओर अग्रसर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 जनवरी। चीन की बढ़ती ताकत और नॉथ कोरिया के लगातार मिसाइल परीक्षण से जापान अपनी ''मिलिटरी पैसिफिज़्म'' की नीति

- **चीन की बढ़ती ताकत और नॉर्थ कोरिया द्वारा लगातार मिसाइल टैस्ट करने से चिंतित जापान ने ''मिलिटरी पैसिफिज़्म'' की नीति त्यागने का फैसला किया है।**

पर पुनर्विचार की ओर बढ़ रहा है। यह जानकारी न्यूयॉर्क टाइम्स ने दी है।

शुक्रवार को वॉशिंगटन में जापान के प्रधानमंत्री फूमियो कीशीदा और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पारदर्शिता की आड़ में सरकार एक बार फिर जजों की नियुक्ति में अपनी भूमिका चाहती है

केन्द्रीय विधि मंत्री रिजीजू ने सुप्रीम कोर्ट के मु.न्यायाधीश को पत्र लिखकर मांग की कि, कोलीजियम के सदस्यों में सरकार के प्रतिनिधि भी होने चाहिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **विधि मंत्री ने आगे यह भी लिखा कि, इससे कोलीजियम के कामकाज में पारदर्शिता व जवाबदेही आयेगी।**
- **यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, लगभग सात साल पहले, सुप्रीम कोर्ट की कॉन्स्टिट्यूशन बैंच ने केन्द्रीय सरकार से अनुरोध किया था कि, मुख्य न्यायाधिश से सलाह मशविरा करके, कोलीजियम की कार्यप्रणाली में कुछ सुधार लाये। पर, सरकार ने, सुप्रीम कोर्ट की इस राय पर, कुछ भी ध्यान नहीं दिया, और अब अचानक विधि मंत्री के खत के मार्फत सरकारी नुमाइन्दों को कोलीजियम का सदस्य बनाने की मांग की है।**
- **विधि मंत्री रिजीजू का इस लय में यह भी सुझाव है कि, हाई कोर्ट के कोलीजियम में राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी होने चाहिये।**
- **कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस व आप ने, सुप्रीम कोर्ट का समर्थन किया है, कोलीजियम प्रणाली को ''डायल्यूट'' करने के प्रयास की निन्दा की है।**

नई दिल्ली, 16 जनवरी। उच्चतर न्यायपालिका की न्यायिक नियुक्तियों में अपना दखल स्थापित करने की अनवरत् कोशिश के तहत केन्द्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सी.जे.आई.) डी.वाय. चन्द्रचूड़ को पत्र लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम, जो जजों की नियुक्ति करता है, में सरकार के प्रतिनिधि शामिल किए जाने चाहिए।

कानून मंत्री ने एक पत्र में लिखा था कि इससे पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ेगा। इस मुद्दे पर गत वर्ष से सरकार व न्यायपालिका के बीच बहस छिड़ी हुई है। सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बैंच ने सात साल पहले उसे कहा था कि कोलीजियम सिस्टम के कामकाज को सुव्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त उपाय करने हेतु चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के साथ मिलकर केन्द्र मैमोरैंडम ऑफ प्रोसीजर (एम.ओ.जी.) पर चर्चा को अंतिम रुप दे पर तब केन्द्र ने इस पर आगे कदम नहीं बढ़ाया। अब रिजीजू का पत्र आया है जो पारदर्शिता के बहाने से की जा रही कोशिश है, जिसमें कहा जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने नैशनल जूडिशियल अपॉइन्टमैंट कमीशन को रद्द करते हुए जो सुझाव दिया था, यह उसी का फॉलोअप है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व कई अन्य की आलोचना पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंत्री ने अपने न्यायपालिका पर पकड़ बनाने के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाने की कोशिश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अतिथि जिसका अन्न खाता है, उसके पाप धुल जाते हैं। -अथर्ववेद

भारत प्रगति कर रहा है, तो भारतीय गरीब क्यों हो रहे हैं?

भारतीय जनता पार्टी के कई नेता, विशेषकर प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री अमित शाह, एकाधिक बार सार्वजनिक मंचो पर अपने उद्बोधनों में यह दावा कर चुके हैं कि भारत विश्व की सबसे तीव्र गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है न केवल यह, वह यह बताते हुए भी नहीं थकते कि विश्व का सबसे बड़ा स्टेडियम भारत में है, विश्व की सबसे ऊंची मूर्ति भारत में है, विश्व में सबसे अधिक टीके भारत में लगे हैं, गरीब कल्याण योजना विश्व की सबसे बड़ी भोजन उपलब्ध कराने वाली योजना है जिसके अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटा गया। विश्व के नए यूनिकॉर्न में भारत का नंबर 1 है। ऐसे अनेक उदाहरण देते हुए यह सिद्ध करने का प्रयास किया जाता है कि भारत विश्व में नंबर एक है अर्थात वह विश्व गुरु कहलाने का अधिकारी तो बन ही गया है।

इन दावों की सच्चाई का विश्लेषण ईमानदारी से करना हम सबके लिए न केवल आवश्यक है अपितु महत्वपूर्ण भी है ।

पहला दावा किसानों से संबंधित है । किसान देश का सर्वाधिक बड़ा जन समुदाय है। प्रधानमंत्री जी ने 2016 में अनेक भाषणों में कहा था कि आगामी 5 वर्ष में भारतीय किसान की आय दोगुनी कर दी जाएगी। वास्तविकता यह है कि वर्ष 2021-22 में देश के किसान की आय, 2016 की आय के मुकाबले कम हो गई है। अर्थात गत 5 वर्षों में आय दोगुनी होना तो दूर रहा, वह पहले से भी कम हो गई है। यह आंकड़े खुद सरकार के हैं कि किसानों की आमदनी गत 5 वर्षों में 1.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से घटी है।

कामकाजी लोगों का सबसे बड़ा दूसरा समूह असंगठित क्षेत्र के मजदूरों का है । इन लोगों की आय लेबर ब्यूरो के अनुसार, 2017 से 2022 के मध्य लगभग 1 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से कम हुई है।

ग्रामीण मजदूरों और किसानों को मिलाकर कुल श्रमिकों का 78 प्रतिशत होता है । इसका मतलब यह हुआ कि ग्रामीण क्षेत्र के 75 प्रतिशत व्यक्तियों की आय 5 साल में कम हुई है। इन लोगों का अर्थव्यवस्था में योगदान लगभग 53 प्रतिशत है।

सरकार के स्वयं के अनुसार 2 वर्ष तक गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांटा गया । इसका तात्पर्य ही है कि सरकार के अनुसार, देश में 80 करोड़ लोग ऐसे हैं, जो अपने दो समय के भोजन की व्यवस्था भी सुनिश्चित नहीं कर पाते । यह संख्या भारत की कुल जनसंख्या का लगभग 60 प्रतिशत है। कई दशकों से सरकार दावा करती रही है कि गरीबी पहले से कम हुई है और अब यह लगभग 20 प्रतिशत के आसपास है। यदि ऐसा है, तो फिर क्या मुफ्त राशन, उन लोगों को दिया गया जो गरीब नहीं है। संपन्नता की कुछ निशानियां खड़ी कर देने से देश विकसित नहीं कहलाएगा । यदि हम विकसित देशों की श्रेणी में सम्मिलित होना चाहते हैं तो हमें इस प्रकार के संकेतिक निर्माण कार्यों पर बल देने के बजाय, वास्तविक जीवन स्तर सुधारने पर ध्यान देना होगा। पटेल की मूर्ति, बड़ा स्टेडियम या वंदे भारत जैसी आरामदायक ट्रेन बनाकर उसे देश की प्रगति का प्रमाण मानने का फार्मूला छोड़ना होगा।

यदि कुछ गिने-चुने लोगों की संपत्ति बहुत अधिक बढ़ जाए तो प्रति व्यक्ति आय बढ़ जाएगी, किंतु उसे यह निष्कर्ष निकालना गलत होगा कि देशवासियों की स्थिति पहले से बेहतर हुई है। इसी प्रकार, यदि कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को कई प्रकार की राहत सरकार प्रदान करती है और वे सरकार का गुणगान करने में कोई कसर नहीं छोड़ते, तो यह समझ लेना गलत होगा कि सामान्य व्यक्ति के लिए कोई भी काम प्रारंभ करना सुलभ हो गया है।

सरकार ने बहुत सड़कें और रेलगाड़ियां बनाई हैं, किंतु सवाल यही है कि इनका उपयोग क्या गरीब लोग करने की स्थिति में हैं ? यदि नहीं, तो यह सब केवल कुछ प्रतिशत समृद्ध व्यक्तियों के ही काम आएंगे । कई बार तो यहां तक देखा गया कि अधिक अच्छी सड़कें यदि वन क्षेत्रों के अंदर से निकाल दी जाती हैं, तो उससे लाभ आदिवासियों का नहीं होता, बल्कि उनका शोषण करना शहर के व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए सरल हो जाता है। हमने बड़े-बड़े बांध बनाकर सिंचित क्षेत्र में वृद्धि अवश्य की, किंतु इसका विश्लेषण भी आवश्यक है जिन लोगों की भूमि बांध बनने से डूब में आती है, उनकी आर्थिक स्थिति में क्या सुधार हुआ है? खेती की जमीन से हाथ धोने के पश्चात, किसान विस्थापित की श्रेणी में आ जाते हैं और फिर अपना काम-धंधा छोड़कर रोजगार की तलाश में लग जाते हैं। विभिन्न बांधों की लगभग एक जैसी कहानी है ।इसी प्रकार उद्योग के लिए भूमि अवाप्त की जाती है तो उसका मुआवजा कृषि दर पर दिया जाता है । उस पर उद्योग लगाने हेतु सरकार उद्योगपतियों से कई गुना अधिक राशि वसूल करती है। यही स्थिति नगर विकास प्राधिकरणों की है, होना तो यह चाहिए कि जिस उद्देश्य के लिए किसानों की भूमि अवाप्त की जाती है, वही दर किसानों को अवाप्ति के मुआवजे के रूप में दी जाए। सरकार ने कुछ वर्षों पूर्व अवाप्त भूमि का एक चौथाई, विकसित भूमि के रूप में देने का विकल्प किसानों को दिया है। अजीब लगता है कि जिस व्यक्ति की 10000 वर्ग मीटर भूमि अवाप्त होती है, उसे बदले में केवल 2000 वर्ग मीटर भूमि ही मिलती है, और यह भी कई बार उसे कई वर्षों के इंतजार के बाद मिलती है । भूमि अवाप्त करने वाली सरकार इस बात पर कभी विचार नहीं करती कि, इस लंबी अवधि में कैसे किसान परिवार अपना गुजारा करेंगे ? उपयुक्त नीतियों के अभाव में अधिकांश किसान नकद मुआवजा लेने हेतु विवश होते हैं।

भारत के लोगों ने दुनिया के अनेक देशों में जा कर अपना परचम फहराया है। यदि भारत में ही उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करा दिया जाए तो इस प्रकार के लोग न केवल वापस लौट सकते हैं अपितु देश के सर्वांगीण विकास में भागीदार बन सकते हैं। ऐसा हुआ तो भारत समृद्ध लोगों का समृद्ध देश बनेगा और तब ही देश से गरीबी भी समाप्त होगी।

यह सर्वविदित तथ्य है कि जब मुआवजे की राशि किसानों को मिलती है और उनके पास खेती करने की भूमि नहीं रहती तो, उनके परिवार के सदस्य उस राशि को अनावश्यक गलत कार्यों पर खर्च करते हैं, फलस्वरुप वे बर्बादी की कगार पर पहुंच जाते हैं।

हम लगभग प्रतिदिन समाचार पढ़ते हैं कि नगर विकास प्राधिकरणों के द्वारा कच्ची बस्तियों को केवल इस आधार पर उजाड़ दिया जाता है कि यहां बसने वाले अनधिकृत रूप से बसे हुए हैं। विश्लेषण इस बात का होना चाहिए कि गांव से आने वाले व्यक्तियों को उनकी क्षमता के आधार पर रहने लायक कोई घर उपलब्ध क्यों नहीं कराया जाता है? कोई भी परिवार, विभिन्न आधारभूत सुविधाओं से वंचित होने के बावजूद किसी अनाधिकृत बस्ती में रहने का विकल्प मजबूरी में ही चुनता है । कौन चाहता है कि उसके घर में शौचालय न हो, या बिजली की व्यवस्था नहीं हो ? सरकारी योजनाओं के मकान उसकी पहुंच से बाहर होते हैं, तभी वह इस प्रकार की भूमि पर झुग्गी झोपड़ी बनाकर रहता है। कालांतर में ऐसे लोगों को यहां से उखाड़ दिया जाता है। ऐसा क्यों नहीं किया जाता कि सरकार आवश्यकतानुसार छोटे-छोटे घर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बनाकर तैयार रखें एवं जैसे ही कोई परिवार अपने रोजगार हेतु शहर के एक में आए, तो उसे तत्काल रहने हेतु आवास आवंटित कर दिया जाय? रोजगार मिलने पर वह उपयुक्त मासिक किश्त चुकाने लायक बन सकता है ।

सरकारों ने शिक्षा और स्वास्थ्य से तो जैसे अपना पल्ला ही झाड़ लिया है । सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों के लगभग आधे पद रिक्त हैं । इसी कारण वहां पढ़ाई ना होने के फलस्वरूप गरीब घरों के बच्चे भी निजी विद्यालय में पढ़ने हेतु बाध्य हैं। अभिभावकों की भी आकांक्षा तो होती ही है कि उनके बच्चे पढ़ लिखकर योग्य बनें और एक अच्छा जीवन जीने लायक बन सकें। आमदनी के कारण और बढ़ती हुई महंगाई के कारण ऐसा करना अधिकांश के लिए संभव नहीं हो पाता। जब शिक्षा ही नहीं होगी तो फिर गरीबी के दुष्चक्र से इन परिवारों के बच्चे कैसे निकल पाएंगे?

सामान्य नागरिक पर सभी सत्ताधारी नेता यह आरोप लगाते हैं कि वे केवल सरकारी नौकरी के पीछे भागते हैं। इसका कारण ढूंढना अधिक कठिन नहीं है। 30-40 वर्ष स्थाई नौकरी और साथ ही 60 वर्ष की उम्र के बाद एक निश्चित धनराशि पेंशन के रूप में प्राप्त होना, सरकारी नौकरी के प्रति आकर्षण का मुख्य कारण है। निजी काम करने वाले या असंगठित क्षेत्र में मजदूरी करने वाले, काम करने की आयु निकलने के पश्चात भी कहीं ना कहीं काम करने हेतु मजबूर होते हैं, क्योंकि सामाजिक सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था के अभाव में उनका बुढ़ापा नहीं कटता। हमारे यहां इतने वृद्धाश्रम भी संचालित नहीं हैं कि वहां जाकर एक निश्चित आयु के बाद व्यक्ति गरिमा पूर्ण जीवन बिता सके। यदि सरकार को सामाजिक नौकरियों के प्रति आकर्षण को कम करना है तो उसे समुचित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। आज भी लोगों को खुले में शौच करना पड़े, पीने योग्य पानी सुलभ नहीं हो और सार्वजनिक परिवहन के पर्याप्त साधन ना हो, खुद ऐसा मकान ना हो जिसे घर कहा जा सके, तो हम यह नहीं कह सकते कि गरीबी समाप्त हो गई है।

यह सही है कि गत कुछ वर्षों में विभिन्न कार्यों हेतु डिजिटल व्यवस्था बहुत बढ़ी है, किंतु इसका लाभ लेने हेतु लोगों को सक्षम बनाने का काम भी तो करना होगा। इसके अभाव में देश तो आगे बढ़ेगा और इसके लिए नेतागण अपनी पीठ भी थपथपा लेंगे, किंतु वास्तव में जो अधिसंख्य जनसंख्या है वह इसका भलीभांति उपयोग करने में समर्थ नहीं हो पाएगी। वह एक प्रकार से गरीबी के ही दुष्चक्र में फंसी रहेगी।

सरकारी विभाग भी एक साधारण गरीब व्यक्ति से गरिमा पूर्ण,संवेदनशील व्यवहार सामान्यतया नहीं करते और इसी कारण मजबूरी वश उन्हें अपना काम कराने हेतु किसी न किसी बिचौलिए की सहायता लेनी होती है। यह जहां सरकारी कर्मचारियों-अधिकारियों के लिए आय बढ़ाने का साधन हो सकता है, किंतु गरीब व्यक्ति को बड़ी मुश्किल से कमाए गए पैसे को रिश्वत या सुविधा शुल्क के रूप में देने हेतु बाध्य होना पड़ता है। जिस देश में छोटे-छोटे काम कराने के लिए या तो बहुत परेशान होना पड़े, उसे तेजी से बढ़ने वाला कहना, उसके लिए घाव पर नमक छिड़कने जैसा ही होता है ।

मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि देश के 140 करोड लोगों में से प्रत्येक में एक विशिष्ट प्रतिभा है, जिसे उभारने की और उसे पूरी क्षमता के अनुसार देश के लिए उपयोग में लाने की जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी। ऐसा करने हेतु एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक बच्चे को उसकी प्रतिभा और क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का और जीवन को बेहतर बनाने का पूरा अवसर मिले। यह वर्तमान व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन लाए बिना संभव नहीं है ।

एक और काम जो सरकार को करना होगा। वह यहां के लोगों को अपनी प्रतिभा और योग्यता के अनुसार काम आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करे ताकि उसकी सृजनशीलता और ऊर्जा केवल सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने में नष्ट न हो । भारत के लोगों ने दुनिया के अनेक देशों में जा कर अपना परचम फहराया है। यदि भारत में ही उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करा दिया जाए तो इस प्रकार के लोग न केवल वापस लौट सकते हैं अपितु देश के सर्वांगीण विकास में भागीदार बन सकते हैं। ऐसा हुआ तो भारत समृद्ध लोगों का समृद्ध देश बनेगा और तब ही देश से गरीबी भी समाप्त होगी।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

चुनाव जीतने के लिए आयकर में राहत का मास्टर स्ट्रोक

डॉ. मोनिका ओझा खत्री

मोदी सरकार 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने के हर संभव प्रयास में अभी से जूट गई है। इसके प्रथम चरण में आगामी एक फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में टैक्सपेयर्स को बड़ी खुशखबर मिलने की उम्मीद की जा रही है।

आयकर की सीमा में आखिरी बार 2014 में बदलाव किया गया था, तब 2 लाख की लिमिट को बढ़ाकर 2.50 लाख रुपये किया गया था। पिछले 9 वर्षों में आयकर छूट का दायरा नहीं बढ़ाया गया है। हर बजट में ज्यादा आयकर छूट मिलने की उम्मीद इनकम टैक्स जमा करने वालों को होती है लेकिन मोदी सरकार ने अभी तक यह उम्मीद पूरी नहीं की है। अब मास्टर स्ट्रोक लगाने का यह सुनहरा मौका है। जीएसटी कलेक्शन भी डेढ़ लाख करोड़ को पार कर गया है।

आर्थिक मोर्चे पर भी अच्छी खबर है। ऐसे में मोदी सरकार आयकर में राहत प्रदान कर अगला चुनाव जीतने के अपने मनसूबे को अमली जमा पहना सकती है। इस साल यह अंतिम पूर्ण बजट होगा । अगर ऐसा होता है तो देश के मिडिल क्लास लोगों को काफी राहत मिल सकेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार केंद्र की मोदी सरकार 2023-24 के बजट में आयकर छूट की सीमा मौजूदा 2.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये सालाना कर सकती है। मोदी सरकार के इस कार्यकाल का यह आखिरी पूर्ण बजट होगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तरफ से 1 फरवरी 2023 को आम बजट पेश किया जाएगा। इस बजट से सबसे ज्यादा उम्मीदें किसानों और नौकरीपेशा को हैं। फिलहाल ढाई लाख रुपये सालाना तक कमाने वाले शख्स को किसी तरह का टैक्स नहीं देना होता। करोड़ों नौकरीपेशा की तरफ से इसे बढ़ाने की मांग पिछले बजट की तरह इस बार भी की जा रही है।

हालांकि सेक्शन के तहत दी गई छूट से ढाई लाख से 5 लाख रुपये तक की टैक्सेबल इनकम पर टैक्स रिबेट मिल जाती है। नियमानुसार ढाई लाख से ज्यादा की इनकम पर आयकर देने का प्रावधान है लेकिन ढाई से 5 लाख रुपये तक की इनकम पर बनने वाली टैक्स की राशि में वित्त मंत्रालय की तरफ से सेक्शन 87 के तहत छूट दे दी जाती है। इस तरह 5 लाख तक की आय टैक्स फ्री हो जाती है लेकिन यदि आप आपकी आय 5 लाख से ज्यादा है तो आपको ढाई लाख से ऊपर की पूरी आय पर टैक्स पे करना होता है।

- **जीएसटी कलेक्शन डेढ़ लाख करोड़ को पार करने व आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर के बाद यह मोदी सरकार के लिए मौका है**

एसोसिएट चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की तरफ से सरकार को आयकर छूट सीमा को ढाई लाख से बढ़ाकर पांच लाख रुपये किये जाने का प्रस्ताव गया है। वित्त मंत्री की तरफ से यह मांग मानी जाती है तो आपके हाथ में पहले से ज्यादा पैसा आ सकेगा। एसोचैम ने वित्त मंत्रालय को भेजी गई सिफारिश में कहा है कि आयकर छूट की लिमिट को बढ़ाकर कम से कम 5 लाख रुपये करना चाहिए। इससे आम आदमी के हाथों में खर्च करने के लिए ज्यादा पैसा बचेगा। इससे आम आदमी की खरीदने की क्षमता बढ़ेगी और बाजार में तेजी आएगी।

वित्त मंत्रालय की तरफ से यदि आयकर पर किसी भी प्रकार का फैसला किया जाता है तो वित्त मंत्री इस पर 1 फरवरी 2023 को बजट पेश करने के दौरान ही ऐलान करेंगी। यह सब कुछ प्रधानमंत्री पर निर्भर है। भाजपा कार्यकर्त्ता भी चाहते है मोदी लोकप्रिय बजट प्रस्तुत कर जनता को राहत दें तभी अगला चुनाव जीतने में सहूलियत होंगी।

डॉ. मोनिका ओझा खत्री
विभागाध्यक्ष पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर

केन्द्र सरकार तक "मिशन कोटड़ा" की सफलता की कहानी पहुंची

'सुशासन के लिए नवाचार' श्रृंखला के तहत कलेक्टर चला रहे 'मिशन कोटड़ा'

उदयपुर, (कासं)। राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'सुशासन के लिए नवाचार' श्रृंखला के तहत जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा की पहल पर उदयपुर में प्रारंभ किए गए 'मिशन कोटड़ा' की सफलता की कहानी केन्द्र सरकार तक पहुंच गई है और अब पीएम के निर्देशों पर नीति आयोग द्वारा इसी तर्ज पर विकास मानकों को बढ़ावा देने के लिए 'एस्पीरेशनल ब्लॉक (आकांक्षी ब्लॉक) प्रोग्राम प्रारंभ किया गया है।

जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने बताया कि गत दिनों 'मिशन कोटड़ा' के संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भेजी गई थी। इसका अध्ययन नीति आयोग द्वारा किया गया था और इस पर हाल ही में आयोग द्वारा 'एस्पीरेशनल ब्लॉक' प्रोगाम शुरू किया गया है। कार्यक्रम के तहत संबंधित ब्लॉक्स के स्वास्थ्य, पोषण, वित्तीय समावेशन और बुनियादी ढांचे सहित अन्य क्षेत्रों में प्रगति के लिए प्रयास किए जाएंगे।

मिशन कोटड़ा के तहत पंचायत समिति में हर्बल गुलाल पैकेट्स का कमिश्नर और जिला कलेक्टर ने विमोचन किया।

जिले में चलाए जा रहे 'मिशन कोटड़ा' की सफलता से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास मानकों को बढ़ावा देने के लिए देशभर के चयनित 500 ब्लॉक्स में एस्पीरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम (एबीपी) प्रारंभ किया। प्रदेश की मुख्य सचिव उषा शर्मा द्वारा भी 'मिशन कोटड़ा' की सफलता के बाद जिले में डेटा बेस के आधार पर चयनित 5 ब्लॉक्स में से लसाडिया व कोटड़ा का चयन किया है ।

पीएम के एस्पिरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम का मकसद विभिन्न विकास मानकों पर पिछड़े ब्लॉकों को विशिष्ट प्रयासों के माध्यम से विकास की मूलधारा में जोड़ना है। इस प्रोग्राम का शुभारंभ मुख्य सचिवों के दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र के दौरान होगा।

इस कार्यक्रम के तहत, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसे क्षेत्रों में उनके प्रदर्शन के आधार पर तिमाही रैंकिंग के लिए राज्यों के 500 ब्लॉकों की पहचान की गई है। इसके तहत राज्य और नीति आयोग रैंकिंग संकेतक स्थापित करने के लिए मिलकर काम करेंगे, निजी क्षेत्र भी इन ब्लॉकों के विकास में योगदान करने में सक्षम होंगे। एबीपी के ब्लॉकों का चयन अन्य जिलों की तुलना में विकास में निरंतर पिछड़ने के कारण किया गया था।

कलेक्टर मीणा ने बताया कि एबीपी की रैंकिंग क्षेत्र के 5 प्रमुख सामाजिक-आर्थिक विषयों पर आधारित है। इसके तहत 49 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों में किये गए वृद्धिशील सुधारों के आधार पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है।

- **जांच रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद नीति आयोग ने 'एस्पीरेशनल ब्लॉक' प्रोगाम शुरू किया**
- **'मिशन कोटड़ा' की सफलता से प्रभावित होकर पीएम ने देश के चयनित 500 ब्लॉक्स में एस्पीरेशनल ब्लॉक प्रोग्राम प्रारंभ किया**

क्या शाकाहारी भोजन बेहतर होता है?

डॉ. रामावतार शर्मा

आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति ने हम लोगों का शारीरिक श्रम काफी कम कर दिया है जिसके कारण पूरे विश्व में भोजन को ले कर कई तरह के बदलावों की चर्चा एवम् शोध होने लगे हैं। एक बड़े परिवर्तन के तौर पर शाकाहारी भोजन वापसी करने लगा है। खासकर पश्चिमी देशों में काफी लोग फल, सब्जियों और अनाज को ही अपना भोजन बनाने लगे हैं। वनस्पतियों पर आधारित भोजन अब बड़े स्तर पर लोकप्रिय होता जा रहा है। ऐसा माना जाने लगा है कि रहन सहन में बदलाव के कारण शाकाहारी भोजन हृदय रोग और डायबिटीज आदि को नियंत्रण में रखने में ज्यादा सहायक होता है। ध्यान रहे यहां फायदेमंद शाकाहारी भोजन का मतलब उस भोजन से है जिसमें पेड़ पौधे या उनका उत्पाद शामिल हो।

इसके अलावा यह मान लेना कि हर शाकाहारी भोजन अमृत जैसा होता है उचित नहीं है, और फिर उसका मनमाना उपयोग भी हानिकारक होता है। इसीलिए जानकार लोग सदा संतुलन और मात्रा की बात करते हैं। अत्यधिक मात्रा में तो पानी पीने से भी मृत्यु हो जाती है। इसलिए आजकल जो राय मिलती रहती है कि पानी खूब पिएं जैसी बात को भी पहले अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि खूब की सीमा क्या होती है। शाकाहारी भोजन में भी एक अति शाकाहारी भोजन पद्धति आ गई है जिसे वेगन भोजन कहा जाता है।

वेगन लोग जानवरों का दूध और अन्य पदार्थ तक का सेवन नहीं करते हैं। उनके अनुसार पशु की मां के दूध पर सिर्फ उसके बच्चे का अधिकार होता है और यदि आदमी उस दूध का उपयोग करता है तो यह प्राकृतिक न्याय के विरोध में है। इसी तरह कुछ शाकाहारी लोग अंडे को भी शाकाहारी मानते हैं और कुछ मछली को शाकाहारी भोजन का ही हिस्सा मानते हैं। इस तरह से हम देखते हैं कि शाकाहारी भोजन और वनस्पति आधारित भोजन में भी अंतर होता है।

चूंकि विश्व का बहुमत मांसाहारी है तो क्या यह संभव है कि जब सभी लोग वनस्पति आधारित भोजन पर निर्भर करने लगेंगे तो सारे लोग स्वस्थ हो जायेंगे? शोध बताते हैं कि ऐसा कुछ होने वाला नहीं है। पहले तो यह कि यदि धरती के शत प्रतिशत लोग शाकाहारी हो जाएं तो अनाज और फल-सब्जियों की भयंकर कमी हो जाएगी और उनके भाव आज के स्तर से दस गुना से भी ज्यादा हो सकते हैं। दूसरे, वनस्पति आधारित भोजन में भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक जंक पदार्थों की कमी नहीं है। अति संसाधित (अल्ट्रा प्रोसेस्ड) भोजन जिनमें अधिक कैलोरी, चीनी, नमक और चर्बी होती है पौष्टिकता की दृष्टि से किसी काम के नहीं होते हैं।

ऐसे ज्यादातर उत्पादों में व्यावसायिक स्तर के एडेटिव होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। इन उत्पादों का नाम लेते ही वे सब वस्तुएं सामने आने लगती हैं जिनका घरों में उपयोग सामान्य-सी बात है। ब्रेड (डबल रोटी), पेस्ट्री, केक, कुकीज, सॉफ्ट ड्रिंक्स, कितने ही तरह के स्नैक्स जिन्हे हम बच्चों को हर समय खाते देखते हैं। डेयरी का फ्लेवर्ड दही और दूध स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं होते हैं।

इसी तरह सुबह का बाजार का पका-पकाया नाश्ता, एनर्जी बार, इंस्टेंट सॉसेज और सूप, नूडल्स और आइसक्रीम का नियमित सेवन शाकाहारी हो कर भी हल्का और स्वास्थ्य वर्धक नहीं है। ये सब वस्तुएं चूंकि सुविधाजनक होती हैं इसलिए इनका उपयोग लगातार बढ़ रहा है। इसके अलावा ये सब खाद्य पदार्थ पैकेजिंग में आते हैं तो माइक्रो प्लास्टिक और रसायनों का दुष्प्रभाव भी भोजन पर पड़ता है।

- **डेयरी का फ्लेवर्ड दही और दूध स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं होते हैं**
- **पैकेजिंग खाद्य पदार्थों में माइक्रो प्लास्टिक और रसायनों का दुष्प्रभाव भी भोजन पर पड़ता है**

अधिकतर पेड़ पौधों पर आधारित भोजन पर्यावरण पोषक, जल्द पाचक और हल्का होता है, यह गर्भावस्था के दौरान भी सुरक्षित होता है। बुजुर्ग लोगों में आसानी से पच कर उम्र के चंद अतिरिक्त वर्ष भी जोड़ सकता है। पर विटामिन बी 12 और विटामिन डी अलग से लेते रहने चाहिए। अध्ययन तो इंगित कर रहे हैं कि बदलती जीवनशैली में भोजन मुख्य रूप में वनस्पति आधारित होना चाहिए परंतु अन्य प्रकार के भोजन के बारे में दुष्प्रचार एक प्रोपेगंडा का हिस्सा भी हो सकता है। भोजन के बारे में स्थानीय और सांकृतिक बातों के प्रभाव को भी नकारा नहीं जा सकता है। वैसे स्वास्थ्य के लिए भोजन मुख्यतया वनस्पति आधारित रहे तो बेहतर होगा।

डॉ. रामावतार शर्मा,
चिकित्सक एवं लेखक

राशिफल मंगलवार 17 जनवरी, 2023

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, विशाख नक्षत्र सांय 6:46 तक, शूल योग प्रातः 8:34 तक, विष्टि करण सांय 6:06 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:00 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-तुला, मंगल-वृष, बुध-धनु, गुरू-मीन, शुक्र-मकर, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग सांय 6:46 तक है। भद्रा प्रातः 6:43 से सांय 6:06 तक है। महापात योग दिन 2:07 से सांय 7:46 तक है। शनि कुम्भ राशि में सांय 6:04 पर प्रवेश करेगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:59 से 11:18 तक, लाभ-अमृत 11:15 से 1:55 तक, शुभ 3:14 से 4:33 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:21, सूर्यास्त 5:52

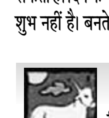

मेष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम भाव में चन्द्रमा शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

सिंह
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृष
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

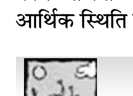

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

कुंभ
नवीन कार्यों में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के उत्सव जैसा माहौल रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

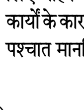

वृश्चिक
धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। धार्मिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

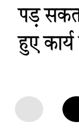

मीन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी।

पेपर लीक से मन आहत, दलालों को नहीं सरगनाओं को पकड़ना चाहिए : पायलट

नए साल में नागौर के परबतसर में राजनीतिक यात्रा शुरू करते हुए पायलट ने बड़े किसान सम्मेलन के जरिए साधा सरकार पर निशाना

- पायलट ने कहा, ''पिछले चुनावों में कांग्रेस 21 पर रह गई, बीजेपी 163 सीटें जीत गई, पांच साल कोशिश रही कि कार्यकर्ता के खुशी के माहौल में नहीं पहुंचा, लेकिन दुख के माहौल में जरूर शामिल हुआ, पदयात्रा की, घेराव किए, लाठियां खाईं, तब सरकार आई
- सम्मेलन के जरिए हेमाराम चौधरी ने युवा नेतृत्व को आगे लाने की बात कही

जयपुर/परबतसर, (का.प्र.)। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने चुनावी वर्ष में अपनी राजनीतिक यात्रा का आगाज नागौर जिले के परबतसर की धरती से किया, जिस नागौर की धरती से पं जवाहरलाल नेहरू ने पंचायत राज का आगाज किया था। परबतसर में किसान सम्मेलन के जरिए ना सिर्फ पायलट ने अपना शक्ति प्रदर्शन किया, बल्कि उन्होंने राजस्थान में कई भर्ती परीक्षाओं के पेपरलीक होने और इससे बेरोजगारों को होने वाले नुकसान को लेकर इशारों में अपनी ही सरकार पर निशाना भी साधा। वहीं कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी ने युवाओं को आगे लाने की हिमायत करते हुए कहा कि ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती। इसलिए आगे बढ़कर युवाओं को मौका दिया जाना चाहिए

सचिन पायलट ने राजस्थान में लगातार हो रही पेपर की घटनाओं पर बोलते हुए कहा कि नौजवानों के भविष्य की चिंता हम सबको है। सच बताता हूं, जब भी खबर पढ़ता हूं कि हमारे प्रदेश में कभी पेपर लीक हो गए, कभी परीक्षा कैंसिल हो गई, तो मन आहत होता है। पीड़ा होती है। पायलट ने कहा कि गांव का नौजवान अगर परीक्षा की तैयारी करता है, तो उसके माता-पिता को कितनी तकलीफ उठानी पड़ती है। कहां से वह ट्यूशन के पैसे लाते हैं, कहां से वह किताबों के पैसे लाते हैं। दिन-रात मेहनत करता है। विपरीत हालात में परीक्षा की तैयारी करता है। गांव का नौजवान जब विपरीत हालात में पढ़ाई करके परीक्षा देता है, ऐसे में जब पेपर लीक होने के मामले सामने आते हैं, तो सच में मन बहुत आहत होता है। मैं उम्मीद करता हूं कि ये जो छोटी मोटी दलाली करते हैं। बजाय इनको पकड़ने के सरगना को पकड़ना चाहिए। क्योंकि इस देश का नौजवान अगर सही रास्ते पर नहीं चलेगा। उसे उसकी मेहनत का फल नहीं मिलेगा। उसके विश्वास में कमी आ जाएगी तो यह हमारे देश और प्रदेश के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

पायलट ने कहा कि पिछले चुनावों में कांग्रेस के 21 विधायक रह गए थे, बीजेपी 163 सीटें जीतकर आई थी। पांच साल मेरी कोशिश रही कि हर कार्यकर्ता तक पहुंच सकूं। हर सीमा, हर खाई को पार कर सकें। मैं किसी के खुशी के माहौल में नहीं पहुंचा, लेकिन दुख के माहौल में जरूर शामिल हुआ। पांच साल में पदयात्रा, घेराव किए। हमने धरने दिए, लाठियां खाईं। तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के क्षेत्र में बारां से झालावाड़ तक हमने किसान न्याय यात्रा निकाली थी और उस वक्त मुख्यमंत्री को हमारी बात माननी पड़ी थी। इतना करने पर हमारी सरकार आई।

पायलट ने कहा कि किसान आंदोलन खत्म हो गया। केंद्र सरकार किसानों के आगे झुकी, लेकिन उनकी मांगें अब भी पूरी नहीं की हैं। इसलिए किसान सम्मेलन के जरिए हम केंद्र से मांग करते हैं कि एमएसपी पर फसल खरीद का कानून बनाया जाए। यहां पायलट ने वादा किया कि किसान को जहां जरूरत पड़ेगी। वहा खड़ा रहूंगा। पायलट ने कहा कि आज से 12 साल पहले जब केंद्रीय मंत्री था। मुझे वीर तेजाजी पर डाक टिकट जारी करने का सौभाग्य मिला था। पहले कई केंद्रीय मंत्री रहे, लेकिन यह अवसर मुझे मिला। आज खरनाल में तेजाजी के दर्शन करने जा रहा हूं।

इसी के साथ अग्निवीर योजना पर बोलते हुए पायलट ने कहा कि केंद्र सरकार हमारे नौजवानों और किसानों के साथ खिलवाड़ कर रही है। अग्निवीर बनकर सेना में भर्ती होने वाले नौजवानों की चार साल बाद छुट्टी कर देंगे। किसानों के बच्चे फौज में भर्ती होते हैं। उद्योगपतियों के नहीं। केंद्र सरकार न किसान-नौजवानों की भावनाओं को समझती है, न उन्हें जमीनी हालात का पता है। बीजेपी के लोग जब विपक्ष में थे तो कहते थे कि महंगाई डायन मार गई। आज पेट्रोल-डीजल देसी घी से महंगा कर दिया, नौजवान बेरोजगारी से परेशान है। किसान की आय दोगुना करने का वादा जुमला ही रह गया। किसान और नौजवान संगठित हो गया तो केंद्र की सत्ता से ये अफवाह फैलाने वाले चले जाएंगे। किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री हेमाराम चौधरी ने युवा नेतृत्व आगे लाने की पहल करने की बात कही। उन्होंने इशारे-इशारे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आड़े हाथ लिया और कहा कि ताली कभी भी एक हाथ से नहीं बजती है, बल्कि ताली बजाने के लिए भी दोनों हाथों की जरूरत पड़ती है। आज युवाओं को पार्टी में मौका देने की जरूरत है। किसान सम्मेलन को विधायक रामनिवास गावड़िया, मुकेश भाकर, पूर्व मंत्री नसीम अख्तर ने भी संबोधित किया। इस दौरान विधायक वीरेंद्र सिंह, फुलेरा से कांग्रेस प्रत्याक्षी रहे विद्याधर चौधरी, महिला कांग्रेस सचिव शशि गुप्ता, राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष अनिल चौपड़ा, ज्योति खंडेलवाल सहित अन्य नेता भी मौजूद थे।

परबतसर संवाददाता के अनुसार इस मौके पर सचिन पायलट ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों के लिए तीन काले कानून बनाए लेकिन किसानों के विरोध के कारण केंद्र सरकार को उन काले कानून को वापस लेना पड़ा, माफी मांगनी पड़ी लेकिन आज तक किसानों की उजप का समर्थन मूल्य का कानून नहीं लागू किया।

किसान सम्मेलन में विशाल भीड़ को देखते हुए उन्होने कहा कि बीजेपी वाले कह रहे हैं कि हम जन आक्रोश रैली निकाल रहे हैं, उनसे कहना चाहता हूं कि आंख खोल कर देखो जनता तो यहां बैठी है, काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है। यह लोग किसान को कमजोर समझते हैं हमें उनसे हारना नहीं है। किसान के नाम पर राजनीति करने वालों को हमें हराना है। इस मौके पर सचिन पायलट ने कहा कि मैं जब छोटा था तो स्वर्गीय राजेश पायलट के साथ सभाओं में जाता था तो वे कहते थे कि जब तक देश की अर्थव्यवस्था एवं नियम कानून बनाने वाली कुर्सी पर किसान का बेटा नहीं बैठेगा तब तक सही मायने में किसान व लोकतंत्र मजबूत नहीं होगा। इसलिए अपनी ताकत को पहचानों अपने वोट की कीमत समझो।

कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजूराम मुन्दलिया ने किया। समारोह में एक भी माली समाज के नेता मंच पर नहीं देखा गया। वहीं नागोर जिला कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व विधायक जाकिर हुसैन गेसावत, कद्दावर जाट नेता लछाराम बडारडा, मकराना परबतसर के एक भी पूर्व विधायक सहित स्थानीय कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी भी मंच पर नहीं दिखे जानें से राजनीतिक गलियारों में चर्चा जोरों से सुनाई दे रही है। किसान सम्मेलन में अधिकतर जाट और गूजर समाज के अलावा नरेगा श्रमिकों की भीड़ रही। इस दौरान कई लोगों के तो मोबाईल भी चोरी होने के समाचार मिले। कार्यकम में सुचारू व्यवस्था नहीं होने से मिडिया कर्मियों की कुर्सियों पर तो उपस्थित भीड़ ने कब्जा जमा लिया। समापन के दौरान मची भगदड ने मंच की सीमा को तोड़ साउंड सिस्टम सहित प्रसारण मॉडम सहित उपकरण तोड़ हजारों का नुकसान किया।

101 निर्धन वृद्ध-विधवा माताओं को कम्बल बांटे

सत्यचित्त पुष्पानंद सामाजिक विकास संस्था की ओर से कंबल सेवा समारोह में 101 वृद्ध- विधवा माताओं को कंबल व तिल के लड्डू बांटै गये।

जयपुर। गत 14 वर्षों से संचालित सेवार्थ संस्था सत्यचित्त पुष्पानंद सामाजिक विकास संस्था की ओर से मकर संक्रांति के पावन अवसर पर कंबल सेवा समारोह के अंतर्गत 101 वृद्ध- विधवा माताओं को कंबल व तिल के लड्डू प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। इस अवसर पर अध्यात्मिक प्रवक्ता खगुल कृष्ण भारद्वाज ने अपने आशीर्वचन व्यक्त करते हुए कहा कि सर्दी के इस बर्फीले मौसम में निर्धन वृद्ध और विधवा माताओं को कम्बल सेवा का सम्मान करना सच्ची मानवता है। क्योंकि निर्धन उम्रदराज और विधवा माताओं का जीवन बहुत अभावों से गुजरा होता है ऐसे वक्त पर संस्था द्वारा किया गया अतुलनीय प्रयास अनुकरणीय है।

कार्यक्रम आयोजिका संस्था सचिव रीता पाठक ने संस्था के द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि पूर्व घोषणानुसार चार चरणों के अंतर्गत शीतकालीन सत्र के दौरान तृतीय चरण में कच्ची बस्तियों में रहने वाली जरूरतमंद वृद्ध व विधवा माताओं के नाम घर घर जाकर सूचीबद्ध किए गए ताकि सही मायने में जरूरतमंदों की सेवा हो। वृद्ध-विधवा माता कंबल सेवा समारोह के अवसर पर अतिथिगणों में राजस्थान पुजारी परिषद के जयपुर शहर अध्यक्ष समाजसेवी कमलेश कुमार शर्मा और समाजसेविका मंजू गोयल ने संयुक्त रूप से अपने वक्तव्य में संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए शहर भर के भामाशाहों से संस्था के अनुपम कार्यों में अपनी सहभागिता की अपील की। इस अवसर पर समाजसेवी आलोक सर्राफ, डॉक्टर सुनील तंवर, सुरेश गुप्ता, समाजसेवी कमलेश शर्मा, मंजू गोयल, आशीष तिवारी, अंजलि अग्रवाल, गुड्डी रानी, कोमल चंद गोयल, सुभाष जोशी, रिंकू, कमलेश कुमारी आदि उपस्थित थे।

डॉ. बगरहट्टा की पुस्तक का जेएलएफ में होगा विमोचन

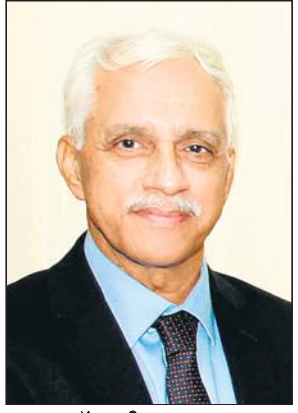

डॉ. राजीव बगरहट्टा

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर के जाने-माने कार्डियोलॉजिस्ट और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल और कंट्रोलर डॉ राजीव बगरहट्टा द्वारा लिखित पुस्तक वेल प्लेड का विमोचन जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) के पहले दिन 19 जनवरी को शाम 5 बजे फ्रंट लॉन में किया जाएगा। इस पुस्तक का विमोचन ओलंपिक एथलीट अभिनव बिंद्रा और मेदांता के चेयरमैन व एम.डी., डॉ. नरेश त्रेहान करेंगे। डॉ. बगरहट्टा एक्सेस हेल्थ केयर के सीईओ परीक्षित सिंह के साथ चर्चा करेंगे।

पुस्तक के बारे में बात करते हुए, डॉ. बगरहट्टा ने बताया कि यह पुस्तक उनके पिता जगदीश प्रसाद बगरहट्टा की अपरंपरागत यात्रा के बारे में है, जिसमें उन्होंने उनके बचपन के दौरान उपेक्षा से लेकर विभाजन के साक्षी बनने तक, प्रतिस्पर्धी खेलों की भावना को बनाए रखने और फिर कार्डियक रिहैबिलिटेशन की मदद से देखभाल करने की फिलॉसफी का प्रसार करने तक की कहानी के बारे में बताया है। अवस्थांतर और परिवर्तन की प्रेरक कहानी, वेल प्लेड पाठकों को विश्वास बनाए रखने, जोखिम लेने, सही समय पर सही कदम उठाने और साधारण को असाधारण में बदलने के लिए प्रेरित करेगी।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 में सुनाई पड़ेंगी भिन्न भारतीय भाषाएं

जयपुर, (का.सं.)। 19 से 23 जनवरी 2023 को आयोजित होने वाले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में भारतीय भाषाओँ पर प्रमुख फोकस के माध्यम से साहित्य, कला और संस्कृति की ताकत का जश्न मनाया जायेगा। फेस्टिवल के 16वें संस्करण में 21 भारतीय और 14 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओँ को प्रस्तुत किया जायेगा।

साहित्य के इस महाकुम्भ में एक विशेष सत्र में अलका सरावगी और उपन्यासकार, टोकरी में दिगंत के लिए साहित्य अकादमी अवार्ड से सम्मानित अनामिका हिस्सा लेंगी। इन प्रतिष्ठित और लोकप्रिय लेखिकाओं से संवाद करते हुए पत्रकार निष्ठा गौतम हिंदी साहित्य के गूढ़ अर्थ को समझने का प्रयास करेंगी।

एक अन्य सत्र में, संस्कृत के विद्वान और सर्वान्तेस इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर, ऑस्कर पुजोल, भारत में पोलैंड के एम्बेसडर, एडम बुराकोव्सकी और लेखक और भारतीय राजनयिक, अभय के साथ दिखाई देंगे, जहाँ यूरोप में हिंदी की लोकप्रियता पर चर्चा होगी।

फेस्टिवल में एक सत्र इंटरनेशनल बुकर प्राइज विजेता गीतांजलि और उनकी अनुवादक डेजी रॉकवेल के नाम रहेगा। सत्र संचालन साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार विजेता तनुज सोलंकी करेंगे। सत्र का फोकस हिंदी के मूल उपन्यास 'रेत समाधि' पर रहेगा और उसके माध्यम से कहानी कहने की प्रयोगात्मक कला, विषयांतर और वृद्ध नायिका के नजरिये से विभाजन को समझा जायेगा।

हिंदी विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओँ में चौथे स्थान पर है। प्रत्येक स्थान पर, स्थानीय शब्दों और लहजे ने हिंदी का एक नया ही रूप गढ़ लिया है। भाषा और अनुभव का ये विस्तार उन लेखकों के कार्य में नज़र आता है, जो हमेशा कुछ नया गढ़ने के लिए तैयार रहते हैं। साहित्य के इस महाकुम्भ में, उपन्यासकार अनामिका, इंटरनेशनल बुकर प्राइज विजेता गीतांजलि, लेखक नंद भारद्वाज, और पुष्पेश पंत से 'एक हिंदी अनेक हिंदी' नामक सत्र में संवाद करेंगे जाने-माने कवि, संगीत और सिनेमा के विद्वान यतीन्द्र मिश्र। बुक लॉन्च सेक्शन में, लेखिका, धरती के सबसे बड़े साहित्यिक उत्सव की को-डायरेक्टर और फाउंडर नमिता गोखले और अनुवादक पुष्पेश पंत और प्रभात रंजन से संवाद करेंगी प्रकाशक अदिति महेश्वरी गोयल। इस अवसर पर टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और फेस्टिवल के प्रोडूसर, संजॉय के. रॉय; प्रसिद्ध लेखक, इतिहासकार और फेस्टिवल के को-डायरेक्टर, विलियम डेलरिम्पल और वाणी प्रकाशन ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर और वाणी फाउंडेशन के चेयरमैन, अरुण महेश्वरी। लोकार्पण के बाद गोखले की दिलचस्प किताब 'जयपुर जर्नल' के मज़ेदार हिंदी अनुवाद 'जयपुरनामा' पर चर्चा की जाएगी। फेस्टिवल के बेकड्रॉप पर आधारित यह उपन्यास मानो श्रोताओं के दिल की बात बयां कर देता है।

सीआईआई-एनबीसी जयपुर बाय नाइट मैराथन 28 को

जयपुर, (का.सं.)। कॉन्फडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) राजस्थान सरकार के पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से यंग इंडियंस और इंडियन वुमन नेटवर्क राजस्थान के साथ मिलकर अपने प्रमुख और बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम सीआईआई-एनबीसी जयपुर बाय नाइट मैराथन का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन 28 जनवरी को शाम 7 बजे से जवाहर कला केंद्र पर होगा, जहां से मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। यह जानकारी सीआईआई राजस्थान के चेयरमैन, गौरव रूंगटा ने दी।

रूंगटा ने आगे बताया कि फ्लैग ऑफ समारोह में शिक्षा, कला एवं संस्कृति मंत्री, डॉ. बी.डी. कल्ला मुख्य अतिथि होंगे। वहीं प्रमुख सचिव-पर्यटन, राजस्थान सरकार, गायत्री राठौड़, और निदेशक-पर्यटन, रश्मि शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होंगी।

जयपुर में पिछले तीन दिन से कोई भी नया करोना संक्रमित नहीं

- राज्य में सोमवार को केवल एक ही नया संक्रमित पाया गया है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में पिछले तीन दिन से करोना संक्रमण का एक भी नया मामला सामने नहीं आया है। वहीं राज्य में सोमवार को केवल एक ही नया संक्रमित मिला है। इस बीच दो और मरीजों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर पांच रह गए हैं।

प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से करोना संक्रमण के एक-दो मामले ही सामने आ रहे हैं। इसके चलते राज्य में सोमवार को भी केवल सीकर में ही 1 नया संक्रमित मिला है। इससे पहले रविवार को प्रदेश में कोई भी संक्रमित नहीं पाया गया था। इधर राजधानी जयपुर में पिछले तीन दिन से संक्रमण का कोई भी नया मामला सामने नहीं आया है। जयपुर में कोविड की तीनों लहरों के बाद यह पहला मौका है जब यहां न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है।

राज्य में सोमवार को 2 मरीजों के रिकवर होने से एक्टिव केस घटकर 5 रह गए हैं। इनमें से 2 मरीजों का इलाज उदयपुर में चल रहा है। इसके अलावा जैसलमेर, जोधपुर और सीकर में 1-1 एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में सोमवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है।

कार्यपालक निदेशक राजेंद्र शर्मा का हुआ सम्मान

जयपुर, (का.सं.)। विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा ने राजेंद्र शर्मा कार्यपालक निदेशक, राज्य वित्त निगम, उद्योग भवन का उत्कृष्ट कार्य के लिए साफा एवं भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया।

इस दौरान मंजू शर्मा ने कार्यपालक निदेशक राजेंद्र शर्मा द्वारा समाज हित में किए गए कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। इस दौरान ब्राह्मण समाज जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी, जिला महासचिव बनवारीलाल शर्मा, गोविंदगढ़ ब्लॉक प्रभारी कैप्टन श्रीराम शर्मा, सदस्य एवं चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे।

40 आरएएस के तबादले

जयपुर। राज्य सरकार ने आज एक आदेश जारी कर 40 आरएएस अधिकारियों के तबादले कर दिये। आदेशानुसार वासुदेव मालावत कमिश्नर नगर निगम उदयपुर, अनुराग भार्गव नगर निगम कोटा उत्तर और सुभाष चन्द्र गोयल को नगर निगम भरतपुर का कमिश्नर बनाया है। हिम्मत सिंह बारहठ को यूआईटी चित्तौड़गढ़ और सुनीता चौधरी को एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बीकानेर का रजिस्ट्रार बनाया गया है। सत्यनारायण आमेटा को जिला रसद अधिकारी, बारां, नरेश सिंह तंवर व सरोज ढाका को उपायुक्त, नगर निगम जयपुर हैरिटेज में लगाया गया है।

सड़क सुरक्षा अभियान में हरी झंडी दिखाकर ऑटो रैली रवाना की

- रोड सेफ्टी अवेयरनेस सैशन में सूकली छात्रों को जागरुक किया

जयपुर, (का.सं.)। रामबाग सर्किल स्थित सुबोध पब्लिक स्कूल में आज सड़क सुरक्षा अभियान के तहत एडिशनल डी.जी.पी. साउथ राजेन्द्र सिंह सिसोदिया व मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक जज (ए. डी. जे .) अशकाराव व स्कूल प्रिंसिपल कमलजीत यादव ने हरी झंडी दिखाकर ऑटो रैली रवाना की। जिसमे अनेक बालवाहिनी शामिल थी। यह रैली सुबोध पब्लिक स्कूल से रवाना होकर जे.डी.ए व त्रिमूर्ति चौराहा, नारायण सिंह सर्कल से पुनः स्कूल तक पहुँची। वाहनों पर यातायात नियमों के स्लोगन द्वारा आम जनता में यातायात नियमों का पालन करने हेतु संदेश दिया गया। यह रैली लोगों को यातायात नियमी के प्रति जागरूक करने के लिये निकाली गई।

अभियान के तहत जयपुर यातायात पुलिस ने स्कूली विद्यार्थियो को जागरूक किया। जिसमे रोड सेफटी अवेयरनेस सैशन में पुलिस विभाग की ओर से यातायात सुरक्षा अभियान आयोजित किया गया। इसमे राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, एडिशनल डी.सी.पी (साउथ) पुलिस निरीक्षक यातायात (शिक्षा) प्रवीण कुमारर ,अब्दुल सलीम सहायक पुलिस उपनिरीक्षक और प्रेमसिंह ने विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस दौरान उपस्थित छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा तथा यातायात के नियमों के विषय में विस्तार से जानकारी दी गयी। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सड़क सुरक्षा, यातायात नियम, हेलमेट सीटबेल्ट का उपयोग, इमरजेंसी सेवाएँ, साईनेज, ट्रेफिक लाईट, हैड साइन इमरजेंसी सेवा के संबंध में जानकारी दी गयी।

तीन तस्करों को कारावास

जयपुर, (का.सं.)। जाली नोट मामलों की विशेष अदालत ने जाली नोट रखने वाले तीन तस्करों नीरज ढीगडा, धीरज कुमार और राकेश कुमार को पांच साल की सजा सुनाई है।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को राजभवन में संविधान उद्यान के भ्रमण के लिए ऑनलाइन विजिटर बुकिंग प्रणाली का बटन दबाकर लोकार्पण किया। इसके साथ ही, राजभवन में निर्मित संविधान उद्यान अब राजभवन की वेबसाइट पर दिए गए लिंक से अग्रिम बुकिंग करवा कर आम दर्शकों द्वारा भ्रमण के लिए खोल दिया गया है। उद्यान का भ्रमण सप्ताह में दो दिन शुक्रवार और शनिवार को किया जा सकेगा।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

आम सूचना मैं श्रीमती प्रेमा देवी गहलोत पत्नी स्व. श्री राधे श्याम गहलोत निवासी- प्लॉट नं. 11, एवरेस्ट कॉलोनी, लाल कोठी, टोंक फाटक, जयपुर की हूं तथा इस सूचना के जरिए सूचित करती हूं कि मेरी इस संपति में केवल मात्र मेरे पुत्र कमल किशोर गहलोत एवं मेरी पुत्री कुमुद तँवर ही मेरी मृत्यु के पश्चात एकमात्र विधिक रूप से उत्तराधिकारी होंगे तथा मेरे बड़े पुत्र कृष्ण कुमार गहलोत के उत्तराधिकारी एवं पत्नी इस संपत्ति से बेदखल करती हूं इसके अतिरिक्त इस संपत्ति को कोई भी क्रय-विक्रय करेगा तो मेरे विधिक अधिकारों एवं मूल अधिकारों के विरुद्ध शुन्य होगा। सूचित रहे।
प्रेमा देवी गहलोत पत्नी स्व.राधेश्याम गहलोत

खोया पाया
मैं सुमन देवी शर्मा मेरे प्लट नं.ए-105, लालचन्दपुरा योजना जयपुर क्षेत्रफल 399.50 वर्गमीटर के समस्त मूल दस्तावेज कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें 8302258672

NAME CHANGE

I have changed my name from Anjum Ara to Anjum Ara Naqvi in future J-166, Dhanna Das Ki Bagichi, Fatah Tiba, Adarsh Nagar, Jaipur

I Have Changed My Name From Bharti Rajkumar Chandnani To Bharti Chandanani W/o Raj kumar Chandnani For All Purpose. 68-B Sindhi Colony Kalwar Road Jhotwara Jaipur (Raj.)

I have changed my Name from Purvi Baraya to Purvi Jha W/o Shiv Mohan Jha R/o D-26, Model Town, Jagatpura, Jaipur for future purpose.

I, No. 4280475X Hav. Kondagori Bujji S/o Sri Kondagori Adinarayanir R/o Kothapeta, Rayagada, Odisha-765017, In Service record my name Kondagori Buji is wrongly recorded. Correct is Kondagori Bujji vide affidavit dated 04.01.2023 Jaipur.

I have change my name from Pappu Lal Sharma to Pankaj Sharma S/o Sh. Chandan Ram R/o 21, Basant Vihar Colony, Mahesh Nagar, Jaipur. In future know and recognizes me to my new name.

I have changed my name from Siraj Anwar Aatish to Siraj Anwar for all future purpose. Siraj Anwar S/o Mohd Naimuddin R/o 31, Choudhary Vihar Colony, Gangapol, Jaipur 302002

मैंने मेरा नाम रघुराज सिंह पुत्र श्री गजेन्द्र सिंह चन्द्रांवत से बदलकर रघुराज सिंह चन्द्रांवत पुत्र श्री गजेन्द्र सिंह चन्द्रावत रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। 45 बड़ा मन्दिर सांगानेर जयपुर (राजस्थान)

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरी धर्मपत्नी **श्रीमती विमला राणावत** धर्मपत्नी वीरेन्द्र सिंह राणावत का निधन अकस्मात 15.01.2023 को हो गया है एवं तीये की बैठक दिनांक 17.01.2023 को 3:00 से 4:00 हमारे निवास स्थान पर गांव वाटिका, तह. सांगानेर, जयपुर पर होगी।
शोकाकुल- विरेन्द्र सिंह राणावत (पति), किशोरसिंह (जेठ), हिम्मत सिंह, सुरेन्द्र सिंह (पुत्र), परमवीर सिंह, विक्रम सिंह, मंयक सिंह (पौत्र) एवं समस्त राणावत परिवार।
मो.- 9680640439, 8107475837

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती जय कँवर पत्नी स्व. श्री धारा सिंह, निवासी-36, पीताम्बर नगर, गजसिंहपुरा, मानसरोवर, जयपुर ने आज दिनांक से अपने पुत्र गणेश सिंह व पुत्रवधू पुष्पा कंवर को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है क्योंकि मेरी अभिभाष्या का पुत्र व पुत्रवधू इनके कहने में नहीं है व मेरी अभिभाष्या के साथ मारपीट करते हैं। यदि कोई व्यक्ति किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध संव्यवहार मेरे पुत्र से बनायेगा या रखेगा तो उसकी कोई जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्या की नही होगी।
जयपुर (शैलेन्द्र सिंह) एडवोकेट
दिनांक 15.1.2023 मो.नं.-9636360070

आम सूचना सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल श्रीमती, गीता सक्सेना पत्नी श्री अनूप कुमार सक्सेना निवासी 1/11 विक्रम आदित्य नगर रेजीडेंसी रोड, जोधपुर राजस्थान, (हाल पता 33/66 एच. आई.जी. वाके मानसरोवर, राजस्थान आवासन मंडल योजना जयपुर) को उसकी स्वर्गीय माता श्रीमती शशि प्रभा श्रीवास्तव पत्नी स्वर्गीय डॉ श्री राजेंद्र कुमार श्रीवास्तव द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा के तहत नीचे वर्णित अनुसूची की संपत्ति के आधार निहित किए गए है जिसके तहत मेरी मुवक्किल ने वर्णित संपत्ति को उसके नाम पर स्थानांतरण के लिए संबंधित प्राधिकरण के समक्ष आवेदन किया है। यदि किसी को कोई आपत्ति है, तो वह इस प्रकाशन के 7 दिनों (सात) के भीतर अपने दावे की पुष्टि करने वाले दस्तावेजी प्रमाण के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर सकते है, जिसमें विफल रहने पर कोई दावा/ आपत्तियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।
संपत्ति की अनुसूची-33/66, एच. आई.जी. वाके मानसरोवर, राजस्थान आवासन मंडल योजना जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
क्रमांक:- DHC-II/2495 जाहिर आम सूचना दिनांक: 06/01/23
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 6/423, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 120.00 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री सदाशिव पण्डितः पुत्र स्व श्री रामचन्द्र राव पण्डित को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 1100 दिनांक 12.07 1990 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 25.09.1990 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 4013 दिनांक 18.12.1994 के द्वारा श्री सदाशिव पण्डित पुत्र स्व. श्री रामचन्द्र पण्डित के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 22.12.1994 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री सदाशिव पण्डित की मृत्यु दिनांक 04.11.2018 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी / पुत्र श्रीमती वर्षा पण्डित पत्नी स्व. श्री सदाशिव पण्डित एवं श्री आशुतोष पण्डित पुत्र स्व. श्री सदाशिव पण्डित ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति आवेदक श्रीमती वर्षा पण्डित पत्नी स्व. श्री सदाशिव पण्डित एवं श्री आशुतोष पण्डित पुत्र स्व. श्री सदाशिव पण्डित के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक, वृत द्वितीय, जयपुर

राजस्थान आवासन आयुक्त, वृत्त-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर 0141-2723844
आम जाहिर सूचना
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या 3-द-25 जवाहर नगर जयपुर क्षेत्रफल 263.00 वर्ग गज का आवंटन श्री हुकुम चन्द गुप्ता पुत्र श्री कपूर चन्द गुप्ता को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 9607 दिनांक 19/04/1975 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर प्रथम में दिनांक 15/03/1991 को करवाया गया। श्री हुकुम चन्द गुप्ता की मृत्यु दिनांक 21/10/2022 को हो जाने के कारण श्री प्रशान्त गुप्ता पुत्र स्व. श्री एच0सी0 गुप्ता के द्वारा आवेदन पत्र के साथ क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का प्रतिस्थापन अपने नाम करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के प्रतिस्थापन के संबंध में किसी भी व्यक्ति/ बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री प्रशान्त गुप्ता पुत्र स्व. श्री एच0सी0 गुप्ता के पक्ष में उक्त आवास के प्रतिस्थापन की कार्यवाही करदी जावेंगी।
संपदा प्रबंधक, वृत्त तृतीय, राज. आ. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
क्रमांक:- DHC-II/2577 जाहिर आम सूचना दिनांक: 13/01/23
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 21 / 209, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 162.00 वर्ग मीटर / वर्ग गज का आवंटन श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्री ओंकार लाल को किया गया था जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4133 दिनांक 17.02.1986 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 07.04.1986 को प्राप्त कर लिया गया था। राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 55 दिनांक 03.01.1996 के द्वारा श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्री ओंकार लाल के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 05.01.1996 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री गोविन्द सिंह पुत्र श्री ओंकार लाल के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्रीमती किरण शर्मा पत्नी श्री कुलदीप शर्मा को कर दिया गया। इनके द्वारा उक्त आवास के विक्रय प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 19.11.2007 को करवाया गया। इसके पश्चात श्रीमती किरण शर्मा की मृत्यु दिनांक 06.01.2012 को हो जाने के कारण इनके पति श्री कुलदीप शर्मा पुत्र श्री केदार नाथ शर्मा ने मृत्यु पश्चात् नाम एवं लीजडीड हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति / आवेदक श्री कुलदीप शर्मा पुत्र श्री केदार नाथ शर्मा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है। सम्पदा प्रबन्धक, वृत द्वितीय, जयपुर

आम सूचना
मैं रामबाबू शर्मा पुत्र उमराव सिंह शर्मा जाति ब्राह्मण निवासी वार्ड नंबर 33 पटेल नगर बहरोड, तहसील बहरोड़ जिला अलवर राजस्थान का हूं। मैं मैसर्स फर्म श्री दुर्गा रोडलाइंस का मालिक हू जिसकी जीएसटी नंबर 08CYTPS5486 F 2ZG है। मैं पिछले काफी सालों से हैवेल्स इंडिया लिमिटेड में ट्रांसपोर्ट का काम कर रहा हूं। कोई अज्ञात व्यक्ति उक्त हमारी फर्म की बिल्टी का दुरुपयोग कर रहा है। जिसके कोई पता नहीं चल रह है। यह व्यक्ति हमें कोई भारी नुकसान पहुंचा सकता है। हमारी स्वयं की बिल्टी का एक जीआर नंबर सीरीज होती है। दुरुपयोग करने वाले व्यक्ति से हमारा कोई लेना देना नहीं है। उक्त जो भी व्यक्ति हमारी फर्जी बिल्टी बना के उपयोग कर रहा है व हमारे नाम को खराब कर रहा है वह व्यक्ति दंडनीय होगा। इसकी सूचना हम स्थानीय थाना में भी दे चुके है।
मैसर्स फर्म श्री दुर्गा रोडलाइंस
रामबाबू शर्मा बहरोड़

fincare Small Finance Bank
Registered Office: 301-306, 3rd Floor, ABHIJEET -V, Opp. Mayor's Bungalow, Law Garden Road, Mithakhali, Ahmedabad - 380006, Gujarat. www.fincarebank.com

LOAN AGAINST GOLD - AUCTION NOTICE ON "AS IS WHERE IS" BASIS

The below mentioned borrower/s have been issued notices to pay their outstanding amounts towards the loan against gold facilities availed from Fincare Small Finance Bank Ltd ("Bank"). Since the borrower/s has/have failed to repay his/their dues, we are constrained to conduct an auction of pledged gold items/articles on **23 January 2023** at below mentioned branches.

BANSWARA - 22660000208491, 22660000237455, 22660000253774, 22660000279995, 22660000302903, 22660000308032 | **CHITTORGARH** - 22660000264553, 22660000268886, 22660000274224, 22660000283797, 22660000917246 | **DUNGARPUR** - 22660000274744, 22660000278927 | **JAIPUR-TRIVENI NAGAR** - 22660000217913, 22660000790392 | **KOTA - GHODE WALE BABA CROSS ROAD** - 22660000225188, 22660000229761, 22660000260081, 22660000304940 | **UDAIPUR - MADHUBAN BANK STREET** - 22660000292500, 22660000302713, 22660000303162.

Note: The auction is subject to certain terms and conditions mentioned in the bid form, which is made available before the commencement of auction.

कुल्लू, मनाली और कश्मीर से ठंडा रहा माउंट आबू, पारा -6 डिग्री दर्ज

माउंट आबू पहुंच रहे पर्यटक मौसम का जमकर लुफ्त उठा रहे हैं

माउंट आबू में सर्दी से जमी ओस की बूंदे बर्फ बन गईं।

आबूरोड़, (निसं)। माउन्ट आबू में सोमवार को तीसरे दिन पारा जमाव बिंदु के नीचे रहा। सोमवार को न्यूनतम तापमान माइनस 6 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार के मुकाबले न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है और अभी भी सर्दी का थर्ड डिग्री टॉर्चर जारी है। माउंट आबू का न्यूनतम तापमान देश के अन्य हिल स्टेशन कुल्लू, मनाली, शिमला सहित अन्य जगह से काफी कम है। माउंट आबू पहुंच रहे पर्यटक मौसम का जमकर लुफ्त उठा रहे हैं। जिला प्रशासन ने सर्दी को देखते हुए दो दिन का स्कूली अवकाश घोषित किया है। लोग अलाव के सहारे से बचने का जतन कर रहे है।

पर्यटक उठा रहे है लुफ्त:- सर्दी के मौसम में अक्सर ही ठण्ड का लुफ्त उठाने के लिए गुजरात सहित अन्य प्रदेशों से बड़ी संख्या में पर्यटक हिल स्टेशन माउंट आबू का रुख करते है। वही इस बार मौसम और तापमान में गिरावट के बाद माउंट आबू पहुंच रहे पर्यटक जमकर सर्दी का लुफ्त उठा रहे है। पर्यटक चाय की चुस्कीयों और गर्म व्यंजनों कर सहारे सर्दी भगाने का जतन करते नजर आ रहे है।

अलाव, गर्म कपडे और रूम हीटर बने सहारा:- माउंट आबू में सर्दी के तेज प्रकोप के बीच अलाव जलाकर सर्दी से बचाव कर रहे है वही पर्यटकों गर्म कपड़ो और रूम हीटर से सर्दी से बचने का जतन कर रहे है। कड़ाके की सर्दी से लोगों की धुजनी छूट गई है। उधर ठण्ड के साथ ही हवाओं का दौर भी जारी है।

सर्दी से खेतों में बिछी बर्फ की सफेद चादर

- **सरसों की फलियों में पका दाना नष्ट होता जा रहा है**
- **किसानों ने सरसों की फसल में 70 प्रतिशत नुकसान होने की आशंका जताई**
- **'सरसों की फसल में नुकसान की आशंका'**

सूरतगढ़, (निसं)। इलाके में पड़ रही कड़ाके की सर्दी से फसलों पर बर्फ की सफेद चादर जम रही है। खेतों में यह स्थिति सोमवार सुबह भी देखी गई। विगत कुछ दिनों से धुंध और शीतलहर के कारण सरसों की फलियों में पका दाना नष्ट होता जा रहा है। इससे क्षेत्र में सरसों की फसल में नुकसान होने की आशंका बन गई है।

किसानों ने विगत 3 दिन से पड़ रहे पाला से सरसों की फसल में 70 प्रतिशत नुकसान होने की आशंका जताई है। वहीं, समतल और सख्त भूमि वाले किसानों ने पाला से 40 फीसदी नुकसान होने की बात कही है।

कृषि विभाग का भी कहना है कि आगामी 3 से 4 दिनों बाद नुकसान की जांच करने के बाद वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाएगी। कृषि अधिकारियों ने बताया कि दिन में तीखी धूप खिलने के साथ हवा नहीं चलने से नुकसान कम है। उन्होंने बताया कि जिस सरसों और चना की फसल में सिंचाई हो चुकी है, उसमें नुकसान कम है। वहीं पछेती सरसों के डंठल में पानी जमने से नुकसान की आशंका बनी हुई है।

टिब्बा क्षेत्र के किसान भोमनाथ, हरदेव सिंह, सुरजाराम, रामलाल, मनीराम आदि ने बताया कि इस बार सरसों की बंपर फसल है परंतु करीब 1 सप्ताह से चल रही ठंडी हवाओं से नुकसान होना भी तय है। किसानों का कहना है कि कोहरे के रूप में बरसी बर्फ का विपरीत प्रभाव सरसों की फसल पर ज्यादा देखने को मिला है।

बाप में सर्दी से राहत नहीं, बर्तनों में जमी बर्फ

बाप में पाला पड़ने से खेत में अंरडी की फसल झुलस गई।

बाप, (निसं)। जोधपुर जिले में सर्दी का सितम जारी है। सर्दी से राहत नहीं मिलने से आमजन सहित पशु पक्षी भी बेहाल है। शीतलहर की वजह से धूप में भी कंपकंपी छुट रही है। पिछले तीन दिनों से रात में पारा जमाव बिंदु तक जा रहा है। सुबह खेतों में फसल, घास आदि पर बर्फ जम रही है। सोमवार सुबह घटोर में घरों के बाहर रखे बर्तनों में भी बर्फ जम गई। दिन ढलते ही सर्दी में इजाफा हो जाता है। कड़ाके सर्दी के कारण लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो गई है।

सरसों-चने में नुकसान से किसान सदमे में

सादुलपुर, (निस)। चूरू जिले में आठ साल के बाद जनवरी माह में लगातार शीतलहर के साथ-साथ पारा माइनस में दर्ज किया जा रहा है । चुरू जिले सहित सादुलपुर तहसील क्षेत्र में 2.5 डिग्री माईनस में पहुँचे तापमान के कारण खेतों में खड़ी सरसों चनों की फसलों में नुकसान होने के कारण किसान सदमे में हैं।

साथ ही हाड़ कम्पाने वाली ठंड के कहर से आमजन का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। क्षेत्र के पीड़ित किसानों ने शीघ्र ही माईनस तापमान के कारण बर्बाद हुई फसल की गिरदावरी करवाने की मांग की है। वहीं गांव गोविंद सिंह का बास के किसान हरिराम व गांव भैंसली निवासी किसान रामनिवास, रतन सिंह व जय सिंह ने बताया कि पिछले दो दिनों से लगातार सरसों गेहूं और चने की फसलों को नुकसान पहुंचा है तथा खेतों में चारों तरफ किसानों की खेती बर्बाद हो चुकी है।

इसके अलावा राजगढ़ तहसील के गांव नीमां, जसवंतपुरा, चाँदगोठी, थिरपाली छोटी, थिरपाली बड़ी, सुलखानिया छोटा, सुलखणिया बड़ा व नेशल आदि गांवों के किसानों ने भी राज्य सरकार एवं प्रशासन से गिरदावरी करवाकर किसानों को हुए भारी सर्दी से नुकसान के कारण फसल बर्बादी का किसानों को मुआवजा दिलवाने की मांग की है। भारत की कम्यूनिष्ट पार्टी (माकर्सवादी) के जिला कमेटी सदस्यों ने राज्य सरकार व तहसील प्रशासन से मांग करते हुए पत्र लिखा है कि सिंचित क्षेत्र के इन गांवों में आजकल में ही गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा दिलवाया जाए।

सादुलपुर सरसों की फसल पर जमी बर्फ।

पाला से खराब हुई फसलों का मुआवजे दिलवाने की मांग

- **किसानों पर पड़ रही चौतरफा मार, समय पर न बिजली मिल पा रही ना खाद**

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सहित आस-पास के क्षेत्रों में शीतलहर व पाले के कारण सभी फसलों का नुकसान हो रहा है। इसको लेकर जनप्रतिनिधियों सहित किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी राजवीर सिंह यादव को ज्ञापन पत्र सौंपकर शीघ्र गिरदावरी करवाकर किसानों को फसल खराबे का मुआवजा दिलाने की मांग की है।

ज्ञापन पत्र के माध्यम से अवगत करवाया कि किसान भाइयों पर चौतरफा मार पड़ रही है। ना तो किसानों को समय पर बिजली मिल रही है, ना ही पर्याप्त खाद व उर्वरक मिल पा रहा है और ना ही अभी तक किसानों के कर्ज की माफी हुई। अब क्षेत्र में शीतलहर के प्रकोप व पाला पड़ने के कारण सरसों, गेहूं, जौ, चना व फल सब्जियों की बाड़ी सहित सभी फसलें खराब होने के कगार पर है।

लाडाकाबास सरपंच सरोज यादव, पूर्व सरपंच मदन याद व कारौली सरपंच श्रवन सिंह शेखावत ने कहा कि यदि फसल खराबे की समय से गिरदावरी हो जाए तो किसानों की फसल खराबे का सही आंकलन हो जाएगा।

श्रीमाधोपुर। कस्बे सहित आस-पास के ग्रामीण इलाके में सर्दी ने तीखे तेवर फिर से दिखाने शुरू कर दिए हैं। सोमवार को खेतों में खड़ी फसल पर ओस की बूंदें तथा घरों के बाहर पक्षियों के लिए लगाए गये परिंडों में रखा पानी भी बर्फ में तब्दील हो गया। लगातार पड़ रही सर्दी से आम जनजीवन अस्त वस्त हो गया है। सोमवार सुबह चारों और बर्फ ही बर्फ नजर आई। बर्तन में जमी बर्फ दिखाती महिला।

रोक से पहले खूब हुए ट्रांसफर, शिक्षा विभाग रहा अव्वल

- **ऑफिशियल स्टॉफ से प्रिंसिपल तक, एएनएम से डॉक्टर्स तक के हुए तबादले**
- **ट्रांसफर पर फिर बेन लग गया लेकिन थर्ड ग्रेड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हुए**

बीकानेर, (कासं)। राज्य सरकार ने पंद्रह जनवरी से तबादलों पर रोक लगा दी। इसके साथ ही रात बारह बजे तक ट्रांसफर लिस्ट जारी होने का सिलसिला चलता रहा। ट्रांसफर के अंतिम दिन भी सबसे ज्यादा आदेश निकालने वाले विभागों में शिक्षा विभाग अव्वल रहा। ऑफिशियल स्टॉफ से प्रिंसिपल तक के ट्रांसफर किए गए। वहीं चिकित्सा विभाग में एएनएम से डॉक्टर्स तक के तबादले हुए। पुलिस विभाग में भी कुछ आदेश हुए ।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने लेक्चरर, हेडमास्टर और प्रिंसिपल के साथ मंत्रालयिक कर्मचारियों के ट्रांसफर किए हैं। प्रदेश के सभी संभागीय मुख्यालयों पर संयुक्त निदेशकों के हस्ताक्षर से ट्रांसफर लिस्ट जारी हुई है। ये सभी ट्रांसफर लिस्ट जयपुर से स्वीकृति के बाद ही जारी हो सकी है। शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला के कार्यालय से हरी झंडी मिलने के बाद ही शिक्षा विभाग में ट्रांसफर हुए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने भी अपनी लिस्ट शिक्षा मंत्री कार्यालय को भेजी, जिसकी शत प्रतिशत पालना की गई है।

हर जिले में विधायकों की सिफारिशों पर विशेष ध्यान दिया गया है। विधायकों ने ट्रांसफर करने और निरस्त करने की सिफारिश की है। कांग्रेस विधायकों की सिफारिशों के आधार पर एक बार फिर आदेश जारी हुए हैं। बीकानेर संयुक्त निदेशक ने एक ही आदेश में अधिकारियों और मंत्रालयिक कर्मचारियों के तबादले किए हैं। ट्रांसफर से बेन हटने के बाद वापस भी लग गया लेकिन अब तक ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हुए। करीब एक लाख टीचर्स ट्रांसफर का इंतजार कर रहे हैं। अशोक गहलोत सरकार ने इस बार भी एक ग्रेड थर्ड का ट्रांसफर नहीं किया है। पिछले दिनों मंत्रिमंडल की मीटिंग के बाद उम्मीद की जा रही थी कि तबादला नीति बनने से पहले ही ट्रांसफर होंगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब ग्रेड थर्ड के लिए विशेष अनुमति की उम्मीद की जा रही है।

उधर, चिकित्या विभाग ने भी बड़ी संख्या में एएनएम के ट्रांसफर किए हैं। चिकित्सा निदेशालय ने जयपुर से इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। चिकित्सा विभाग में अपेक्षा से कम फेरबदल हुआ। बीकानेर में सदर थानाधिकारी सीआई लक्ष्मण सिंह व पुलिस निरीक्षक प्रदीप सिह चारण का ट्रांसफर भी निरस्त हो गया है। इस बारे में पुलिस मुख्यालय से आदेश जारी हुआ। इससे पहले भी कुछ सीआई का ट्रांसफर निरस्त हुआ था। अब तबादलों पर रोक लगने के साथ ही पुलिस निरीक्षकों ने भी राहत की सांस ली है। अब चुनाव से पहले ही बड़ी ट्रांसफर लिस्ट जारी होगी।

लाइनमैन रिश्वत लेते गिरफ्तार

आहोर, (निसं)। जालोर एसीबी ने जोधपुर डिस्कॉम के लाईन मैन को छह हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आहोर के हरजी गांव के परिवादी ने रिपोर्ट पेश कर बताया कि जोधपुर डिस्कॉम के लाईन मैन रूपनारायण प्रजापत मीटर की रिडिंग ठीक करने व वीसीआर नहीं भरने की एवज में 6000 रूपये की रिश्वत की मांग कर रहा है। एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए डिस्कॉम के सहायक तकनीकी लाईन मैन रूपनारायण प्रजापत जिला करोली को रिश्वत की राशि के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

जेल प्रहरियों की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर, (कासं) । वेतनमान बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले 4 दिन से अनशन कर रहे जेल प्रहरियों में अधिकांश की तबीयत अब बिगड़ने लगी है। सोमवार सुबह 3 प्रहरियों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया । इससे पहले रविवार को भी दो जेल प्रहरी अस्पताल पहुंचे थे । वर्तमान में 5 जेल प्रहरी अस्पताल में भर्ती हैं जबकि 8 जेल प्रहरियों की तबीयत खराब हो चुकी है।

सोमवार सुबह जेल प्रहरी राजूराम, सवाई राम और जेताराम की तबीयत बिगड़ गई। तीनों को 108 एम्बुलेंस के जरिए महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया गया। इससे पहले रविवार रात विकास विश्नोई की भी तबीयत खराब हुई थी, जिसे भी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। रविवार को एक महिला जेल प्रहरी संतोष मीणा का स्वास्थ्य खराब होने पर अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

जोधपुर सेंट्रल जेल में 100 से ज्यादा जेल प्रहरी और 30 से ज्यादा अधिकारी पिछले 4 दिन से अनशन कर रहे हैं। अभी अस्पताल में 5 जेल प्रहरी भर्ती हैं। जबकि 3 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।अनशन स्थल पर अधिकांश जेल प्रहरियों की तबीयत खराब है। ऐसे में मेडिकल टीम लगातार नजर बनाए हुए है।

गन्ना पैदा करने वाले किसान खुश, लगभग डबल हुआ उत्पादन

चीनी का प्रोडक्शन भी होगा दुगना

- **80 प्रतिशत खपत स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स में होती है**

श्रीगंगानगर, (निसं)। इस बार जिले में रिकॉर्ड गन्ना उत्पादन दर्ज किया गया है। जिले में इस साल गन्ने का प्रोडक्शन पिछले साल के मुकाबले लगभग डबल हुआ है। पिछले साल जहां इलाके में नौ लाख क्विंटल से ज्यादा गन्ना उत्पादन हुआ था, इस बार इसका प्रोडक्शन पंद्रह से सत्रह लाख क्विंटल या इससे ज्यादा रहने का अनुमान है। इससे गन्ना किसान काफी खुश हैं। उनका कहना है पिछले साल जहां एक बीघा में दो सौ क्विंटल तक गन्ना उत्पादन हुआ था वहीं इस बार यह 250 क्विंटल से ज्यादा रहने का अनुमान है। इससे चीनी का उत्पादन भी बढ़ेगा।

इलाके में पैदा होने वाले गन्ने में से अस्सी प्रतिशत की खपत राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स में होती है। पिछले साल शुगर मिल ने करीब साढ़े सात लाख क्विंटल गन्ना लिया था। इस बार मिल के पंद्रह लाख क्विंटल तक गन्ना लेने का अनुमान है। मिल में खपत दोगुना होने और किसानों के इसके लिए बॉण्ड भी भर देने से इस बार चीनी का प्रोडक्शन भी डबल होने का अनुमान है। गन्ने का प्रति हेक्टेयर प्रोडक्शन पिछले साल के मुकाबले डेढ़ सौ क्विंटल तक बढ़ा है। पिछले साल जहां प्रति हेक्टेयर प्रोडक्शन 450 क्विंटल था, इस बार यह छह सौ क्विंटल या इससे ज्यादा रहने का अनुमान है। पिछले साल जहां गन्ने का प्रोडक्शन एरिया 2200 हैक्टेयर था वहीं इस बार यह बढ़कर 2400 हेक्टेयर हो गया है।

गांव नौ जैड के किसान दलजिंद्र सिंह बताते हैं कि इस बार बरसात अच्छी होने से गन्ने का प्रोडक्शन प्रति बीघा करीब पचास से साठ क्विंटल बढ़ गया। ऐसे में अच्छा लाभ मिलने की उम्मीद है। इलाके के प्रमुख गन्ना उत्पादक सतविंद्र सिंह मानते हैं कि इस बार प्रोडक्शन पंद्रह लाख क्विंटल तक हो सकता है। इलाके के किसानों ने बताया कि दोनों ही तरह के गन्ने में मिठास सर्दी के साथ ही बढ़ती है। ऐसे में मोढ़ी गन्ना जल्दी मिल तक आने से मिल में इससे चीनी उत्पादन का प्रतिशत कम रहता है।

उप निदेशक आयुर्वेद डॉ. आर.के. पारीक के अनुसार गन्ने के रस के फायदे या नुकसान की बात करें तो गन्ने से तैयार गुड इस मौसम में उपयोगी है। जबकि वर्तमान मौसम में गन्ने का रस फायदे की बजाय नुकसान देगा। गर्मी में यह शरीर के लिए उपयोगी रहता है।

15 जेल प्रहरी अस्पताल में भर्ती

अलवर, (निसं)। पुलिस की तरह समान पद और समान वेतन की मांग को लेकर जेल प्रहरी प्रदेशभर में अनशन और प्रदर्शन कर रहे हैं। अलवर में भी 4 दिन से जेल के बाहर प्रहरियों का अनशन जारी है। अलवर में करीब 15 कर्मचारियों की तबीयत बिगड़ने के बाद उनको अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। कुछ कर्मचारियों की रात को तो कुछ की सुबह तबीयत बिगड़ी है। कैबिनेट मंत्री टीकाराम जूली भी कर्मचारियों से समझाइश करने आए लेकिन सोमवार को भी कर्मचारियों का अनशन जारी है। जेल कार्मिकों की 2017 में हुए समझौते की पालना में मैस का बहिष्कार व अनिश्चितकालीन अन्न त्याग आंदोलन 4 दिन से जारी है।

दो जेल प्रहरियों की तबियत बिगड़ी

मालपुरा, (निसं)। वेतन विसंगतियों को दूर किये जाने की मांग को लेकर मालपुरा उप कारागृह में तैनात जेल प्रहरियों का अनशन के चौथे दिन सोमवार को भी जारी रहा। सोमवार की अलसवेरे 5 बजे अनशन पर रहते हुए ड्यूटी कर रही महिला जेल प्रहरी पूजा मेघवंशी की तबियत बिगड़ जाने पर जेल प्रभारी व साथियों ने 108 एम्बुलेंस की सहायता से मालपुरा अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार शुरू किया। अस्पताल पहुंचे मीडियाकर्मियों को महिला जेल प्रहरी ने बताया कि जब तक राज्य सरकार से वार्ता नहीं हो जाती उनका अनशन जारी रहेगा।

भारत जी 20 ढांचे में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को शामिल करने का प्रयास करेगा: बिरला

'भारतीय कुशल श्रमिक आज के वैश्वीकृत बाजार में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं'

- **लोक सभा अध्यक्ष ने केन्या के उप राष्ट्रपति महामहिम श्री. रिगाथी गचागुआ के साथ बैठक की**
- **बिरला ने केन्या नेशनल असेंबली के अध्यक्ष, माननीय मूसा मासिका वेतांगुला ई.जी.एच. से मुलाकात की**
- **लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने चिकित्सा पर्यटन में भारत और केन्या के बीच घनिष्ठ सहयोग पर भी जोर दिया**

जयपुर, (कासं)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, जो केन्या और तंजानिया के दौरे पर आए भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं, ने आज केन्या के उप राष्ट्रपति महामहिम श्री रिगाथी गचागुआ से मुलाकात की।

इस अवसर पर बोलते हुए, बिरला ने कहा कि भारत और केन्या दोनों देशों ने उपनिवेशवाद के विरूद्ध संघर्ष किया है। भारत और केन्या आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में साझा दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने शांति और विकास के लिए आतंकवाद को खत्म करने के सामूहिक प्रयासों के लिए आग्रह किया। बिरला ने भारत के 20 कार्यकाल की प्राथमिकताओं पर जोर दिया और आश्वासन दिया कि भारत 20 ढांचे में ग्लोबल साउथ के मुद्दों को शामिल करने का प्रयास करेगा।

जलवायु परिवर्तन के मसले पर भारत पहले ही अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की पहल कर चुका है और नवीकरणीय स्त्रोतों से ऊर्जा के दोहन की दिशा में कार्य कर रहा है। दोनों गण्यमान्य विशिष्टजनों ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों के विस्तार और पीपल टू पीपल कॉन्टैक्ट को बढ़ाने के विषय में भी चर्चा की।

यात्रा के पहले दिन बिरला ने अपने केन्याई मेज़बान माननीय मूसा मासिका वेतांगुला ई.जी.एच. अध्यक्ष, केन्या नेशनल असेंबली के साथ भी बैठक की। उन्होंने कहा कि भारत दोनों देशों के बीच मजबूत संसदीय संबंधों को प्रोत्साहित करता है। बिरला ने केन्या गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में चुने जाने पर महामहिम विलियम रूटो को भी हार्दिक बधाई दी।

बिरला ने जोर देकर कहा कि भारतीय कुशल कामगार आज के वैश्वीकृत बाजार में प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं और दोनों देशों के आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि केन्या से बड़ी संख्या में छात्र भारत में अध्ययन कर रहे हैं। लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत ने दुनिया भर के देशों को बड़ी संख्या में टीके उपलब्ध कराए । बिरला ने चिकित्सा पर्यटन में भारत और केन्या के बीच घनिष्ठ सहयोग पर भी जोर दिया।

नवाचार, शोध और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान के महत्व के बारे में बोलते हुए, बिरला ने कहा कि लोकतंत्र के लिए संसदीय अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) दोनों संसदों के बीच उच्च स्तरीय ज्ञान साझा करने और घनिष्ठ संपर्क सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बिरला ने माननीय मूसा मासिका वेतांगुला ई.जी.एच. को भारत आने का निमंत्रण भी दिया।

इससे पहले, केन्या के विदेश और प्रवासी मामलों के कैबिनेट सचिव डॉ. अल्फ्रेड एन. मटुआ, ईजीएच ने लोक सभा अध्यक्ष बिरला से मुलाकात की। नैरोबी आगमन पर, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल (आईपीडी) का भारतीय उच्चायोग और केन्याई सरकार के अधिकारियों ने स्वागत किया।

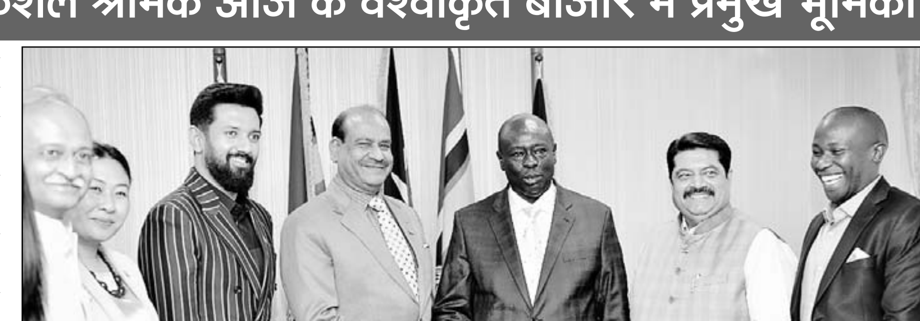

लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल (आईपीडी) नैरोबी पहुंचा।

संक्षिप्त

नरेश गुप्ता बने निर्विरोध अध्यक्ष

जयपुर, (कासं)। महावर वैश्य सेवा संस्था (रजि.), जयपुर के त्रिवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न हुए, जिसमें नरेश कुमार गुप्ता को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर महावर वैश्य समाज, जयपुर के सभी गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जिनमें श्री महावर वैश्य धर्मार्थ ट्रस्ट (रजि.), जयपुर के अध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता, सचिव बाबूलाल गुप्ता, उपाध्यक्ष केदार गुप्ता, महावर वैश्य सेवा संस्था (रजि.), जयपुर के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार गुप्ता, निवर्तमान महामंत्री विनोद गुप्ता, निवर्तमान कोषाध्यक्ष नवीन गुप्ता, निवर्तमान युवा अध्यक्ष मुदित गुप्ता, महेश गुप्ता दयाकिशन डाटा, आर डी गुप्ता, गिर्राज गुप्ता, चेतन गुप्ता एवं महावर वैश्य समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे।

कलक्ट्रेट में कंट्रोल रूम की स्थापना

जयपुर। पन्द्रहवीं राजस्थान विधानसभा का सत्र 23 जनवरी, 2023 से प्रारम्भ होने जा रहा है। सत्र के दौरान प्राप्त होने वाले तारांकित एवं अतारांकित सहित अन्य प्रस्तावों के जवाब सही समय पर भिजवाने के लिए कलक्ट्रेट में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि कंट्रोल रूम कार्यदिवस के अतिरिक्त गणतंत्र दिवस एवं राजकीय अवकाश के दिनों में भी सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक दो पारियों में संचालित किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) अमृता चौधरी नियंत्रण कक्ष की प्रभारी अधिकारी होंगी। नियंत्रण कक्ष के संचालन के लिए 15 अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। नियंत्रण कक्ष को प्राप्त होने वाले विधानसभा प्रश्न अथवा ध्यानाकर्षण, विशेष उल्लेख प्रस्ताव रजिस्टर में दर्ज कर तत्काल संबंधित शाखा में प्रेषित किया जाएगा। संबंधित शाखा प्रभारी द्वारा तत्काल जवाब प्रेषित कर नियंत्रण कक्ष प्रभारी को अवगत कराया जाएगा।

स्वस्थ जीवन शैली पर कार्यशाला

जयपुर। रिजर्व पुलिस लाइन में बीमारियों से बचाव और स्वस्थ जीवन शैली पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) अरशद अली ने बताया कि सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सकों के सहयोग से पुलिसकर्मियों के बेहतर स्वास्थय बनाए रखने के लिए रिजर्व पुलिस लाइन में रोगों से बचाव और स्वस्थ जीवन शैली पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। पुलिस उपायुक्त अरशद अली ने कार्यशाली में पुलिसकर्मियों को स्वस्थ रहने के लिए नियमित व्यायाम, तनाव मैनेजमेंट एवं पौष्टिक आहार को अपनी जीवनशैली में शामिल करने के लिए कहा। नशे से दूर रहने के संबंध में विशेष ध्यान रखने के लिए समझाइश की गई। उन्होंने कहा कि अच्छी जीवन शैली से बीमारियों से बचाव होगा। कार्यशाला में अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सक बलराम शर्मा, दिनेश कुमार गौतम, मुकेश जैन, महेश कुमार एवं मनोचिकित्सक गजानंद वर्मा ने पुलिसकर्मियों को विभिन्न रोगों के लक्षण-बचाव की जानकारी दी।

सूचना आयुक्त की शपथ ली लाठर ने

जयपुर। प्रदेश के मुख्य सूचना आयुक्त डी बी गुप्ता ने सोमवार को जयपुर स्थित राज्य सूचना आयोग में सेवानिवृत्ति डीजीपी एम एल लाठर को सूचना आयुक्त पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर गुप्ता ने कहा कि लाठर की नियुक्ति के बाद अब आयोग में सूचना आयुक्त के स्वीकृत सभी पद भर गए। इस मौके लाठर ने कहा कि वर्तमान युग पारदर्शिता का युग है और वह इस नवीन पद पर में पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्य का निर्वह्न करेंगे। कार्यक्रम में सूचना आयुक्त राजेन्द्र बरबड़, लक्ष्मण सिंह राठौड़, शीतल धनकड़, सूचना आयोग, सचिव प्रियंका गोस्वामी, उप सचिव सुमन मीणा सहित विभिन्न आयोग के अधिकारियों ने लाठर को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

501 कम्बलों का वितरण किया

जयपुर। मकर संक्रान्ति के पावन पर्व पर आगरा रोड स्थित नवजीवन कुष्ठ आश्रम में सोमवार को विश्वास परिषद् फॉउण्डेशन द्वारा निर्धन, असहाय एवं रोग से पीड़ित लोगों को कम्बल वितरण करते हुए जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (जयपुर डेयरी) के प्रबन्ध निदेशक डॉ. कुलराज मीणा ने कहा कि समाज के गरीब और वंचित तबके की सेवा करना जैसे साक्षात भगवान की सेवा करने जैसा है।

नकल, ड्रग और भू-माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा : डीजीपी

राज्य सरकार से भी कानून सख्त बनाने का आग्रह करेंगे : उमेश मिश्रा

डीजीपी उमेश मिश्रा (दायें से दूसरे) ने सोमवार को पत्रकारों से रूबरू होकर गत वर्ष की पुलिस की उपलब्धियों व कार्यों की जानकारी साझा की।

- डीजीपी ने कहा कि ''राजस्थान में रेप के 42 प्रतिशत केस झूठे होते हैं। दूसरे राज्य रेप जैसे मामले में या तो केस दर्ज नहीं करते या जांच सही से नहीं करते।''
- ''वर्ष 2018 में दुष्कर्म के 30.5 प्रतिशत मामले कोर्ट के माध्यम से दर्ज होते थे, जो घटकर मात्र 14.4 प्रतिशत रहे''

जयपुर (कासं)। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा कि राजस्थान में नकल, ड्रग व भू-माफियाओं को नहीं बख्शा जायेगा। तमाम माफिया व गिरोह पर पुलिस चौतरफा वार करेगी। इन पर अंकुश लगाने के लिए कानून को और सख्त बनाने का आग्रह राज्य सरकार से करेंगे। डीजीपी सोमवार को पत्रकारों से रूबरू होकर पुलिस की गत वर्ष की उपलब्धियों, कार्यों, नवाचार, योजनाओं का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर रहे थे।

डीजीपी ने कहा कि साईबर अपराधी, नशीले पदार्थ व हथियार तस्करों, आदतन अपराधियों और भू-माफियाओं पर कड़ी निगरानी व कठोर कानूनी कार्यवाही करना पुलिस की प्राथमिकता है। तमाम माफियाओं पर चौतरफा वार करेंगे। विशेषकर महिलाओं-बच्चों, कमजोर वर्गों की सुरक्षा व उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान करने के लिए पुलिस थानों में जन-केन्द्रित सुविधाओं, स्वागत कक्ष का विकास एवं जन सुनवाई के निश्चित समय की व्यवस्था की गई।

उमेश मिश्रा ने कहा कि अपराधियों की धरपकड़ के लिए पुलिसकर्मियों की तकनीकी कार्य-दक्षता बढ़ा रहे हैं। पुलिस की सजगता से प्रदेश में बदमाशों पर शिकंजा कसा है। चाहे उदयपुर मे कन्हैयालाल की हत्या एवं उससे जुड़ी कानून व्यवस्था हो या जावर माईन्स के औड़ा गांव रेल्वे लाईन को अज्ञात बदमाशों द्वारा विस्फोटक से उडाने की सनसनीखेज घटना हो या बीमा राशि के लालच में षडयन्त्रपूर्वक दुर्घटना का रूप देकर अपनी पत्नी साले की हत्या करने का गंभीर मामला हो या फिर राजू ठेठ की हत्या का मामला हो, पुलिस ने तमाम मामलों का शीघ्र खुलासा किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में रेप के 42 प्रतिशत केस झूठे होते हैं। वहीं, देश में ये संख्या 8 प्रतिशत पर है। दूसरे राज्य रेप जैसे गंभीर मामले में या तो केस दर्ज नहीं करते अथवा जांच सही से नहीं करते। इसका लाभ कई बार अपराधियों को मिलता है। राजस्थान में पुलिस को स्पष्ट निर्देश है कि केस दर्ज होने में कोई ढील नहीं होनी चाहिए। झूठा प्रकरण होगा तो एफआर दी जाएगी। झूठा केस दर्ज करवाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साल 2022 में पिछले साल की तुलना में झूठे मुकदमें करवाने वालों के खिलाफ कार्रवाई में कुल 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नाबालिग बच्चियों के साथ रेप के मामले में राजस्थान का 12वां स्थान है। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु हैं। पेंडिंग मामले में राष्ट्रीय एवरेज 24.9 है, जबकि राजस्थान की 10.4 है। सजा प्रतिशत राष्ट्रीय औसत 32.0 है, जबकि राजस्थान की 48.0 है।

मिश्रा ने कहा कि परिवादी को न्याय दिलाने के लिए जून 2019 से निर्बाध पंजीकरण को राजस्थान सरकार ने महत्ता दी। इस नवाचार के अब सकारात्मक परिणाम भी मिले है। जैसे वर्ष 2018 में दुष्कर्म के 30.5 प्रतिशत मामले कोर्ट के माध्यम से दर्ज होते थे, जो अब घटकर मात्र 14.4 प्रतिशत रह गए है। पंजीयन आंकडा बढ़ने की आलोचना का पूर्वाभास होने के बावजूद भी हमनें निर्बाध पंजीकरण की नीति को दरकिनार करने की नहीं सोची बल्कि और अधिक मजबूत करने के लिये ही, इसके लिए वर्ष 2020 से 2022 तक 45 डि-कॉय ऑपरेशन किये कि थानों में निर्बाध एफआईआर हो रही है या नहीं। साथ ही पुलिस अधीक्षक कार्यालयों में एफआईआर पंजीयन की सुविधा को मजबूत किया।

इंटरनेट सर्वर डाउन होने से अस्पताल में मरीज परेशान

जयपुर। जयपुरिया अस्पताल में पिछले दो दिनों से मैन सर्वर डाउन होने से मरीजों को ओपीडी और जांच समेत अन्य कामों की पर्ची कटवाने में परेशानी हो रही है। कम्प्यूटर ऑपरेटर मोबाइल से कम्प्यूटर को कनेक्ट करके जैसे-तैसे काम चला रहा है। जानकारों ने बताया कि सर्वर रविवार दोपहर 2 बजे से खराब हो गया। इस कारण पूरे हॉस्पिटल में इंटरनेट सेवाएं बंद हो गई। इंटरनेट नहीं चलने से चिरंजीवी योजना, जांचों की पर्ची, एडमिशन और डिस्चार्ज का काम प्रभावित हो गया। ओपीडी में दिखाने आए मरीज को सुबह करीब 10 बजे तक ओपीडी की पर्चियां नहीं मिली। इसके बाद स्टाफ के दूसरे सदस्यों ने जैसे-तैसे मोबाइल से कम्प्यूटर को कनेक्ट करके पर्चिंयां बनाने का काम शुरू किया। इस दौरान मरीजों की ओपीडी काउंटर पर लम्बी भीड़ लग गई। मरीजों के परिजनों को ओपीडी पर्ची के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। गौरतलब है कि जयपुरिया हॉस्पिटल में पिछले दिनों बायो कैमेस्ट्री लैब में सीबीसी समेत दूसरे ब्लड टेस्ट करने की मशीनें खराब हो गई थी। इस कारण यहां से सैंपल जांच के लिए आरयूएचएस भेजने पड़े थे। तब भी प्रशासन करीब 15 से 20 दिन तक मशीनों को ठीक नहीं करवा सका था।

फोटो प्रदर्शनी

जयपुर। डीजीपी उमेश मिश्रा ने पुलिस मुख्यालय की तीसरी मंजिल की गैलेरी में अपराध शाखा द्वारा प्रदर्शित फोटो दीर्घा का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने ब्रिटिशकाल, राजस्थान की रियासतों की पुलिस समेत राजस्थान पुलिस के ऐतिहासिक एवं विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों के 125 छायाचित्रों का अवलोकन किया।

'महेशदास ने रुकवाया रामानंद जयंती महोत्सव का जुलूस'

महंत हरिशंकर वेदांती ने लगाया आरोप

जयपुर, (कासं)। रामानंदाचार्य महाप्रभु की 723 वीं जयंती महोत्सव का शनिवार 14 जनवरी को आयोजित होना वाला जुलूस नहीं हो पाया। सियाराम बाबा की बगीची के महंत हरिशंकर वेदांती ने आरोप लगया है कि महेश दास के प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर पुलिस प्रशासन से यह दिव्य धार्मिक कार्यक्रम रूकवाया है। इससे रामानंद वैष्णव मंडल और रामानंदी संप्रदाय से जुड़े भक्तों में रोष है। वेदांती महाराज ने बताया है कि सैंकड़ो वर्षों से रामानंदाचार्य जयंती से जुडा जुलूस शांतिपूर्वक निकलता है, लेकिन इस बार महेशदास ने पुलिस को दरख्वास्त देकर यह जुलूस रूकवाया, जो कि हिन्दू संस्कृति का अपमान है।

सार-समाचार

सुबोध कॉलेज में युवा महोत्सव संपन्न

जयपुर। एस.एस. जैन सुबोध गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, सांगानेर एवं राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय ''युवा महोत्सव-2023'' लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 14 महाविद्यालयों प्रतिभागियों ने एड्स विषय पर जागरूकता फैलाने के लिए लोक नृत्य के माध्यम से सुन्दर संदेशों के साथ प्रस्तुतियों दी। महाविद्यालय संयोजिका वीना जामड़ एवं महाविद्यालय प्रायार्य डॉ. रीटा जैन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. रवि प्रकाश शर्मा अध्यक्षता डॉ. प्रदीप चौधरी, अशोक कुमार कानूनगो, विशिष्ट अतिथि सीताराम यादव, गरिमा भाटी, ललिता चौहान एवं अल्का अग्रवाल, सह-संस्थापक, एन्ट्रेप्रेन्योर, वुमन आर्गेनाईजेशन सोसायटी का स्वागत स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। निर्णायकगणों ने एड्स विषय की प्रासंगिकता से जुडी लोक नृत्य प्रस्तुतियों के आधार पर प्रथम स्थान पर एस.एस. जैन सुबोध गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, सांगानेर द्वितीय स्थान पर परिष्कार कॉलेज ऑफ ग्लोबल एक्सीलेंस, जयपुर एवं तृतीय स्थान पर कानोडिया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर रहें। कार्यक्रम के अतिथियों ने विजेताओं को पुरस्कृत कर सभी प्रस्तुतियों की सराहना करते हुये एड्स के प्रति युवा वर्ग को जागरूकता रहने का संदेश दिया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. रीटा जैन ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। अंत में महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब एवं कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. पूनम पंघाल ने अतिथियुों, महाविद्यालय संयोजिका, प्राचार्या, व्याख्यातागणों, कर्मचारियों एवं छात्राओं को इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

कुलदीप को मिला राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

जयपुर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा कर्नाटक के हुबली - धारवाड़ में सोमवार को आयोजित 26 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव के समापन समारोह में राजस्थान के कुलदीप वर्मा को वर्ष 2019-20 के लिए समुदाय के प्रति उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कुलदीप जयपुर जिले के जालसू पंचायत समिति के ग्राम देवगुढ़ा के निवासी है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चाँद गहलोत और मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने प्रमाण पत्र, मेडल, 100000 का नगद युवा पुरस्कार से सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल सहित कई गणमान्य जन प्रतिनिधि और अधिकारी समारोह में मौजूद थे। वर्मा ने कोविड-19 जैसी भयंकर महामारी के दौरान मास्क वितरण, सैनिटाइजर छिड़काव, जरूरतमंदों को भोजन वितरण, और स्वच्छता एवं जल संरक्षण अभियान, पौधारोपण अभियान, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम मीण क्षेत्रों को खुले में शौच से मुक्त करवाकर ओडीएफ प्लस ग्राम बनाने में योगदान, महिला सशक्तिकरण, युवा सशक्तिकरण एवं अन्य आयोजनों में नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया।

जादूगर नन्दकिशोर ने दिखाए करतब

जयपुर, (का.सं.)। विंटर फेस्टिवल के दूसरे दिन सोमवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में गूगल न्यूज इनिशिएटिव्स फैक्ट चैक वर्कशॉप का आयोजन एवं मैजिक शो दिखाया गया। फैक्ट चैक वर्कशॉप में फैक फोटो, ऑडियों, वीडियों एवं न्यूज की सत्यता जांचने एवं मैजिक शो में जादूगर नन्दकिशोर ने जादुई करतब दिखाया। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने फैक्ट चैक कार्यशाला के प्रशिक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार विशाल शर्मा का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। विशाल शर्मा ने डेटा लीड एवं उपयोगी टूल्स के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन दिनों पत्रकारिता के सामने फेक न्यूज के रूप में बड़ी चुनौती खड़ी है। जिससे पत्रकारिता की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने फेक न्यूज को चैक कर उसकी सत्यता उजागर करने के बारें में जानकारी दी। पिंकसिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने कहा कि पत्रकारिता अब नए दौर में है जहां नए संसाधनों का उपयोग हमारी क्षमताओं को बढ़ाने वाला है। इस लिहाज से गूगल फैक्ट चैकिंग ट्रेनिंग अपने आप में नया अनुभव है। कार्यकम में महासचिव रघुवीर जांगिड़ ने नई तकनीक से पत्रकारिता में नई क्रांति आती है। कार्यक्रम में वरिष्ठ एवं युवा पत्रकारों ने उत्सुकता के साथ हिस्सा लिया।

सत्य पत्रकारिता की आत्मा : कुमार प्रशांत

जयपुर, (का.सं.)। आज महात्मा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ गवर्नेन्स इन सोशल साइंस में महात्मा गांधी की पत्रकारिता समसामयिक सन्दर्भ पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध गांधी विचारक कुमार प्रशांत रहे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का प्रारम्भ सुब्बाराव के गीत जय जगत जय जगत से हुआ। संस्था के अकादमिक सलाहकार प्रो. संजय लोढ़ा ने संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्थान का उद्देश्य गांधीवादी मूल्यों एवं आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। संस्थान द्वारा पिछले 15 महीनों अनेकानेक अकादमिक गतिविधियों का आयोजन किया गया है। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि कुमार प्रशांत ने अपने जीवंत उद्बोधन में सर्वप्रथम संस्थान को इसकी उपलब्धियों के लिए बधाई दी। उन्होंने गांधी की पत्रकारिता की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सर्वप्रथम गांधी ने इंग्लैंड में पहली बार लिखना शुरु किया। उन्होंने यह भी कहा कि जनसरोकारों को शब्दों में आकार दे, वही पत्रकारिता है। कुमार प्रशांत का कहना था कि हमें एक्शन एवं कमिटमेंट के साथ षब्दों को आकार देना चाहिए। गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में सार्वजनिक जीवन में उतरते हुए नई सोच को जमीन पर उतारने के लिए नए कर्म के आगाज के रूप में इंडियन ओपिनियन नामक पत्र प्रारम्भ किया। भारत में चंपारण सत्याग्रह के उदाहरण के माध्यम से उन्होंने भयमुक्त पत्रकारिता का उल्लेख किया। यंग इडिया, हरिजन आदि समाचार पत्रों से सामाजिक न्याय-समानता के लिए आवाज उठाई।

सीएम हाऊस घेरने निकले डॉक्टर्स को पुलिस ने रोका

चिकित्सा अधिकारी भर्ती की सीटें 1765 से बढ़ाकर 4500 करने की मांग पर सैकड़ों डॉक्टर्स ने शहीद स्मारक पर प्रदर्शन किया।

जयपुर (कासं)। चिकित्सा अधिकारी भर्ती परीक्षा की सीटें 1765 से बढ़ाकर 4500 करने की मांग को लेकर सैकड़ों डॉक्टर्स ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन से मुख्यमंत्री आवास तक रैली निकालनी चाही, लेकिन पुलिसकर्मियों की सख्ती के कारण इसे शहीद स्मारक ले जाना पड़ा।

ऑल राजस्थान एमबीबीएस डॉक्टर्स एसोसिएशन के छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ. विनोद बागड़ा ने बताया कि सैकड़ों चिकित्सकों ने रैली निकाली तो पुलिसकर्मियों ने मारपीट व धक्का-मुक्की कर हमें रोकने की कोशिश की। इसके बाद डॉक्टर्स अपनी रैली का रूट बदलकर एम.आई.रोड स्थित शहीद स्मारक पहुंचे। जहां पर डॉ. महेश, डॉ. राकेश, डॉ. अविनाश, डॉ. वीणा गडवाल, डॉ.अजय मील, डॉ.दिनेश, डॉ. कविता, डॉ. पी.के.यादव, डॉ. सोहनलाल, डॉ. धीरज, डॉ. आशीष, डॉ. बनवारी और डॉ. अंकित ने शांतिपूर्ण तरीके से हमारी मांगों को रखा। रैली के दौरान डॉक्टर्स ने नारेबाजी कर अपनी मांगों को पुरजोर उठाया।

डॉ. विनोद बागड़ा ने बताया कि डॉक्टर्स के प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात संयुक्त सचिव निमिषा गुप्ता से हुई। उनका कहना है कि वित्त विभाग और मुख्यमंत्री सीँ बढ़ा सकते है, अभी खाली सीटें है। ऐसे में अब हम वरिष्ठ आईएएस अखिल अरोड़ा और चिकित्सा मंत्री से मुलाकात करेंगे। डॉक्टर्स की रैली मंगलवार सुबह 9 बजे सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से त्रिमूर्ति सर्किल तक निकाली जाएगी। जब तक राज्य सरकार हमारी मांगों को नहीं मान लेती, तब तक हमारा उग्र आंदोलन जारी रहेगा।

प्रो. राजीव जैन पर फर्जी दस्तावेज पेश कर कुलपति बनने का आरोप

पूर्व शोध छात्र प्रतिनिधि डॉ. रामसिंह सामोता ने लगाए आरोप

जयपुर। राजस्थान विवि. के कुलपति प्रो. राजीव जैन पर चयन समिति और राजभवन को अंधेरे में रख योग्यता के फर्जी दस्तावेज पेश कर कुलपति का पद प्राप्त करने का आरोप लगा है। यह आरोप राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व शोध छात्र प्रतिनिधि डॉ. रामसिंह सामोता ने लगाया है।

सामोता ने सोमवार को शोध छात्र प्रतिनिधि कार्यालय में प्रेस वार्ता करके कहा कि राजीव जैन ने 1 अप्रेल 1984 से 2011 तक माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय उदयपुर में व्याख्याता के पद पर कार्यरत रहकर सरकारी कोष से वेतन प्राप्त किया। इसके बाद राज्य सरकार द्वारा 29 जुलाई 2011 को इनका आमेलन राजकीय सेवा में व्याख्याता पद पर कर लिया गया। राज्य सरकार ने 25 मार्च 2012 को जैन को व्याख्याता के पद पर वरिष्ठ एवं चयन वेतन श्रृंखला का लाभ दिए जाने का आदेश जारी किया था। ऐसे में राजीव जैन ने किस आधार पर ख़ुद को 2007 से प्रोफेसर मान लिया और वीसी के लिए किए गए आवेदन पत्र में भी झूठी जानकारी दे दी। जबकि 8 अगस्त 2012 को कोटा विश्वविद्यालय में प्रोफेसर पद पर नियुक्ति मिली थी और वहां से 13 दिसंबर 2017 को सेवानिवृत हो गए।

रामसिंह ने कहा कि कोटा विश्वविद्यालय में 2012 में प्रोफेसर पद पर नियुक्ति के दौरान भी तत्कालीन आरयू के कुलपति जेपी सिंघल की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने भी इनकी नियुक्ति में गंभीर अवैधानिकताएं बताई थी। राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति ने तथ्य छिपाकर सर्च कमेटी को गुमराह किया और आधे अधूरे तथ्यों के साथ कुलपति बने है। इनके आवेदन पत्र और इनकी योग्यता की जांच होनी चाहिए।

काइट फेस्टिवल में डॉक्टर्स ने लड़ाए पेच

जयपुर। एसएमएस मेडिकल कॉलेज की प्लेटिनम जुबली के कार्यक्रमों की श्रृंखला में मकर संक्रांति के मौके पर आयोजित काइट फेस्टिवल में एसएमएस मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर्स और मेडिकल स्टूडेंट्स ने जमकर पतंगबाजी कर खूब पेच लड़ाए। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. राजीव बगरहट्टा ने बताया कि मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित काइट फेस्टिवल में सभी फैकल्टी और स्टूडेंट्स ने भाग लिया। इस दौरान सभी ने पतंगबजी का लुत्फ उठाया। प्लेटिनम जुबली के आयोजन सचिव डॉ. अशोक गुप्ता ने उपस्थित सभी जनों का स्वागत किया। अलवर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. लोकेंद्र शर्मा बतौर अतिथि शामिल हुए। इस दौरान कार्डियोलॉजी विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. एसएम शर्मा ने वहां मौजूद स्टूडेंट्स को बताया कि डॉक्टर्स को हर समय अपने पेशेंट्स के लिए अलर्ट रहना होता है। कार्य की अधिकता के चलते तनाव भी बढ़ता है, इसीलिए समय समय पर आने वाले त्यौहार जमकर सेलिब्रेट करने चाहिए। ये त्यौहार आपके जीवन में पॉजिटिव एनर्जी लाते हैं। इस अवसर पर डॉ. आईडी गुप्ता, डॉ. मोनिका जैन, डॉ सोहन शर्मा, डॉ अनिल यादव आदि उपस्थित रहे।

पार्षद कुमकुम शक्तावत के वार्ड 48 में 2 करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन

पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, महापौर सौम्या गुर्जर, उद्यान चेयरमैन राखी राठौड़ और पार्षद कुमकुम शक्तावत ने वार्ड 48 के विकास कार्यों का उद्घाटन किया।

- एक दर्जन कॉलोनियों में डामर रोड, मंदिर में बाउंड्री वॉल व टाइल्स तथा वार्ड में 500 स्ट्रीट लाइट लगवाई
- पार्कों में बच्चों के लिए बेंच-झूले व फिसलपट्टी तथा 700 से ज्यादा पौधे लगवाए

जयपुर (कासं)। ग्रेटर नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 48 में बीते 2 सालों में पार्षद कुमकुम शक्तावत ने 2 करोड़ से अधिक के विकास कार्य करवाए है। सिरसी रोड पर गली नं.5, पांच्यावाला मार्केट में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत, जयपुर ग्रेटर महापौर डॉक्टर सौम्या गुर्जर, उद्यान समिति चेयरमैन राखी राठौड़ व पार्षद कुमकुम शक्तावत ने इन विकास कार्यों का शुभारंभ किया। समारोह में जरूरतमंद परिवारों को कंबल भी वितरित किए गए।

पार्षद कुमकुम शक्तावत ने बताया कि बीते 2 साल में रघुनाथ विहार, अमर नगर, गली नंबर 5, गली नंबर 5 ए, लक्की नगर, स्कीम नंबर 11 डी और बी.एस.विहार में डामर रोड बनवाई हैं। संस्कार बिहार दक्षिण मुखी बालाजी मंदिर के पार्क की बाउंड्री वॉल तथा जनक विहार भौमियाजी मंदिर पार्क में टाइल्स लगवाई है।

बीजेपी नेता शक्ति सिंह मानपुरा ने बताया कि पार्षद कुमकुम शक्तावत ने वार्ड 48 में रोशनी की व्यवस्था के लिए एक हाई मास्क लाइट और 500 से अधिक स्ट्रीट लाइटें लगवाई हैं।

जलदाय विभाग से 85 लाख के 13 बोरिंग करवाकर पेयजल की व्यवस्था की। जेडीए और नगर निगम से करीब एक करोड़ की डामर रोड बनवाई। वार्ड के हर छोटे-छोटे पार्क में बच्चों के लिए फिसलपट्टी, झूले और बैठने के लिए बेंच लगवाई। इसके अलावा पार्कों में 700 पेड़ पौधे लगवाकर उनकी सुरक्षा के लिए 300 से अधिक ट्री गार्ड बांटे।

पार्षद कुमकुम शक्तावत ने कहा कि बीते 2 सालों में जैसे वार्ड 48 का विकास हुआ है, आगे भी इसी तरह विकास कार्य करवा कर आमजन को सुविधाएं दी जाएंगी। कार्यक्रम में श्री सेवाराम बाबा फाउंडेशन के संरक्षक नवरत्न मीणा ने पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत और महापौर सौम्या गुर्जर जी के सानिध्य में जरूरतमंद परिवार को 101 कंबल भी वितरित किए। इस मौके पर पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत और महापौर सौम्या गुर्जर के स्वागत के लिए जनसैलाब उमड़ा। समारोह में गोवर्धन शर्मा, पार्षद सुशीला बारी, संजू चौधरी, सुरेश रेगर, पूर्व मंडल अध्यक्ष बहादुर सिंह, पूर्व पार्षद निर्मला कंवर, बलवीर सिंह खेतड़ी व मदन सिंह बेरी मौजूद थे।

मेयर डॉ. सौम्या ने रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था जांची

जयपुर। ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने सोमवार को मालवीय नगर जोन के सत्कार शापिंग सेन्टर, गौरव टॉवर, गांधीनगर रेलवे स्टेशन एवं बजाज नगर इत्यादि इलाकों में हो रही रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। महापौर ने सफाई व्यवस्था में अच्छा कार्य करने वाले कार्मिकों को स्वेटर पहनाकर की हौसला अफजाई, साथ ही कार्य में लापरवाही बरतने वाले सफाई जमादार रतनलाल को नोटिस जारी करने के आदेश दिए।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने रात्रिकालीन सफ़ाई व्यवस्था में लगे कार्मिकों को निर्देशित करते हुये कहा कि जयपुर शहर को स्वच्छता में टॉप रैंक मिले इसके लिये शहर की सफाई व्यवस्था को नियमित एवं सुचारू संचालित रखें। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाये।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी शत-प्रतिशत योगदान शहर को स्वच्छ बनाने में करें। इस बार के स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर शहर को टॉप रैंक में जगह दिलवाएंगे। इस कार्य के लिये आप अपना शत-प्रतिशत योगदान करें। उन्होंने दुकानदारों को डस्टबिन रखने के एवं कचरा बाहर न फैलाने की समझाइश के साथ में हिदायत भी दी है कचरा आप के प्रतिष्ठान के बार फैलाव पाया गया तो चालान की कार्रवाई की जाएगी।

Dry January

Alcohol use has been part of different cultures and societies for thousands of years. While many people find that alcohol is an enjoyable part of their lives, it can have a tendency to create some difficulties and even throw their health out of balance. Some of the things people want to avoid may include the calories from alcohol that can create weight gain, as well as the cost involved with drinking alcohol. Taking the month of January to reset and rebuild new, healthy habits is what Dry January is all about.

#STREET-FOOD

Food @ India's Railway Stations

Some of the best Indian foods that railway stations across the country have to offer!

Train journeys have long been intimately connected with food, taking us through India's diverse cultures and cuisines even as we head towards our destination. If you've stocked up on theplas packed in foil, and are planning to make do with the samosas and little cups of tomato soup sold on-board, allow us to take you on a gastronomic journey. Here are some of the best Indian foods that railway stations across the country have to offer.

Fair warning: reading this article will make you feel very hungry, maybe just enough to go ahead and book tickets for your next train journey?

Lal Chah

@Guwahati Railway Station, Assam

What's a trip to Assam without sampling the state's finest tea? Lal Chah gets its name because of its typical reddish-brown hue. It is a simple Assam black tea, brewed with no milk, and flavoured with liberal helpings of sugar, spices and lemon juice. Lal Chah is easily available at local tea shops at and near Guwahati Railway Station, a must-try beverage for weary passengers.

Aloo Chaat

@New Delhi Railway Station

Indian street food is synonymous with all manner of chaat. And you don't even have to step out of the railway station for a taste of authentic, Dilli-style chaat. Crispy-fried potatoes mixed in with spices, sweet and sour chutneys, lemon juice, topped with sev and coriander - this is the complete flavour package that will make your journey all the more enjoyable.

Chole Bhature

@Jalandhar City Junction, Punjab

Deep-fried puris and a spicy chole, what's not to love about cholebhature? While this classic North Indian dish is a go-to breakfast option for many, it can really be eaten whenever you feel like it. The hearty CholeBhature at Jalandhar City Junction is sure to warm you right up on those cold winter mornings.

KadhiKachori

@Ajmer Junction, Rajasthan

This tangy Rajasthani dish is a staple in Ajmer, available at every street corner and of course, the railway station. The crispy kachoris are served with the city's distinct kadhi, richly flavoured with a range of spices, such as fennel seeds, coriander seeds and fenugreek leaves.

Sandesh

@Howrah Junction, West Bengal

When your train halts at Howrah Junction, you can sample this sweet treat for yourself or, in Bengali tradition, gift it to your loved ones. With curdled milk as the base, sandesh is garnished with powdered sugar, cardamom, almonds or tuttifrutti.

Kanda Poha

@Ratlam Junction, Madhya Pradesh

Ratlam is more than just "that station from Jab We Met"; the kandapoha served here is a local favourite. Start your day off right with a hot cup of tea and this classic breakfast food that's light, delicious and topped with crunchy sev and pomegranate seeds.

Ven Pongal & Utappam

@Guntakal Junction, Andhra Pradesh

Ven Pongal is a South Indian porridge that is traditionally prepared during the Tamil harvest festival. Softer and fluffier than dosas, utappams are served with vegetable toppings, flying off the tavas just in time to serve hungry passengers. Guntakal, a melting pot of many faiths and cultures, is home to both these delicious dishes.

Rava Dosa

@Chennai Central, Tamil Nadu

Vendors on the platforms of Chennai Central Station, and indeed all across the region, serve their ravadosas with a spicy, potato filling, paired with coconut chutney or vegetable kurma. It's hot, fresh and dare we say, it's worth missing your train for?

Litti-Chokha

@Patna Junction, Bihar

This Bihari classic comprises ghee-soaked wheat flour balls stuffed with roasted gram and a variety of spices, accompanied by a preparation of tomatoes and brinjals. Littis are typically baked in a tandoor, giving them a deliciously smoky flavour. The dish is a well-balanced, filling meal that can be enjoyed at any time of the day. Despite its rather involved preparation process, litti-chokha is a popular street food, and where better to try it than in the capital city?

That was the other side of the Phalke award winner who was also decorated as Padma Vibhushan: even at his idealistic best he seldom moved away from reality. That is why he could fashion a lasting tale like Abhimaan/1973. It probably came out of the divergence of the classical life of Ravi Shankar and Annapurna Devi. Some have traced the roots of this musical to the clash of egos between singer-actors Kishore Kumar and his first wife, Ruma Guha Thakurata. But remember, Hrishida had seen the sitarist and his first wife - daughter of his guru, Baba Alauddin Khan of Maihar - at close quarters, especially when the raga maestro composed for his musical Anuradha (1960). That film which featured the beauty queen Leela Desai as a vocalist (which she actually was) not only bagged the National Award for the Best Film, it was also nominated for the Golden Bear at the Berlin Film Festival of 1961.

Master of the Middle Path (...2)

#HRISHIKESH MUKHERJEE

Ratnottama Sengupta

Hrishida's homage to his roots in Bengali cinema expressed itself most notably by way of remakes. His Bawarchi retold the story of Galpo Holeo Sattyi (1966) directed by his NT colleague Tapan Sinha. Biwi Aur Makan (1966) recounted the outrageously funny tales of the inmates of Joy Maa Kali Boarding (1955). The ribtickling Chhadmabeshi (1971) became Chupke Chupke (1975), one of the unbeatable bests of comedy on Indian screen. Hrishida's kinship-friendship-relationship oriented, progressive value based social narratives also stem from his attachment to literature. This accounted for his long-term bonding with literary figures like Nabendu Ghosh, Rajinder Singh Bedi, Gulzar. Further, although he came from the Science stream he, much like his mentor Bimal Roy, sourced his storylines directly from, or derived them from literary works including poems.

Witness Majhli Didi/ 1967: Sarat Chandra Chatterjee's immortal tale of a mother's protective love for an orphaned child, while Ashirwad has strong shades of Kashinath wherein a zamindar strikes a friendship with an underdog and takes up cudgels for him against his own wife. Gaban/ 1966 followed Munshi Premchand's novel about the falling moral values in the middle class that sought to maintain false image in colonial period. Satyakam, as mentioned before, came from Narayan Sanyal's writing. Arjun Pandit/1976 got Bonophul the year's Filmfare award for Best Story. Bemisal/ 1982 recast Ashutosh Mukherjee's Aami Se O Sakha/ 1975 about friendship, love and loyalty. Chaitali / 1975, once again the story of an idealist professor who supports a thief to protect her from becoming a prostitute, was written by Samaresh Bose.

A Lasting Tale

Pyar Ka Sapna/ 1968, as I have mentioned, has its antecedents in Tagore's Sadharan Meye while Gol Maal/ 1979 germinated from the clinching lines of Sukumar Ray's Gof Churi which reads: Gofer aami, gofer tumi, Gof diye jaay chena… Men are identified by the whiskers they keep. The seeds of Namak Haram/1973 lay in the Hollywood production, Becket/1964, based on a Jean Anouilh play - but who would have imagined that the dilemma of a pretender to the robes of a Catholic Archbishop in England of Henry II could be reimagined to trace the rise of trade unionism in Mumbai's then-flourishing textile mills?

Zindagi kaisi hai paheli (Anand, 1971) Salil Chowdhury / Yogesh / Manna Dey.

That was the other side of the Phalke award winner who was also decorated as Padma Vibhushan: even at his idealistic best he seldom moved away from reality. That is why he could fashion a lasting tale like Abhimaan/1973. It probably came out of the divergence of the classical life of Ravi Shankar and Annapurna Devi. Some have traced the roots of this musical to the clash of egos between singer-actors Kishore Kumar and his first wife, Ruma Guha Thakurata. But remember, Hrishida had seen the sitarist and his first wife - daughter of his guru, Baba Alauddin Khan of Maihar - at close quarters, especially when the raga maestro composed for his musical Anuradha (1960). That film which featured the beauty queen Leela Desai as a vocalist (which she actually was) not only bagged the National Award for the Best Film, it was also nominated for the Golden Bear at the Berlin Film Festival of 1961.

Music has remained a stellar feature of Hrishikesh Mukherjee films, leading him to come up with films like Abhimaan, Anuradha and Alaap (1977) which he even produced. But even when the production was not a 'musical' films like Anand, Chupke Chupke, Chhaya, Asli Naqli, Anari, Bawarchi, Golmaal or Guddi, his films always embedded nuggets like Zindagi kaisi hai paheli haay, Itna na mujhse tu pyar badha, Bhor aayi gaya andhiyaara, Golmaal hai bhai sab golmaal hai, and Bol re papihara. As for Ashirwad, it came up with what might be the first rap in Hindi, be it the immortal Rail gaadi chhuk chhuk chhuk or the unique Naao chali Nani ki naao chali!

Rail gaadi chhuk chhuk chhuk (Ashirwad, 1968) Vasant Desai / Harindranath Chattopadhyay / Ashok Kumar.

The secret lies as much in his own ear for music as in his selection of the composer and the song writer most suitable for the theme. The classical Anuradha - I repeat - saw Pandit Ravi Shankar create deathless numbers like Kaise din bitey piya jaane na; while the other musical drama, Alaap revolved around a young man's clash with his father when he chooses music over the family's legal profession. For this production he chose Jaidev who went on to bag the Filmfare award for Best Music. In Bawarchi, Hrishikesh had the interesting mix of actors like Kali Banerjee, his IPTA mate from Kolkata; Usha Kiran from Bombay Talkies, Harindranath Chattopadhyay made famous by Ashirwad, and Patiala gharana singer Nirmala Arun. And who set the film's songs in ragas like Desh? Madan Mohan.

Divergent Memorables

SD Burman immortalised the songs of Chupke Chupke and Mili, while the maestro's son RDB rose to the demands of Bemisal and Naram Garam. Hrishida's friendship with Hemant Kumar resulted in the muted melody of Kuchh dil ne kaha and the poetic Ya dil ki suno (Anupama) as in the paean to motherhood, Maa hi Ganga, Ma hi Jamuna (Majhli Didi). And his deepest fellowship with Salil Chowdhury? Yes, it had preceded the making of DBZ; stood by in Musafir; continued through Chhaya and Memdidi, to culminate in Anand. As for Vasant Desai, his fluidity with musical genres could compose such divergent memorables as Rail gaadi chhuk chhuk, Hum ko man ki shakti dena and Bol re papihara…

Note through all this, the variety of genres tackled by the director who is best remembered for his delightful good cheer. But Ashirwad, which was adjudged the Best Film at the National Awards and also crowned Ashok Kumar the Best Actor of the year, was such a tear jerker that the thespian's daughter confessed to me she couldn't ever sit through a second viewing of the father-daughter story. Just as was the case with Mili. Satyakam. Aalap. Or Majhli Didi. But 'Intense' is perhaps a better way to categorise his movies. For, even when they were serious unravelling of relationships, including between a husband and his wife - as were Saanjh Aur Savera, Pyar Ka Sapna, Anuradha, Abhimaan, Namak Haram - Hrishida used humour to underscore a serious observation. As he did in Jhooti /1977.

That is why he is best remembered as the director who always made you smile. Yes, his films that were never over-the-top entertainers which once comprised the mainstream from Bollywood, never veered to the other extreme of burdening his viewers with excessive evocation of the stark realism that dogged the poverty stricken nation post-Partition. Thus, keeping a judicious distance from both, the intellectualism of art films and the mindless mirth of mainstream movies, he earned the sobriquet of the Master of the Middle Path Cinema.

Honours, olives, applause, awards, adulation, friendship, laughter - these filled the life of Hrishikesh Mukherjee as was predicted in 1951 by Saradindu Bandopadhyay, the renowned Bengali litterateur who had - in 1940s, preceded as screenwriter with Bombay Talkies. Yet, sunset boulevard saw him a pain-stricken, despondent man. And, "as he retired in his apartment that overlooked the sunset in the Arabian Sea every night, he was surrounded by a vacuum," Mrinal Sen recounted when Hrishida breathed his last in 2006. "That is why he had man-sized mirrors all over his apartment – so that he would feel surrounded by people when he shut the door to the world!"

Concluded

writetoarbit@rashtradoot.com

> Just as was the case with Mili. Satyakam. Aalap. Or Majhli Didi. But 'Intense' is perhaps a better way to categorise his movies. For, even when they were serious unravelling of relationships, including between a husband and his wife - as were Saanjh Aur Savera, Pyar Ka Sapna, Anuradha, Abhimaan, Namak Haram - Hrishida used humour to underscore a serious observation. As he did in Jhooti /1977. That is why he is best remembered as the director who always made you smile.

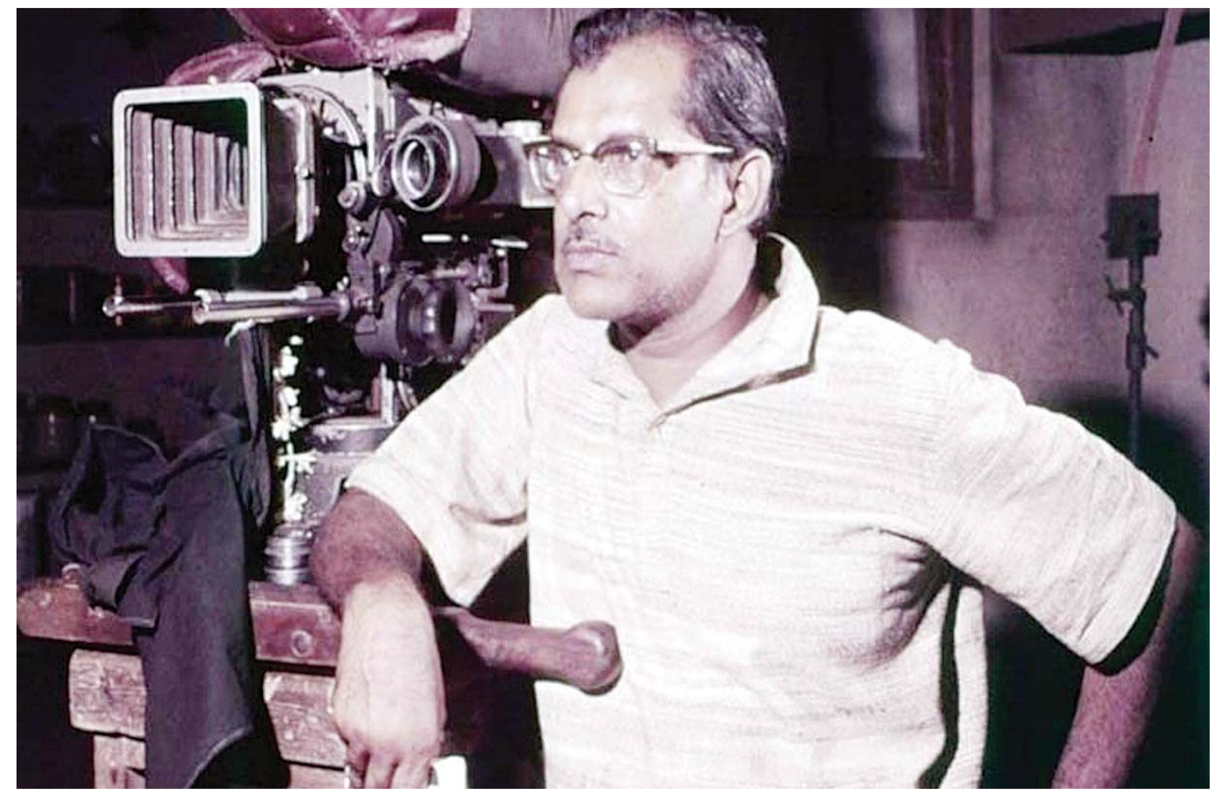

Hrishikesh Mukherjee is a Dadasaheb Phalke laureate and Padma Vibhushan winner.

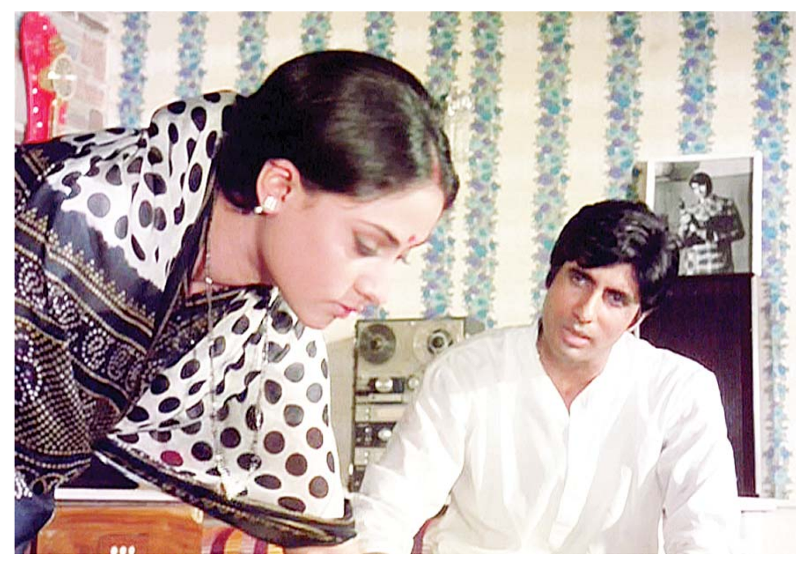

Jaya Bhaduri and Amitabh Bachchan in Abhimaan.

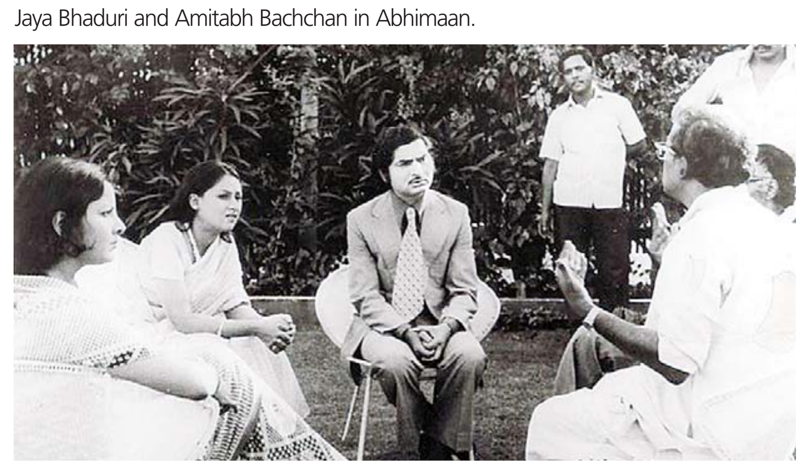

Lily Chakraborty, Jaya, Asrani and Hrishikesh at the shooting of Chupke Chupke.

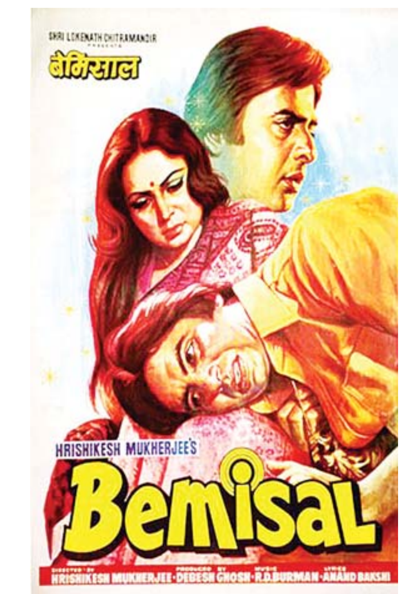

Original poster of Bemisaal featuring the love triangle – Amitabh Bachchan, Raakhee and Vinod Mehra.

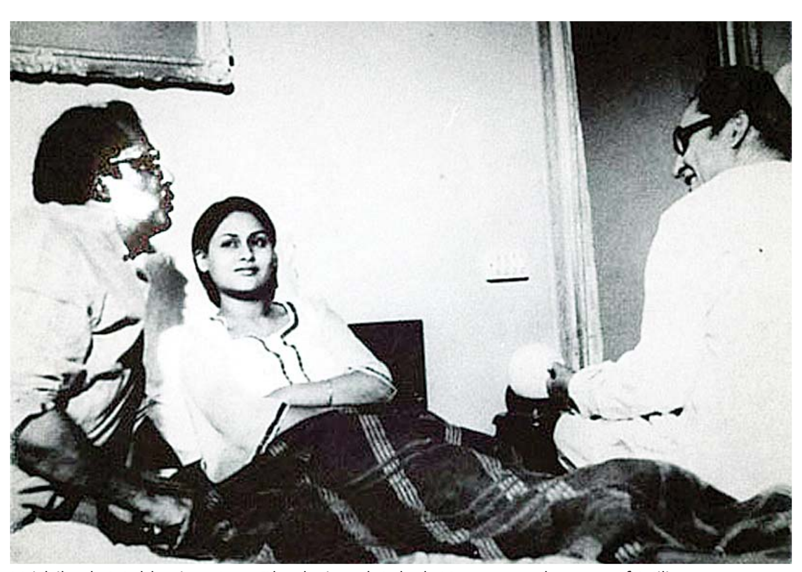

Hrishikesh Mukherjee, Jaya Bhaduri and Ashok Kumar on the sets of Mili.

Dharmendra, Saira Banu and Hrishikesh Mukherjee at the shooting of Chaitali.

The Indian Delegation in Moscow, 1959 (Third from L to R) Nargis, Bimal Roy, Nirupa Roy, Salil Chowdhury, Hrishikesh Mukherjee and Radhu Karmakar (in front).

#SPACE

The Remarkable Emptiness of Existence

The space between the planets had to be filled with nothing, otherwise friction would slow the planets down.

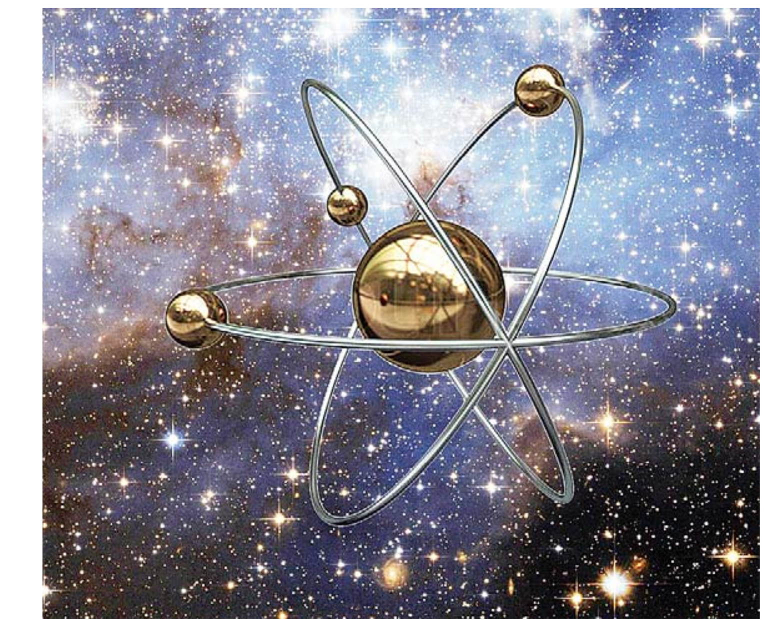

In 1654 a German scientist and politician named Otto von Guericke was supposed to be busy being the mayor of Magdeburg. But instead he was putting on a demonstration for lords of the Holy Roman Empire. With his new-fangled invention, a vacuum pump, he sucked the air out of a copper sphere constructed of two hemispheres. He then had two teams of horses, 15 in each, attempt to pull the hemispheres apart. To the astonishment of the royal onlookers, the horses couldn't separate the hemispheres because of the overwhelming pressure of the atmosphere around them.

Von Guericke became obsessed by the idea of a vacuum after learning about the recent and radical idea of a heliocentric universe: a cosmos with the sun at the centre and the planets whipping around it. But for this idea to work, the space between the planets had to be filled with nothing.

Otherwise friction would slow the planets down.

Existence of the Vacuum

Scientists, philosophers, and theologians across the globe had debated the existence of the vacuum for millennia, and here was von Guericke and a bunch of horses showing that it was real. But the idea of the vacuum remained uncomfortable, and only begrudgingly acknowledged. We might be able to artificially create a vacuum with enough cleverness here on Earth, but nature abhorred the idea. Scientists produced a compromise: The space of space was filled with a fifth element, an aether, a substance that did not have much in the way of manifest properties, but it most definitely wasn't nothing.

But as the quantum and cosmological revolutions of the 20th century arrived, scientists never found this aether and continued to turn up empty handed.

The more they looked, through increasingly powerful telescopes and microscopes, the more they discovered nothing. In the 1920s astronomer Edwin Hubble discovered that the Andromeda nebula was actually the Andromeda galaxy, an island home of billions of stars sitting a staggering 2.5 million light-years away. As far as we could tell, all those lonely light-years were filled with not much at all, just the occasional lost hydrogen atom or wandering photon.

Compared to the relatively small size of galaxies themselves (our own Milky Way stretches across for a mere 100,000 light-years), the universe seemed dominated by absence.

Empty Places

At subatomic scales, scientists were also discovering atoms to be surprisingly empty places. If you were to rescale a hydrogen atom so that its nucleus was the size of a basketball, the nearest electron would sit around two miles away. With not so much as a lonely subatomic tumbleweed in between.

Nothing. Absolutely nothing. Continued experiments and observations only served to confirm that at scales both large and small, we appeared to live in an empty world.

And then that nothingness cracked open. Within the emptiness that dominates the volume of an atom and the volume of the universe, physicists found something. Far from the sedate aether of yore, this something is strong enough to be tearing our universe apart. The void, it turns out, is alive.

In December 2022, an international team of astronomers released the results of their latest survey of galaxies, and their work has confirmed that the vacuum of space-time is wreaking havoc across the cosmos. They found that matter makes up only a minority contribution to the energy budget of the universe. Instead, most of the energy within the cosmos is contained in the vacuum, and that energy is dominating the future evolution of the universe.

Quantum Universe

Their work is the latest in a string of discoveries stretching back over two decades. In the late 1990s, two independent teams of astronomers discovered that the expansion of the universe is accelerating, meaning that our universe grows larger and larger faster and faster every day.

The exact present-day expansion rate is still a matter of some debate among cosmologists, but the reality is clear: Something is making the universe blow up. It appears as a repulsive gravitational force, and we've named it dark energy.

The trick here is that the vacuum, first demonstrated by von Guericke all those centuries ago, is not as empty as it seems. If you were to take a box (or, following von Guericke's example, two hemispheres), and remove everything from it, including all the particles, all the light, all the everything, you would not be left with, strictly speaking, nothing. What you'd be left with is the vacuum of space-time itself, which we've learned is an entity in its own right.

We live in a quantum universe; a universe where you can never be quite sure about anything. At the tiniest of scales, subatomic particles fizz and pop into existence, briefly experiencing the world of the living before returning back from where they came, disappearing from reality before they have a chance to meaningfully interact with anything else.

All this would be mathematically annoying but otherwise unremarkable.

THE WALL

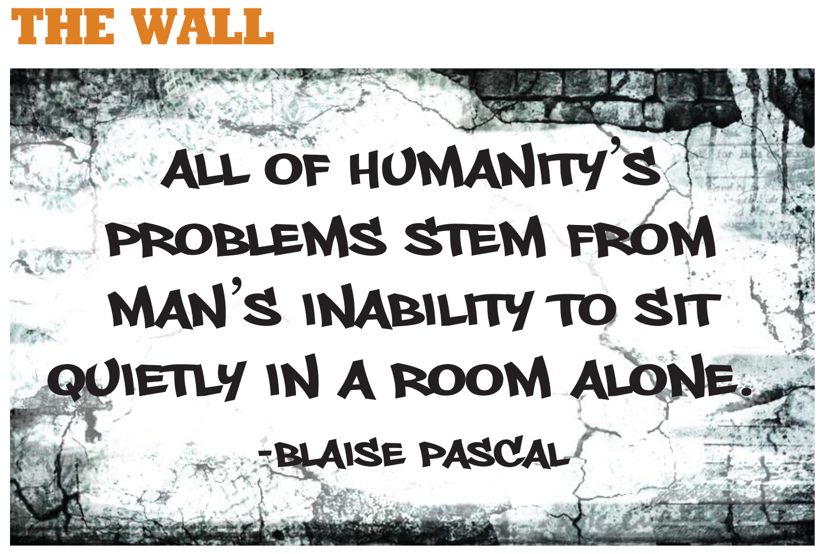

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

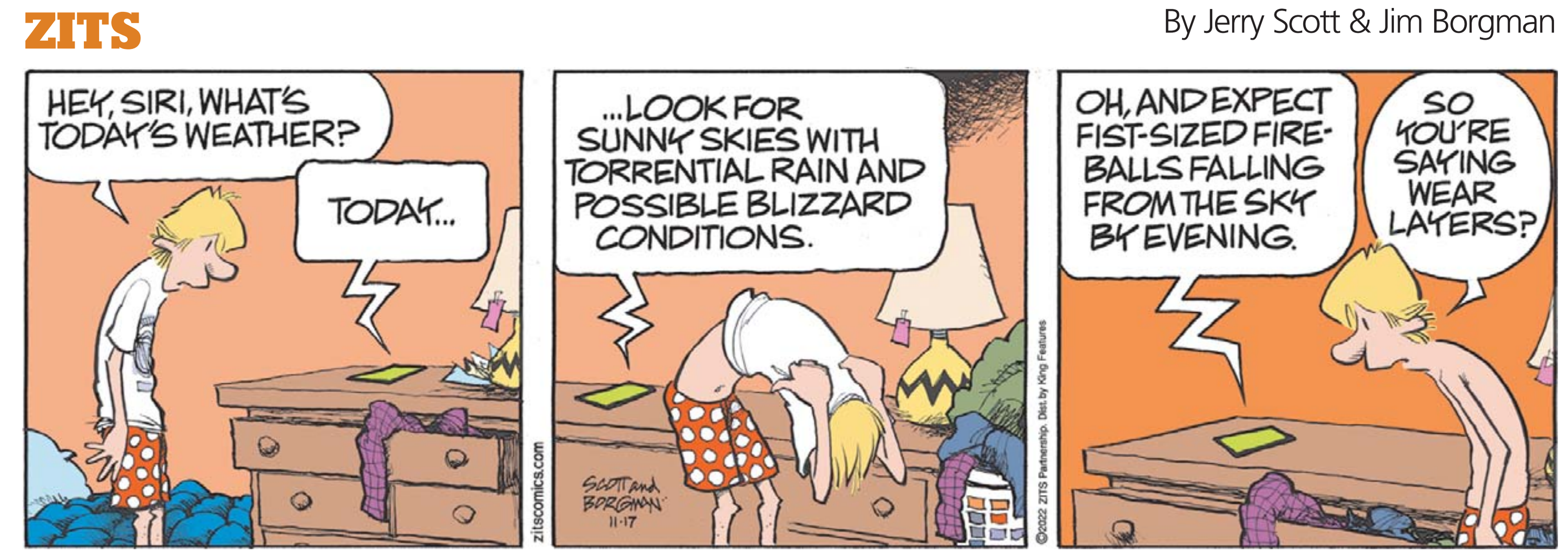

केंद्रीय कारागार में कैदी की मौत, धरने पर बैठे परिजन

घटना को लेकर मृतक के परिजन ने जांच की मांग की

- परिजनों का आरोप है कि पुलिस का कहना है कि उनकी मौत अस्पताल में आने के बाद हुई
- जब डॉक्टर से पूछा तो बताया कि अस्पताल आने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय कारागार में एक कैदी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। घटना को लेकर मृतक के परिजन ने जांच की मांग की और महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी पर धरना दिये हुए हैं।

जानकारी के अनुसार एक महीने से जोधपुर सेंट्रल जेल में बंद आरोपी की मौत के बाद परिजन ने निष्पक्ष जांच को लेकर धरने पर बैठ गए। परिजनों की कहना है कि उनके साथ कोई अनहोनी हुई है, जब उन्हे यहां लाया गया था तब तक वे स्वस्थ थे। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा है कि पुलिस का कहना है कि उनकी मौत अस्पताल में आने के बाद हुई, जब डॉक्टर से पूछा तो उन्होंने बताया कि अस्पताल आने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना पर पुलिस और जिला प्रशासन के लोग मौके पर पहुंचे।

मृतक के भांजे बलवीर सिंह ने बताया कि पाली मारवाड़ जंक्शन कराड़ी गांव निवासी 40 वर्षीय आजाद सिंह को दो महीने पहले किसी विवाद में गिरफ्तार कर पाली जेल में भेजा था। एक महीने पहले उन्हें जोधपुर जेल भेज दिया। दोपहर करीब 12 बजे उनकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे तो जेल प्रबंधन का कहना है कि उनकी मौत हार्टअटैक से हुई है। भांजे ने मौत पर संदेह जताया है। डॉक्टर का कहना है कि जेल में ही मौत हो गई थी। बहरहाल पोस्टमार्टम कराने से रोक दिया है।

मिलीभगत की आशंका जताई : मृतक के भांजे का कहना है कि उसके मामा महिला की हत्या के मामले में 12 साल जोधपुर जेल में बंद रह चुके हैं। इसलिए हो सकता है कि उनकी किसी से दुश्मनी हो। इस मामले में मिलीभगत की आशंका है, जब तक प्रशासन स्पष्ट व निष्पक्ष जांच का आदेश नहीं देंगे तब तक वे धरने पर बैठे रहेंगे।

हादसे में चाचा-भतीजे की मौत

करौली, (निसं)। करौली-सरमथुरा सड़क मार्ग पर रतियापुरा गांव के पास मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर ट्रॉली की भिड़ंत में मोटरसाइकिल सवार चाचा-भतीजे की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसर एक मोटरसाइकिल से खरैटपुरा गांव निवासी जितेंद्र सिंह पुत्र देवीराम गुर्जर और हरकेश पुत्र हरफूल गुर्जर अपने गांव जा रहे थे जिनकी मोटरसाइकिल और एक ट्रैक्टर ट्रॉली में रतियापुरा गांव के पास जबरदस्त टक्कर हो गई जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए जिनको हाईवे एंबुलेंस से करौली सामान्य चिकित्सालय लाया गया, जहां चिकित्सक ने दोनों को मृत घोषित कर पोस्टमार्टम के लिए मुर्दाघर में रखा। जानकारी के अनुसार जितेंद्र सिंह वर्तमान में पंचायत समिति मासलपुर में पंचायत समिति सदस्य है। दोनों रिश्ते में चाचा भतीजे बताए गए हैं। उधर मृतकों के परिजनों को पुलिस द्वारा दुर्घटना की सूचना दी गई।

हाइवे किनारे झाड़ियों में बमनुमा वस्तु मिली

पुलिस ने मिट्टी के कट्टे लगाकर किया सुरक्षित, सेना के अधिकारियों को सूचित किया

- पुलिस ने बताया कि संदिग्ध वस्तु की जांच सेना का बम निरोधक दस्ता करेगा
- 5 जनवरी को भी सिटी थाना क्षेत्र के ही राजपुरा पीपेरन इलाके में भी बम नुमा वस्तु मिली थी

सूरतगढ़, (निसं)। क्षेत्र में एक बार फिर बमनुमा वस्तु मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची सिटी थाना पुलिस ने मौका मुआयना कर बम को निगरानी में लेते हुए उसके चारों और मिट्टी के कट्टे रखवाए।

सिटी थाना के सहायक उपनिरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया कि मानकसर क्षेत्र में नेशनल हाईवे संख्या 62 पर फ्लाई ओवर के पास झाडियों में बमनुमा वस्तु मिली है। जिसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया गया। बमनुमा वस्तु के चारों तरफ मिट्टी के कट्टे रखवाकर इसे सुरक्षित करते हुए पुलिस ने अपनी निगरानी में लिया। वहीं मामले की आला अधिकारियों और सेना के उच्चाधिकारियों को सूचना दी गई है।

पुलिस ने बताया कि संदिग्ध वस्तु की जांच सेना का बम निरोधक दस्ता करेगा। जिसके बाद इसके निस्तारण की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि हाल ही में 5 जनवरी को भी सिटी थाना क्षेत्र के ही राजपुरा पीपेरन इलाके में भी बम नुमा वस्तु मिली थी। उसे भी पुलिस ने अपनी निगरानी में लेते हुए चारों और मिट्टी के कट्टे लगवाकर सुरक्षित करवाया था। जिसका अभी तक निस्तारण नहीं किया गया है।

लेकसिटी में 2 डिग्री पर पहुंचा तापमान

उदयपुर में तेज सर्दी पड़ने से गाड़ियों की छतों पर बर्फ जम गई।

- रविवार की रात का तापमान और गिरकर इस सीजन की सबसे सर्द रात के साथ 2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में ठंडी हवाओं के साथ ठंड भी अब बर्फीली हो गई है। उत्तरायण की इस ठंड से धूजणी छूटा दी है वहीं रविवार की रात का तापमान और गिरकर इस सीजन की सबसे सर्द रात के साथ 2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। वहीं उदयपुर शहर के मैदानी इलाको के लिए सीटीएई परिसर में तापमान -4.6 डिग्री दर्ज किया गया।

शीत लहर लेकसिटी में कड़ाके की सर्दी फिर से ले आई है। दिन के तापमान में सोमवार को बढोतरी तो हुई लेकिन बर्फीली हवाएं दिनभर ऊनी वस्त्रों को पहनने को मजबूर कर रही है। वहीं अलसुबह शहर के मैदानी इलाके गुलाबबाग, सीटीएई परिसर व शहरी क्षेत्र के आसपास के क्षेत्रों के खेतों में चने की फसलों पर बर्फ की परत जम गई है। रविवार की रात का तापमान शनिवार की तुलना में और गिर गया।

शनिवार को न्यूनतम तापमान 2.7 डिग्री था जो 0.7 डिग्री और गिरकर 2 डिग्री पर पहुंच गया। रविवार की रात सीजन की सबसे ठंडी रात रही। मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 20.4 डिग्री व न्यूनतम तापमान 2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो रविवार को क्रमशः 19.2 व 2.7 था। मौसम विज्ञानियों के अनुसार कड़ाके की ठंड 20 जनवरी तक बनी रहेगी। हवाओं के थमने के बाद ही सर्दी का अहसास कम होगा।

हनुमानगढ़ में 0 डिग्री तक पहुंचा न्यूनतम तापमान

- खेतों में पाइपों और फसलों पर जमी बर्फ, 21 जनवरी को बरसात के आसार

हनुमानगढ़, (निसं)। कड़ाके की ठंड से कुछ दिनों तक राहत के बाद एक बार फिर तेज सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। जिले का न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री पहुंचने से सोमवार सुबह खेतों में बर्फ जमी नजर आई। शीतलहर चलने से ठिठुरन और गलन बढ़ गई, जिससे हाथ-पांव सुन्न पड़ गए। कारों और फसलों पर ओस की बूंदें बर्फ में बदल गई। खेतों में सिंचाई के लिए लगे पाइपों और खेतों की तारबंदी पर भी बर्फ जम गई।

कृषि विज्ञान केंद्र संगरिया के मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 19 जनवरी तक कड़ाके की सर्दी पड़ेगी। संगरिया स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र की मौसम इकाई के पूर्वानुमान के अनुसार शुक्रवार से पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव कम होने से जिले में उत्तरी-पश्चिमी बर्फीली हवाओं का दौर शुरू हो गया है। इससे क्षेत्र में आगामी 4-5 दिन घना कोहरा और शीतलहर चलने के साथ ही पाला पड़ने की आशंका है, जिससे फसलों को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। कृषि विशेषज्ञों ने अगले 4-5 दिन खेतों में थोड़ी-थोड़ी सिंचाई करते रहने का सुझाव दिया है, ताकि रबी की फसलों को पाला पड़ने से कोई नुकसान नहीं हो। पाला पड़ने के कारण खेतों में रबी की फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचा है। कृषि विशेषज्ञों ने अगले 4-5 दिन खेतों में थोड़ी-थोड़ी सिंचाई करते रहने का सुझाव दिया है।

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक राजस्थान में सर्दी का असर तेज रहेगा। अधिकांश जिलों में उत्तर से आने वाली बफीर्ली हवाएं चलने से रात के साथ-साथ दिन में भी तेज सर्दी पड़ेगी। 19 जनवरी के बाद तापमान में बढ़ोतरी होगी और कड़ाके की सर्दी से राहत मिलेगी। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से 21 जनवरी को बारिश के आसार हैं। किसान ओम जांगू ने बताया कि जिस तरह से सर्दी का प्रकोप चल रहा है और फल सब्जियों पर बर्फ जम रही है, उससे सरसों की फसल में 50 प्रतिशत तक खराबा होने की आशंका है। फसलों पर बर्फ की परत जमने से पत्तियों और फाल में बहुत नुकसान हुआ है।

बीकानेर में रात में बर्फ जमी

बीकानेर, (कासं)। दिन में तापमान बढ़ रहा है जबकि रात में तापमान इतना कम हो रहा है कि बर्फ जम रही है। रविवार की रात भी बीकानेर के ग्रामीण क्षेत्रों में बर्फ जमी है, जबकि सोमवार सुबह ग्यारह बजे तक ही धूप इतनी तेज रही कि गर्मी का अहसास हुआ। उधर, रात में शीतलहर अभी दो दिन और बीकानेर में जनजीवन प्रभावित कर सकती है।

बीकानेर जिले में न्यूनतम तापमान जहां 2.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा, वहीं चूरू में माइनस 2.5 डिग्री सेल्सियस रहा। सोमवार की रात पारा थोड़ा बढ़ा लेकिन सर्दी से कोई ज्यादा राहत नहीं मिल सकी। संभाग के श्रीगंगानगर में 2.6 डिग्री सेल्सियस और हनुमानगढ़ के संगरिया में महज 0.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। ऐसे में हनुमानगढ़ और चूरू दोनों ठंडे रहे। मौसम विभाग की मानें तो अगले दो दिन तक बीकानेर संभाग में पारा पांच डिग्री सेल्सियस तक नहीं पहुंच सकेगा। शीतलहर का दौर संभाग के चारों जिलों में जारी रह सकता है।

पुष्कर संवाददाता के अनुसार : लगातार चार से दिनों सर्दी पड़ने के कारण जन जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। सर्दी के कारण 15 जनवरी की सुबह पुष्कर में पुष्कर के आसपास इलाकों में बर्फ की चादर बिछ गई । वही16 जनवरी को भी चादर बिछी नजर आयी फूलों की फसल सर्दी की वजह से जल गयी। घरों के बाहर पड़ा पानी बर्फ में तब्दील हो गया खेतों में चारों ओर बर्फ ही बर्फ दिखाई देने लगी । इस सर्दी की यह पहली बर्फबारी है इस बर्फबारी से फूलों को तो नुकसान हुआ है लेकिन अन्य फसलों में फायदा भी है।

उत्कर्ष में उपनिरीक्षकों के लिए मॉक इंटरव्यू

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा 15 से 22 जनवरी तक आयोजित राजस्थान एसआई मॉक इंटरव्यू की विशेष कार्यशाला में अभ्यर्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस विशेष कार्यशाला में राजस्थान पुलिस उपनिरीक्षक की लिखित परीक्षा एवं शारीरिक दक्षता का पडाव पार कर चुके अभ्यर्थियों का साक्षात्कार से संबंधित विभिन्न पहलुओं तथा विषयों पर आरपीएससी के पूर्व अध्यक्षों, अधिकारियों, अनुभवी प्रेरक वक्ताओं तथा विषय विशेषज्ञों के नेतृत्व में पथ प्रदर्शन किया जा रहा है। कार्यशाला में साक्षात्कार के गहन प्रशिक्षण चरण के तहत सोमवार को गोपालपुरा बाइपास स्थित उत्कर्ष के ऑफलाइन सेंटर पर प्रातः 8 बजे से विभिन्न सत्रों में अभ्यर्थियों को महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए।

सोमवार को प्रातः सत्र में आरपीएससी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ललित के. पंवार ने साक्षात्कार संबंधी तैयारी पर अभ्यर्थियों के साथ अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान उन्होंने थ्योरी नॉलेज के अतिरिक्त व्यावहारिक ज्ञान पर भी पकड रखने की सलाह दी। डॉ. पंवार ने इंटरव्यू पैनल में शामिल विशेषज्ञों से घबराने की बजाय स्वयं के ज्ञान एवं व्यक्तित्व पर आत्मविश्वास रख कर सवालों के जवाब देने या कोई प्रतिक्रिया करने पर जोर दिया। सेशन को आगे बढाते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आसूचना ब्यूरो हनुमान प्रसाद यादव ने भावी उप निरीक्षकों के सामने पुलिस व्यवस्था एवं पुलिस सुधार के अंतर्गत महत्त्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। इसी कडी में जेएनवीयू, जोधपुर में मनोविज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ए. के. मलिक ने साक्षात्कार में अक्सर अभ्यर्थियों द्वारा सामना किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक दबावों से उबरने या स्वयं को संयमित रखने के तरीके बताए। इसके अतिरिक्त सायंकालीन सामूहिक सत्र के दौरान जिज्ञासा समाधान व परिचर्चा के पहले भाग के अंतर्गत लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ललित कुमार पँवार एवं प्रो. ए के मलिक तथा जयपुर एकेडमिक हेड कुलदीप सिंह शेखावत द्वारा अभ्यर्थियों की साक्षात्कार संबंधी विभिन्न जिज्ञासाओं के समाधान किया।

अंडरब्रिज बनाने की मांग पर धरना शुरू किया

पिंडवाड़ा, (निसं)। सिरोही जिले में पिंडवाडा-सिरोही राष्ट्रीय फोरलेन हाईवे जनापुर चौराहे पर दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर चार रास्ते पर अंडरब्रिज निर्माण मांग को लेकर जनापुर गांव के लोगों ने बाजार बंद कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिंडवाड़ा फोरलेन हाईवे जनापुर चार रास्ते पर आए दिन हादसे होते रहते हैं। इनमें वे गंभीर हादसे भी शामिल हैं जिनमें लोगों की जाने जा चुकी हैं। इन हादसों में प्रशासन व पुलिस की लापरवाही भी शामिल है। इसमें नगर के पास के चौराहों पर सबसे अधिक दुर्घटनाएं होती हैं। इसकी अहम वजह सड़क निर्माण की गलत डिजाइनिंग के कारण हाईवे के चार रास्ते पार करते समय हाइवे पर चलने वाले ट्रक, बस व अन्य यात्री वाहन रोड पर ही खड़े कर दिए जाते हैं। छोटे-मोटे वाहन गलत दिशा से लोग भ्रमित हो जाते हैं आने वाले वाहन दिखाई नहीं पड़ते हैं। इससे कई बार चौराहों पर गंभीर सड़क हादसे हो चुके हैं।

आखिरकार ग्रामीण गांव बंद का आव्हान कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने के लिए को मजबूर हुए। धरना प्रदर्शन की जानकारी तहसीलदार मादाराम मीणा ने मिलते ही जनापुर गांव पहुंचकर गांव के लोगों को समझाइश की, पर ग्रामीण अड़े रहे।

अनशन की जानकारी पिंडवाड़ा उपखंड अधिकारी हंसमुख कुमार को मिलते ही हाईवे निर्माण के जिम्मेदार अधिकारी को बुलाया गया और गांव के लोगों की समस्या का समाधान की बात कही। तब नपेंद्र दुबे ने 3 दिन में हाईवे चौराहे पर डिवाइडर और मुख्य फोरलेन हाईवे पर बैरिकेडिंग लगवाने की बात कही।

28 मार्च से हो सकती है नहरबंदी!

बीकानेर, (कासं)। ठिठुराती ठंड के बीच पीएचईडी के अधिकारियों को गर्मी में पेयजल की चिंता सताने लगी है। वजह, मई के महीने में जब पानी की सर्वाधिक जरूरत होगी उस वक्त नहर से पानी आना बिलकुल बंद रहेगा। शहर में 15 दिन पेयजल क्षमता का स्टोरेज होगा। इसके लिए पानी जुटाने से लेकर घरों तक पहुंचाने के लिए समर कंटीजेंसी प्लान बनाकर सरकार को भेजा है। इसकी लागत लगभग सात करोड़ रुपए हैं। सात करोड़ में से लगभग पांच करोड़ रुपए सिंगल फेज बोरवैल, मोटर, केबल, बरमा आदि संसाधनों पर खर्च होंगे। लगभग दो करोड़ रुपए उन इलाकों में पानी पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्टेशन पर खर्च होंगे जहां जल संकट की स्थिति होगी। सभी व्यवस्थाएं दो महीने पहले करने होगी इसलिए तैयारी शुरू हो गई।

कुछ कामों की स्वीकृति मिल गई है। टैंडर प्रक्रिया शुरू हो गई। कई कामों की मंजूरी का इंतजार हो रहा है। फरवरी के महीने में काम शुरू होकर मार्च तक पूरे होंगे तभी इन इंतजामों का पूरा लाभ मिल पाएगा। नहरबंदी की संभावित तिथि 28 मार्च है। यह 60 दिन की होती है तो पहले 30 दिन आंशिक पूर्ति होगी। मतलब यह कि अप्रैल में आंशिक पेयजल आपूर्ति होगी। अगले 30 दिन पूरी तरह आपूर्ति बंद रहेगी। ऐसे में मई के महीने में पानी बिल्कुल नहीं मिलेगा। इस दौरान शहर में 15 दिन की आपूर्ति लायक स्टोरेज होगा। ऐसे में एकांतरा आपूर्ति होगी। 115 एमएलडी पानी हर दिन सर्दी में जरूरत है। इतना ही आपूर्ति किया जा रहा है। गर्मी में यह जरूरत 150 एमएलडी तक पहुंच जाती है। पूरी क्षमता के साथ ही दोनों संयंत्र 135 से 140 एमएलडी तक उत्पादन कर सकते हैं। समर कंटीजेंस प्लान तैयार है। केबल, सिगल फेज बोरवेल आदि के काम जल्द शुरू कर देंगे।

राजेश पुरोहित, एसई पीएचईडी ने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर में पहले से इतना सुधार कर रहे हैं कि छीजत कम हो और अंतिम छोर तक पूरा पानी पहुंचे। प्लान सरकार को भेजा है। जल्द मंजूरी मिलते ही काम शुरू हो जाएगा।

दरगाह शरीफ विश्राम स्थली का जायजा लिया

- 18 जनवरी से प्रारंभ होने वाले उर्स की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है

अजमेर, (कासं)। ख्वाजा गरीब नवाज़ के 811वें उर्स की तैयारियों को लेकर दरगाह कमेटी सदस्य सपात खान और नाज़िम समी अहमद खान ने दरगाह शरीफ और विश्रामस्थली कायड़ का जाएज़ा लिया। समी अहमद खान ने बताया कि 18 जनवरी से प्रारंभ होने वाले उर्स की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दरगाह कमेटी द्वारा विभागीय स्तर कि जाने वाली सम्पूर्ण तैयारीयों को पूर्ण किया जा चुका है। शेष कार्यो को अगले दो से तीन दिवसों में पूर्ण किया जाएगा। साथ ही जारी विभागीय कार्यों पर संतोष व्यक्त किया।

सदस्य सपात खान एवं नाज़िम समी अहमद खान दोपहर को विश्रामस्थली पहुंचे। विश्रामस्थली पर कार्यों का निरिक्षण किया। सपात खान ने कहा कि इस वर्ष जायरीन की सुविधा के लिए सर्दी से बचाव एक प्रमुख चुनौति रहेगी, जिसके के लिए दरगाह कमेटी एवं प्रशासन के सहयोग से बेहतर व्यवस्था का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही जलदाय विभाग द्वारा जारी पाईप लाईन की प्रगति देख बताया कि अंदरूनी हिस्से पर पाईप लाईन डालने से उपयोग एवं पीने के पानी को सीधे नलों तक पहुंचाया जा सकेगा।

जेल प्रहरियों की तबीयत खराब हुई तो अजमेर जेएलएन अस्पताल के हालात भी बिगड़ने लगे

- अजमेर, भीलवाड़ा, गंगानगर, नोखा, बांसवाड़ा और हनुमानगढ़ में जेलकर्मी अस्पताल में भर्ती

अजमेर, (कासं)। राजस्थान पुलिस और आरएसी के बराबर वेतनमान की मांग को लेकर अजमेर के जेल प्रहरी पिछले करीब 96 घंटों से भूख हड़ताल पर हैं, जिनकी अब तबीयत बिगड़ना शुरू हो गई है। एक और जहां जेल प्रहरीयों की तबीयत बिगड़ रही है तो वहीं अजमेर के अस्पताल जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के हालात भी बिगड़ते हुए दिख रहे हैं।

पिछले 24 घंटों में 30 जेल प्रहरीयों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है लेकिन यहां भी उन्हें बेहतर इलाज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, एक ही बेड पर दो-दो जेल प्रहरीयों को लेटाया गया है जिसके बाद हाई सिक्योरिटी जेल के जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ और सेंट्रल जेल के अधीक्षक सुमन ने अस्पताल पहुंचकर जेल प्रहरीयों की खैर खबर ली।

हाई सिक्योरिटी जेल के अधीक्षक पारस जांगिड़ ने बताया कि जेल पहरी पिछले 96 घंटों से अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर है जिसके बाद उनकी तबीयत लगातार बिगड़ रही है। पारस जांगिड़ ने बताया कि अजमेर जेल की शाखाओं के करीब 300 जेल पहरी भूख हड़ताल पर हैं। इस दौरान उनकी तबीयत खराब होने के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया जा रहा है। अब अस्पताल में जगह कम पड़ती हुई दिख रही है। पारस जांगिड़ ने अंदेशा जताया है कि आज शाम तक अस्पताल बड़ी संख्या में जेल पहरी पहुंच सकते हैं। हाई सिक्योरिटी जेल के अधीक्षक पारस जांगिड़ ने माना कि जेल प्रहरीयों के हड़ताल पर जाने से उनका सिक्योरिटी सिस्टम भी प्रभावित हो रहा है। जेल प्रहरी इस हालत में अपनी ड्यूटी निभाने में समर्थ नहीं होंगे। पारस जांगिड़ ने बताया हेड क्वार्टर के निर्देश के बाद 2-2 प्रतिनिधि वार्ता के लिए जयपुर भेजे हुए हैं वहां डी जी के नेतृत्व में एक डेलिगेशन वार्ता कर रहा है। पिछले 2 दिनों में करीब 70 लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अस्पताल में भर्ती जेल पहरी विमला ने बताया कि वह अपनी मांगों को लेकर पिछले 4 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं लेकिन उनकी मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है लेकिन अस्पताल के हालात भी सामान्य नहीं है। जेल प्रहरी ने बताया कि अभी तक वह अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं, लेकिन जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होगी जब तक यह भूख हड़ताल जारी रहेगी।

अजमेर के जेएलएन अस्पताल में एक पलंग पर दो-दो जेल प्रहरियों को उपचार दिया जा रहा है।

नोखा में जेल प्रहरियों का मैस बहिष्कार जारी

नोखा, (निसं)। वेतन विसंगति को दूर करने की मांग को लेकर नोखा उप कारागृह में मैस का बहिष्कार कर अनशन पर बैठे तीन जेल कार्मिकों की रात तबीयत बिगड़ गई। इस पर उनको नोखा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। अनशन पर बैठे भगवती देवी, हनुमान सिंह और लक्ष्मणदान की तबीयत खराब हो गई थी।

अनशनकारियों ने कहा कि वेतन विसंगति के संबंध में 2017 में हुए समझौते की पालना नहीं होने पर अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के बैनर तले तीन दिन से अनशन पर बैठे हैं। लेकिन सरकार ने सकारात्मक निर्णय नहीं लिया है। उप कारापाल दलीप कुमार, मुख्य प्रहरी श्रीचंद गीला, पवन कुमार, जेल प्रहरी राजाराम, हेतराम, सुमित्रा, संगीता, बगताराम अनशन पर रहे।

हनुमानगढ़ संवदाता के अनुसार :- कड़ाके की ठंड के बीच जिला जेल में तैनात जेल प्रहरियों की भूख हड़ताल सोमवार को चौथे दिन भी जारी रही। अनशन के कारण 2 दिन में 9 जेल प्रहरियों को तबीयत बिगड़ने पर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया जा चुका है। अन्य जेल प्रहरियों की हालत भी भूखे रहने के कारण धीरे-धीरे खराब होती जा रही है। रविवार को 7 और सोमवार को 2 जेल प्रहरियों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। प्रशासन की ओर से सोमवार सुबह भेजे गए सरकारी डॉक्टर ने जेल प्रहरियों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान सभी जेल प्रहरियों का ग्लूकोज लेवल काफी नीचे मिला।

भीलवाड़ा में 4 जेल कर्मियों की हालत बिगड़ी

भीलवाड़ा, (निसं)। चार दिन से जारी जेल कर्मियों के आंदोलन के बीच अब तक चार जेल कर्मियों की हालत बिगड़ने के बाद महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि गंगापुर, गुलाबपुरा, शाहपुरा, जहाजपुर और मांडलगढ़ में भी कर्मचारियों की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है।

जिला कारागृह भीलवाड़ा के साथ ही प्रदेश भर के जेलकर्मी अपनी मांगों को लेकर चार दिन से भूख हड़ताल पर चल रहे हैं। इस दौरान रविवार को डिप्टी जेलर स्वीटी स्टेला की हालत बिगड़ गई। जबकि सोमवार को महिला प्रहरी सीमा देवी के साथ सिमरन सिंह व खेमचंद सैनी की तबियत खराब होने पर महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिला कारागृह के कारापाल मुकेश ने बताया कि जब तक हमें पुलिस या आरएसी के समान वेतन लाभ नहीं दिया जाता तब तक हमारा आन्दोलन जारी रहेगा। इसी तरह डिप्टी स्वीटी ने महात्मा गांधी अस्पताल में बताया कि हम पुलिस और आरएसी से ज्यादा काम करते है लेकिन वेतन उनसे कम है। स्वीटी को कल बीपी बढने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर मांडलगढ़ उप कारागृह के दुपहरी प्रवीण कुमार व महेंद्र चौधरी की भी हालत बिगड़ गई, इसी तरह गुलाबपुरा में दारा सिंह महिपाल के साथ ही गंगापुर सब जेल के गजानंद परी की भी हालत बिगड़ने की खबर सामने आई है। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहाजपुर जेल के प्रहरी, सुमन गफार व नारायण को अस्पताल में भर्ती कराया जबकि विश्राम मीणा को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, वे फिर आंदोलन में शामिल हो गए हैं। शाहपुरा में महिला सिपाही पूजा व सिपाही बजरंग लाल का स्वास्थ्य बिगड गया। इस पर दोनों को सैटेलाइट चिकित्सालय शाहपुरा भर्ती करवाया गया जहां से उन्हें महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाडा रेफर कर दिया गया।

बांसवाड़ा संवाददाता के अनुसार :- वेतन विसंगति को लेकर जेल कार्मिकों द्वारा किये जा रहे मेस बहिष्कार एवं भूख हड़ताल के चौथे दिन जिला कारागृह के एक प्रहरी एवं कुशलगढ़ जेल के पांच सिपाहियों को हालत बिगडने पर चिकिसात्लय में भर्ती करवाया गया। हालांकि बांसवाड़ा जेलर हेमंत साल्वी उदयपुर रेंज का प्रतिनिधित्व करने के लिये जयपुर गये हुए हैं।

श्रीगंगानगर संवाददाता के अनुसार :- कर्मियों की 13 जनवरी से चल रही भूख हड़ताल को चार दिन हो गए हैं। चौथे दिन जेलर और डिप्टी जेलर भी आंदोलन को समर्थन देते हुए भूख हड़ताल पर बैठ गए। जेलकर्मियों का कहना है कि भूखे पेट रहकर ड्यूटी करेंगे। सरकार को चाहिए कि वे कर्मचारियों की वेतन संबंधी कमियों को दूर करें ताकि जेल गार्ड्स अच्छे से जीवन यापन कर सकें। भूख हड़ताल से सोमवार को दो और जेल कर्मियों की तबीयत बिगड़ गई। गार्ड छोटूलाल मीणा और सुरेश कुमार की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया।

सर्दी में सहारा योजना शुरू की

अलवर, (निसं)। बिजली घर के समीप तीनों अस्पतालों में आने वाले मरीजों के परिजनों को अब बिना किसी शुल्क के कंबल दिए जाएंगे।

यह कंबल विजन संस्थान के बिजली घर पर चलने वाले निशुल्क भोजन स्थल से दिए जाएंगे। सर्दी का सहारा नाम से योजना की शुरुआत रविवार शाम को हुई। इस अवसर पर जरूरतमंद लोगों को नेक कमाई समूह की ओर से डॉ. गोपाल रॉय चौधरी ट्रस्ट के सहयोग से निशुल्क कंबल और अन्य सामान भी वितरित किया गया। इसकी शुरुआत नेक कमाई समूह के कोर्डिनेटर अभिषेक तनेजा ने की। अध्यक्षता समाजसेवी दौलत राम हजरती ने की। कार्यक्रम में नेक कमाई समूह की ओर से कंबल संस्था को दिए गए और जरूरतमंद लोगों को दिए गए।

कार्यक्रम में प्रमुख अर्थशास्त्री डॉ. सत्यभान यादव ने कहा कि आने वाले समय में अलवर में यह लोग शोध करने आएंगे कि यहां किस प्रकार कई जगह निशुल्क भोजन चल रही है जिसको वे अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भी बताएंगे। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के कोषाध्यक्ष अजय आनंद गोयल, इंजीनियर राजेश लवानिया, नीतिज्ञ, आशुतोष शर्मा और पीयूष उपाध्याय ने भी विचार व्यक्त किए।

कोचिंग सेंटर में लगी आग से फर्नीचर व सामान जलकर राख

चौंमू / कालाडेरा, (निसं)। गोविन्दगढ़ कस्बे में स्थित अपेक्षा कोचिंग सेंटर में बीती रात अचानक आग लग गई। आग लगने से कोचिंग सेंटर में रखा लाखों रुपए का फर्नीचर समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया।

आग लगने की सूचना मिलने पर चौंमू अग्निशमन अधिकारी अर्जुन गुर्जर ने घटना स्थल पर दमकल भेजी।

■ **लाखों रूपए का हुआ नुकसान**

मौके पर पहुंच कर एक दमकल की सहायता से आधे घंटे कि मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया।

जानकरी के मुताबिक गोविन्दगढ़ कस्बे के पुलिस थाने के पास एक मकान में कोचिंग मालिक राजेंद्र चौधरी के द्वारा अपेक्षा कोचिंग के नाम से संचालित हो रही थी । देर रात को कोचिंग सेंटर में अचानक आग लग गई। आग से फर्नीचर, एसी, कूलर, फ्रिज, पंखे व अन्य सामान जलकर राख हो गया। आग लगने से लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। आग लगती देख मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई।

गोविन्दगढ़ कस्बे में अपेक्षा कोचिंग सेंटर में बीती रात अचानक आग लग गई।

सात दिवसीय शिविर संपन्न

श्रीमाधोपुर, (निसं)। जीडीएमएल पटवारी पीजी महिला महाविद्यालय श्रीमाधोपुर का सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर स्वतंत्रता सेनानी पंडित बंशीधर शर्मा नांगलका राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय श्रीमाधोपुर में संपन्न हुआ।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय शिक्षक अवार्ड विजेता विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक तिवाड़ी मऊ ने कहा कि व्यक्ति का वजूद संगठन पर निर्भर है। फिर संगठन चाहे परिवार का हो, समाज का हो या अन्य कोई भी हो। संगठन से व्यक्ति की इच्छा शक्ति बढ़ती है जिसकी बदौलत असम्भव प्रतीत होने वाले कार्य भी सफलतम सोपान तक पहुंचते हैं। तिवाड़ी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से जुड़ना सौभाग्य का विषय है।

एनएसएस प्रभारी डॉ.किरण शर्मा एवं महेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि 7 दिन से चल रहे शिविर के दौरान विभिन्न स्थानों पर सेवा योजना से जुडी महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा श्रमदान किया गया है। वहीं सोमवार को समापन के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा गोद लिए गए वार्ड नंबर 4 के संस्कृत विद्यालय एवं स्वतंत्रता सेनानी पंडित बंशीधर शर्मा के स्मृति स्थल पर श्रमदान कर पेड़ पौधों के साथ ही परिसर की सफाई की गयी है।

सार-समाचार

महिला मोर्चा ने रंगोली सजाई

राजगढ़, (निसं)। जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत को मिलने पर भाजपा महिला मोर्चा की ओर से राजगढ के गांधी पार्क नवीन रंगमंच पर रंगोली सजाकर खुशी जताई। भाजपा की जिला महामंत्री प्रीति विजय एवं पार्षद प्रीति शर्मा के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में मेजबानी भारत को मिलने पर गौरवशाली क्षण बताया। जी-20 समूह की अध्यक्षता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। कार्यक्रम में भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं द्वारा अत्यंत उत्साह के साथ रंगोली बनाई गई एवं लोगों को भारत के उन्नित और विकसित होने का संदेश दिया कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा जिला महामंत्री प्रीति विजय, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष मीना खंडेलवाल, पार्षद प्रीति शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष महिला मोर्चा पद्मा गोयल, पार्षद अंजू बाला,डॉ नीरज शर्मा,महिला मोर्चा महामंत्री सुमन दीक्षित, मीना विजय,सीता शर्मा,चंद्रकांता विजय,रजनी बटवाड़ा डिंपल चितोशिया इत्यादि महिलाएं मौजूद रही।

छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

सांभरझील, (निसं)। यहां राजकीय शाकंभर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में सोमवार को छात्र संघ कार्यालय का उद्घाटन समारोह मनाया गया। छात्रसंघ अध्यक्ष भवनेश गुर्जर की मौजूदगी में कुलदीप व्यास ने मुख्य अतिथि के रूप में इसका उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं की ओर से सरस्वती वंदना भी पेश की गई। विद्यार्थियों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों ने सभी का दिल जीत लिया। इस मौके पर मंचासीन सभी अतिथियों का कॉलेज प्रशासन की ओर से माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। छात्रसंघ परामर्शदाता डॉ संजय जैन ने छात्र संघ कार्यकारिणी का परिचय पेश किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ ज्ञानप्रकाश दायमा ने सभी मुख्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया। दिशा मेहरा, निशिता शर्मा, नंदू गुर्जर ने सांस्कृतिक प्रस्तुति पेश की। मंच संचालन डॉ भुवनेश कुमार परिहार, महेश कुमार पालीवाल ने संयुक्त रूप से किया।

लाइब्रेरी का शुभारंभ आज

निवाई, (निसं)। मंगलवार को शहर की इंदिरा कॉलोनी में स्थित सामुदायिक केंद्र में स्थित सार्वजनिक लाइब्रेरी का विधायक प्रशांत बैरवा विधिवत शुभारंभ करेंगे।

एक तरफ कार्रवाई का विरोध, दूसरी तरफ किसान यूनियन ने किया समर्थन

चौंमू/कालाडेरा, (निसं)। चौंमू नगरपालिका के ईओ देवेन्द्र जिंदल के द्वारा शहर में अतिक्रमण हटाने के अभियान में एक नया मोड सामने आया है।

एक तरफ अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को चौंमू विधायक रामलाल शर्मा, पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, भाजपा के युवा नेता शंकर गौरा, चौमूं नगरपालिका चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी गलत बताया था। वहीं सोमवार को भारतीय किसान यूनियन एवं संयुक्त मोर्चे ने चौमूं शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ईओ देवेन्द्र जिंदल का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सभी संगठनों के पदाधिकारियों ने कृष्ण सिंह जादौन के नेतृत्व में नगर पालिका प्रशासन को आश्वासन दिलाया कि चौमूं शहर को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए इस अभियान में प्रशासन के हमेशा साथ रहेंगे और स्वयंसेवक

■ **चौंमू नगरपालिका के अतिक्रमण हटाओ अभियान का मामला**

के रूप में कार्य करेंगे। वहीं चौंमू नगरपालिका ईओ देवेन्द्र जिंदल ने बताया कि कुछ थड़ी एवं भू माफिया प्रभावित लोग पीड़ित व्यक्तियों को आगे रखकर अपनी दुकानदारी चलाना चाहते हैं। किसी भी हाल में गरीबों का शोषण करने वाले थड़ी माफियाओं को पैर पसारने नहीं देंगे आमजन के लिए यातायात सुलभ हो, पुरातत्व सम्पत्ति संरक्षित हो, इसके लिए नियमानुसार अतिक्रमण हटाया जा रहा है।

फुटकर व्यापारियों की जगह को लेकर सुझाव कमेटी का गठन सुझाव कमेटी किया जाएगा जिसमें कार्मिक व पार्षद की रिपोर्ट एवं उपखण्ड अधिकारी के मार्गदर्शन के आधार पर सतत कार्रवाई की जाएगी। वहीं फुटकर व्यापार बचाओ संघर्ष समिति ने बताया कि तीन दिवस में दुकानदारों की उचित व्यवस्था नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन धरना होगा। फुटकर व्यापार बचाओ संघर्ष समिति ने उपखण्ड अधिकारी प्रियव्रत सिंह चारण , नगर पालिका अधिशासी अधिकारी ईओ देवेन्द्र जिंदल , चौमूं नगरपालिका चेयरमैन विष्णु कुमार सैनी और चौमूं एसीपी राजेन्द्र निर्वाण को ज्ञापन दिया। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि पिछले कुछ दिनों से नगर पालिका चौमूं द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत फुटकर व्यवसायियों, थड़ी, ठेले वालों को नाजायज परेशान किया जा रहा है। जिनकी दुकान यातायात को बाधित नहीं कर रही है उन्हें भी नगर पालिका प्रशासन ने लाकर बंद कर दिया है। नगर पालिका प्रशासन की तानाशाही और हठधर्मिता के चलते गरीबों पर इस प्रकार की कार्रवाई करना अनुचित है। नगर पालिका प्रशासन द्वारा की गई इस कार्रवाई का हम पुरजोर विरोध करते हैं और जिन दुकानदारों के ठेले उठाकर उनको बेरोजगार किया है उन सभी के थड़ी,ठेलों को वापस लगाया जाए। अगर नगर पालिका प्रशासन को शहर की सड़क पर हो रहे अतिक्रमण पर ही कार्रवाई करना है तो शहर के थाना मोड़ से बस स्टैंड के बीच के करीब आधा दर्जन बैंकों के बाहर लगे वाहनों के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है वहां पर करें।

ज्ञापन में मांग की गई कि तीन दिवस में यदि इन दुकानदारों की उचित व्यवस्था नहीं की गई और दुकानों को चिन्हित स्थान देकर नहीं छोड़ा गया तो समिति अनिश्चितकालीन धरना देगी। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग के पूर्व अध्यक्ष अभिषेक सैनी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष छीतर मल जलथुरिया, सामाजिक एवं न्याय विभाग के प्रदेश सचिव सिया शरण शर्मा, अशोक कुमार सेन, मुकेश सांखला, किशन सेन, आदिल खान, मोनू सेन, मालीराम, पप्पू स्वामी ,लालचंद सेन, तुषार सैनी ,सुशील कुमावत ,शिम्भु दयाल सेन सहित अनेक दुकानदार मौजूद रहे।

किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग

चौमूं / कालाडेरा, (निसं)। चौमू के पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित से किसानों को मुआवजा दिलाने के लिए मिले।

पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी ने कलेक्टर राजपुरोहित को बताया कि शीतलहर व पाले से किसानों की अधिकांश फसलें नष्ट हो गई है। जिसमें सरसों की फसल शतत प्रतिशत खराब हो चुकी है। गेहूं, चना, धनिया आदि फसलों में शीतलहर के कारण काफी नुकसान हुआ है। यदि शीत लहर का प्रकोप और बढ़ता है तो फसलें बर्बाद हो जाएंगी। किसानों की नुकसान हुई फसलों की गिरदावरी की कराकर शीघ्र मुआवजा की राशि जल्द से जल्द दिया जाए। जिससे किसानों को राहत मिल सके। इस अवसर पर पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी ने कलेक्टर राजपुरोहित को चौमूं में एडीएम कार्यालय खुलवाने के लिए भी ज्ञापन सौंपा।

कार्यालय नगर पालिका पावटा प्रागपुरा

क्रमांक-न.पा.पा.प्रा.2021-22/266 दिनांक-16.01.2023

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रशासन शहरों के संग 2021 के अंतर्गत निम्न आवेदकों द्वारा पालिका में 69 क नियमन के अंतर्गत पट्टा/कृषि भूमि नियमन/भवन निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु आवेदन किया गया है यदि इस कार्य में किसी आम या खास को कोई आपत्ति हो तो पालिका में 7 दिवस के अंदर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज सबुत के साथ प्रस्तुत करें बाद विवाद करने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार विमर्श नहीं किया जायेगा।

क्र.सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
1	रोहिताश्व पुत्र श्री भरताराम	कुनेड	184	189.83 वर्गगज	आवासीय
2.	कैलाश स्वामी पुत्र श्री गिदादास	पावटा	837	22.22 वर्गगज	आवासीय
3	कैलाश स्वामी पुत्र श्री गिदादास	पावटा	1170	11.08 वर्गगज	आवासीय
4	माया देवी पत्नी श्री रामजीलाल	पावटा	837/2353	42.77वर्गगज	आवासीय
5	नाहरमल यादव पुत्र श्री मूलचंद यादव	पावटा	1995	22.22 वर्गगज	आवासीय
6	रोहिताश स्वामी पुत्र श्री केशव राम स्वामी	पावटा	1779	12.04 वर्गगज	मिश्रीत
7	हिरालाल योगी पुत्र श्री मामराज योगी	पावटा	1779	225.15 वर्गगज	आवासीय
8	श्रवण कुमार पुत्र श्री ब्रजमोहन	पावटा	1784	269 वर्गगज	आवासीय
9	कृष्णा गर्ग पत्नी श्री ब्रजमोहन	पावटा	1784	32.60 वर्गगज	मिश्रीत
10	विनोद गर्ग पुत्र श्री ब्रजमोहन	पावटा	482	300 वर्गगज	आवासीय
11	विनोद गर्ग पुत्र श्री ब्रजमोहन	पावटा	1788	185.13 वर्गगज	आवासीय
12	विनोद गर्ग पुत्र श्री ब्रजमोहन	पावटा	1779	59.88 वर्गगज	मिश्रीत
13	श्रवण कुमार पुत्र श्री ब्रजमोहन	पावटा	1779	60 वर्गगज	मिश्रीत
14	रामोतार यादव पुत्र श्री नारायणराम	पावटा	735/2435	44.444 वर्गगज	आवासीय
15	प्रहलाद, महेश, हरिराम पुत्र श्री अर्जुनराम	पावटा	1170	88 वर्गगज	आवासीय
16	महेश, हरिराम पुत्र श्री अर्जुनराम यादव	पावटा	735/2435	44.44 वर्गगज	आवासीय
17	चेतराम पुत्र श्री जयसिंह मीणा	पावटा	878/2	598 वर्गगज	आवासीय
18	सत्यनारायण गौड पुत्र श्री ओमप्रकाश गौड	पावटा	1784	160.69 वर्गगज	आवासीय
19	महेंद्र कुमार अग्रवाल पुत्र श्री गोविन्द राम	पावटा	1784	165 वर्गगज	आवासीय
20	नरेश यादव पुत्र श्री रामू यादव	कुनेड	227	141.33 वर्गगज	आवासीय
21	लाल चन्द यादव पुत्र श्री रामू लाल	कुनेड	221	50.52 वर्गगज	आवासीय
22	सतीश यादव पुत्र श्री महावीर	कुनेड	221	109.78 वर्गगज	आवासीय
23	सतीश यादव पुत्र श्री महावीर	कुनेड	236	150.00 वर्गगज	आवासीय
24	महावीर शर्मा पुत्र श्री ब्रजमोहन	पावटा	480	134.75 वर्गगज	आवासीय
25	मंजू देवी पत्नी श्री अरूण	पावटा	480	101.81 वर्गगज	आवासीय
26	प्रतिमाराज पुत्र श्री राजकुमार	पावटा	480	150 वर्गगज	आवासीय
27	भगवती शर्मा पत्नी श्री गोविन्द शर्मा	पावटा	480	121.00 वर्गगज	आवासीय
28	कविता देवी पत्नी श्री संजय शर्मा	पावटा	573	100 वर्गगज	आवासीय
29	नाहर सिंग पुत्रम श्री साधुराम यादव	प्रागपुरा	854	152.42 वर्गगज	आवासीय
30	कमल देवी पत्नी श्री सरदारमल यादव	प्रागपुरा	854	273.05 वर्गगज	आवासीय
31	साधुराम, सरदारमल पुत्र श्री सोणा राम	प्रागपुरा	854	209.01 वर्गगज	आवासीय
32	राजेन्द्र मेहरा पुत्र श्री रामचंद मेहरा	प्रागपुरा	1249	191.76 वर्गगज	आवासीय
33	मुकेश कुमार पुत्र श्री मोती राम यादव	पावटा	570	170.50 वर्गगज	आवासीय
34	लाली देवी पत्नी श्री मातदीन	पावटा	573	200 वर्गगज	आवासीय
35	साधुराम, सरदारमल पुत्र श्री सोणा राम	प्रागपुरा	854	265.89 वर्गगज	आवासीय
36	महावीर शर्मा पुत्र श्री जमूरा राम	प्रागपुरा	1592	44.44 वर्गगज	आवासीय
37	सरती देवी पत्नी श्री बालू राम जाट	पावटा	3099/3098	242.24 वर्गगज	आवासीय
38	बालू राम पुत्र श्री नारायण राठी	पावटा	3099/3098	266.24 वर्गगज	आवासीय
39	सत्यनारायण शर्मा पुत्र श्री रामजीलाल शर्मा	प्रागपुरा	909	76.89 वर्गगज	आवासीय
40	रामकुवार स्वामी पुत्र श्री भंवराराम स्वामी	पावटा	785/2716	34.44 वर्गगज	आवासीय
41	रामजीलाल स्वामी पुत्र श्री कानादास	पावटा	785/2716	98.89 वर्गगज	आवासीय
42	सत्यानारायण गौड पुत्र श्री ओमप्रकाश गौड	पावटा	1784	160.69 वर्गगज	आवासीय
43	वीरेन्द्र सिंह, दिलीप सिंह पुत्र श्री बजरंग	पावटा	1893	270.95 वर्गगज	मिश्रीत
44	महेंद्र सिंह पुत्र श्री रामचन्द्र यादव	कुनेड	221	354.72 वर्गगज	मिश्रीत
45	आशा देवी पत्नी श्री देवकी नन्द	ललाना	316	596.55 वर्गगज	आवासीय
46	बनवारी लाल पुत्र श्री हनुमान सहाय	पावटा	1779	11 वर्गगज	मिश्रीत
47	मनोज अग्रवाल पुत्र दौलत राम	पावटा	1779	30.22 वर्गगज	मिश्रीत
48	सचिन कुम्हार पुत्र श्री हीराराम कुमावत	पावटा	2013	149.15 वर्गगज	आवासीय
49	हनुमान सहाय पुत्र श्री श्योजी राम	पावटा	1170	38.84 वर्गगज	मिश्रीत
50	सुनील, लोकेश पुत्र श्री रामावतार शर्मा	पावटा	1233/1	200 वर्गगज	आवासीय
51	राधेश्याम कश्यप, धर्मेन्द्र पुत्र श्री प्रभुदयाल	पावटा	1779	154.13 वर्गगज	आवासीय
52	मुनिका पत्नी श्री राकेश यादव राकेश पुत्र श्री राजवीर सिंह	पावटा	1972	113.32 वर्गगज	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा

'यातायात नियमों की पालना करें'

निवाई, (निसं)। लायन्स क्लब निवाई एवं क्राइम इन्वेस्टिगेशन बोर्ड निवाई के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को सडक सुरक्षा जागरुकता अभियान को लेकर स्थानीय अहिंसा सर्किल एवं बस स्टेण्ड पर दुपहिया वाहन चालकों सहित रोडवेज की बस चालकों, जीप चालकों एवं राहगीरों को यातायात सुरक्षा पंपलेट वितरित कर यातायात नियमों की जानकारी दी।

लायंस क्लब के अध्यक्ष ज्ञानचंद सोगानी ने कहा कि यातायात नियमों की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि छोटी सी लापरवाही से कई हादसे हो जाते हैं। थानाधकारी छोटेलाल मीणा ने कहा कि यातायात नियमों की पालना नहीं करने से कई लोगों की जाने जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि दुर्घटना व आपातकालीन स्थिति में घायल व्यक्ति की सहायता करने व घायल को अस्पताल पहुंचाने पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेशानुसार किसी भी प्रकार की पूछताछ नहीं की जायेगी। इस दौरान लोगों को सडक सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलवाई।

विधायक को ज्ञापन सौंप आंदोलन की चेतावनी दी

बहरोड़/ नीमराना, (निसं)। बहरोड़ विधायक बलजीत यादव को मुख्यमंत्री एवं पंचायती राजमंत्री राजस्थान सरकार के नाम पंचायत समिति सदस्य संघ नीमराना के संरक्षक महंत अनिल पुरोहित एवं सतीश मुद्गल पूर्व सरपंच नीमराना तथा ब्लॉक अध्यक्ष प्रेम अजीत व कोषाध्यक्ष कौशल्या यादव के नेतृत्व में विकास कार्यों में पंचायत समिति सदस्यों की भागीदारी की 9 सूत्री मांग नहीं मानने पर आंदोलन की चेतावनी देकर मांग पत्र सौंपा।

पंचायत समिति संघ संरक्षक अनिल पुरोहित ने बताया कि संघ ने मांग पत्र बताया कि जनप्रतिनिधि के रूप में वार्ड में किए जाने वाले विकास कार्यों में सरपंच तथा प्रधान व जिला प्रमुख की भांति दस्तावेज सत्यापन में विभाग स्तर से प्रपत्र दिए जाने एवं क्षेत्र के विकास में केंद्र व राज्य सरकारों से अनुदान राशि तथा वार्ड में होने वाले विकास कार्य में सरपंच को प्रपत्र 5 को अनिवार्य नहीं कर पंचायत समिति

■ **पंचायत समिति सदस्य संघ ने मांगों को लेकर दिया ज्ञापन**

सदस्य के लिए भी शहरी स्वायत्त शासन विभाग तथा निकाय पार्षदों व पंचायत राज संस्थाओं के प्रधान एवं जिला प्रमुख व सरपंच की तरह से ही मानदेय राशि 10000 रुपए तथा सदस्य के निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों में अनुशंसा अनुमति हस्ताक्षर अनिवार्य कर पट्टा व अतिक्रमण आदि के संबंध में स्वीकृति देने का परिपत्र जारी करने के साथ ही क्षेत्र की शिलालेख पट्टिकाओं पर पंचायत समिति सदस्य का नाम लिखे जाने के साथ ही विभाग से परिपत्र जारी कर उसके क्षेत्र में पंचायत समिति से स्वीकृत विकास कार्यों में सदस्य की अनुशंसा की अनिवार्यता कर प्रशासनिक स्वीकृति वित्तीय स्वीकृति आदि का प्रगति विवरण उपलब्ध कराने के दिशा निर्देश जारी करने की मांग की।

विवाह सम्मेलन 5 फरवरी को

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के बसंत प्रभु आदर्श विद्या मंदिर के सभागार में सोमवार को श्रीराम जानकी चतुर्थ सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर सेवा भारती समिति की बैठक विवाह आयोजन समिति के उपाध्यक्ष शंभूदयाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें आगामी 5 फरवरी को आयोजित किए जा रहे श्रीराम जानकी चतुर्थ सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा की गई। साथ ही कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियों का वितरण किया गया।

इस मौके पर सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। बैठक में संयोजक किशन शरण बंसल, प्रांत सहमंत्री महेश गोयल, महेशचंद सैनी, मुरलीराम गुर्जर, रमेश बंसल किताबवाला, सुरेन्द्र पालीवाल, टेकचंद टेलर, लालचंद लोधीका, सुरेश मीणा, संतोष भार्गव, बीना सोनी, अनीता मिश्रा, भूपेंद्र सोनी, सुरेश सैनी, सुरेंद्र बालस्या, रामकिशोर सैनी समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नगर पालिका का फिर चला पीला पंजा

खाटूश्यामजी, (निसं)। कस्बे में इस बार सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही मंडा से लेकर लामिया ग्राम को निकलने वाली मुख्य सड़क पर बिहारी दास जी मन्दिर से शनि मन्दिर के आगे पानी की टंकी तक आ रहे अतिक्रमण को जेसीबी लगाकर तोड़ा गया।

गौरतलब है कि 10 जनवरी को मेला मजिस्ट्रेट कार्यालय में हुई बैठक के बाद सड़क किनारे आ रहे कच्चे,पक्के चबूतरे व नालियों के पास कर रखा अस्थाई अतिक्रमण को नगरपालिका के स्वास्थ्य निरीक्षक वीरेंद्र सिंह चंदेलिया के नेतृत्व में कार्यवाहक कनिष्ठ अभियंता लोकेश निठारवाल व शुभम सैनी के नेतृत्व थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव के देखरेख में तैनात कर अतिक्रमण को उठाया गया। गौरतलब है कि खाटूश्यामजी कस्बे में करीब 2 माह से प्रशासन का पीला चलने का सिलसिला लगातार जारी है कभी 5 दिन से तो कभी 10 दिन से प्रशासन के आदेश के बाद नगर पालिका प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाया जा रहा है। सुगम दर्शन व्यवस्था के लिए मार्ग की व्यवस्था की जा रही है उसी के साथ राज्य सरकार से अनुमोदित सड़क का निर्माण सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा करवाया जा रहा है। जिसके तहत कस्बे में आ रहे अतिक्रमण को लेकर विभाग की सहायक अभियंता अलका मिल ने नगर पालिका को पत्र जारी कर कस्बे में से अतिक्रमण हटाने की कहा गया था।

उपखंड अधिकारी प्रतिभा वर्मा, नगर पालिका प्रशासन व सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा मौका देखने के बाद एक बार सड़क किनारे बने कच्चे व पक्के चबूतरे, अस्थाई अतिक्रमण की हटाने की आदेश दिए थे।

मंडा से लेकर लामिया ग्राम को निकलने वाली मुख्य सड़क पर आ रहे अतिक्रमण को जेसीबी से तोड़ा गया।

विकास कार्यों के संबंध में बैठक

अलवर, (निसं) । जिला कलक्टर एवं नगर विकास न्यास अलवर के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में नगर विकास न्यास अलवर की बैठक आयोजित हुई।

जिला कलक्टर एवं न्यास अध्यक्ष ने शहर के समुचित याजनाबद्ध विकास के लिए न्यास के योजना क्षेत्रा में कुल 1431.91 लाख रूपये राशि की तथा न्यास के गैर योजना क्षेत्रा में 1241.53 लाख रूपये राशि के विभिन्न निर्माण कार्यों की स्वीकृति जारी की। उन्होंने अलवर शहर में 60 फीट रोड से 200 फीट बाईपास को जोडने वाले मुख्य सडक की सीसी निर्माण कार्य, धोबी घट्टा से जेल चौराहे, आर्ट्स कॉलेज होते हुए 200 फीट बाईपास तक सडक चौडाइकरण, डिवाइडर निर्माण तथा विद्युत केबलों को भूमिगत करने, अम्बेडकर नगर योजना में न्यास का नवीन कार्यालय भवन का डिजाइन तैयार करने हेतु ईओआई जारी करने, शालीमार आवासीय योजना से विजय मंदिर व बुद्ध विहार 33 केवी लाइन शिफ्टिंग के कार्य, न्यास क्षेत्र में रोड लाइट रिपेयर करने हेतु वाहन क्रय करने आदि कार्यों की स्वीकृति प्रदान की।

संक्षिप्त

कृषि कार्य के दौरान महिला की मौत

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के तिलांजू गांव में कृषि कार्य के दौरान एक महिला कृषक की मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि महिला कृषक सुनिता पत्नी अम्बालाल बैरवा अपने खेत पर गैहू की फसल की सिंचाई कर रही थी इसी दौरान अचानक अचेत हो जमीन पर गिर पड़ी। पास ही कृषि कार्य कर रहे परिजनों ने महिला को मालपुरा अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां महिला को मृत घोषित किया।

33 विद्यार्थियों को जर्सियां दी

निवाई, (निसं)। गांव हरभांवता के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 1 से 5 तक पढ़ने वाले 33 विद्यार्थियों को भामाशाह अध्यापक कैलाश नारायण जाट ने जर्सियां वितरित की। इस अवसर प्रधानाचार्य कृष्णकुमार मीणा, शिवराज गुर्जर, सुरेश कुमार, रामलाल गुर्जर, शिवजीराम,सत्यनारायण कुर्मी व मधु चौधरी सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली देने की मांग

दौलतपुरा जीएसएस पर मांगों को लेकर ग्रामीणों व किसानों ने प्रदर्शन किया।

लालसोट, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के दौलतपुरा ग्राम स्थित बिजली पावर हाउस जीएसएस पर किसानों ने बिजली आपूर्ति आदि समस्याओं को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

विरोध प्रदर्शन करने वाले किसानों ने बताया कि रात में दस बजे बाद बिजली देने के कारण किसानों को इस हाड़ कपाने ठंड के चलते कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों एवं ग्रामीणों ने विद्युत विभाग

■ जीएसएस की सारी विद्युत आपूर्ति को किया ठप

के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए दिन में ही बिजली आपूर्ति करने की मांग की गई। ग्रामीणों एवं किसानों ने बताया कि हाल ही में एक किसान की रात्रि में कार्य करते समय मौत हुई है। अगर किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली नहीं दी गई तो इस शीतलहर की चपेट में आकर आगे भी किसानों को बड़ा नुकसान होने की संभावना है।

ग्रामीण एवं किसानों द्वारा जमकर आक्रोश व्यक्त करते हुए जीएसएस से गुजरने वाली सारी विद्युत लाइनें बंद कर दी एवं जब तक दिन में लाइट नहीं देंगे तब तक धरना जारी रहने की चेतावनी दी गई। धरना प्रदर्शन की जानकारी मिलने के बाद विद्युत विभाग के सहायक अभियंता मौके पर पहुंचे एवं आक्रोशित आंदोलन कर रहे किसानों से समझाइस वार्ता की गई एवं लोड शैडिंग के अलावा दिन में विद्युत आपूर्ति के आश्वासन के बाद ग्रामीण किसानों द्वारा धरना प्रदर्शन को समाप्त किया गया। इस दौरान एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष सीता राम मीणा, पंचायत समिति सदस्या पति हरलाल चंदवाडा, किशन गोठवाल, प्रहलाद स्वामी, प्रह्लाद गोरली, किसान नेता गोपाल जांगिड सहित कई ग्रामीण किसान मौजूद रहे।

मंत्रायिलक कर्मचारी संघ ने ज्ञापन सौंपा

निवाई, (निसं)। राजस्थान राज्य मंत्रायिलक कर्मचारी संघ ने अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर जिलाध्यक्ष राजाराम धाकड व ब्लाक अध्यक्ष रमेशकुमार सैनी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया कि प्रदेश के राजस्व मंत्रायिलक कर्मचारी 17 व 18 जनवरी को राजस्व मंडल उप निवेशन विभाग, भू-प्रबंधक विभाग, संभागीय आयुक्त, राजस्व अपील प्राधिकरण कार्यालय एवं जिला कलेक्टर अधिनस्थ उपखण्ड व तहसील कार्यालय में कार्यरत मंत्रायिक कर्मचारी काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करेगें। उन्होंने बताया कि 19 व 20 जनवरी को संघ के आह्वान पर लंच समय पश्चात दो घण्टे कार्य बहिष्कार पेन डाउन रखा जाएगा। 31 जनवरी को सुबह 11 बजे शहीद स्मारक जयपुर पर कर्मचारी मांग पत्र को लेकर रैली व प्रदर्शन करेगें। इस अवसर पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के.के. यादव, रामकिशन वर्मा, जितेन्द्र कुमार माथुर, चित्रांश माथुर, नरेश मीणा, सुरेश गुप्ता,अजय, माधव, दिलखुश मीणा, दिनेश गौतम, मनोज कुमावत, कमल कुमार राव सहित अन्य कार्मिक उपस्थित थे।

सार-समाचार

111 विद्यार्थियों को जर्सियां वितरित की

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे के मानसरोवर जोहड़ पर स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बास बैरिसाल में सोमवार को भामाशाह विनोद शर्मा, महामंडलेश्वर जनार्दनदास महाराज द्वारा कक्षा 1 से 8 तक के 111 निर्धन विद्यार्थियों को जर्सी वितरण की गई। जर्सी पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर भामाशाह व मौजूद अतिथियों का शाला परिवार की ओर स्वागत कर आभार व्यक्त किया। इस मौके पर रघुनंदन शर्मा, महेंद्र शर्मा, विवेक शर्मा, अर्जुन लाल यादव, अमित शर्मा, राजेश सिंघल, अरोड़ा, प्रधानाध्यापक रिंकूराज बरनाला, राजकुमार मीणा, पिंकी बाई, प्रमिला देवी, राकेश कुमार आदि गणमान्य लोग व अध्यापकगण मौजूद थे।

पाला पड़ने से फसल खराबे की आशंका

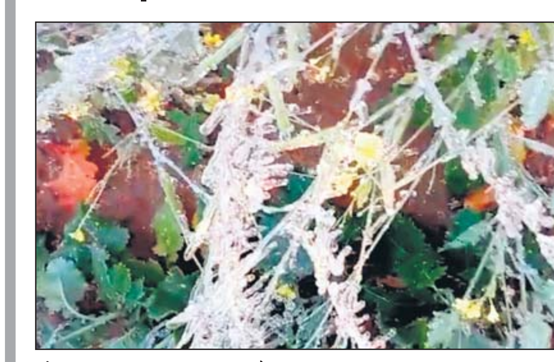

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के गांवों में शीतलहर व पाला पड़ने से सरसों, जौ, गेहूं के साथ साथ सब्जियां भी नष्ट होने के कगार पर हैं। अगर ऐसे ही सर्दी बढ़ती रही तो आने वाले दिनों में फसलें और सब्जियां चौपट हो जायेगी। वहीं चौमू उपखण्ड में लगातार तेज शरद हवायें चलने से ठंड बहुत बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार कालाडेरा, कानरपुरा, आलीसर, आष्टी कला, नांगल गोविंद, सिरसा, मंडा-भिण्डा, विमलपुरा, डोलाका बास, सान्दरसर, नांगल-गोविन्द सहित उपखण्ड के आस-पास के कई ग्रामों में फसलों का नुकसान होने की संभावना बनी हुई है। किसानों का कहना है कि अबकी बार अच्छी पैदावार होने की संभावना थी, लेकिन इस सर्दी व पाले से अब फसलों के नुकसान होने की संभावना है। वहीं आलीसर के एक किसान के खेत में सरसों की फसल पर बर्फ जम गई ।

पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के श्रीराम नगर स्थित श्री दादू आश्रम पर दादूदयाल महाराज के पौषबड़ा प्रसादी का आयोजन महन्त रामप्रकाश महाराज अधिपति दादू आश्रम फुलेरा के सानिध्य में किया गया। दादू आश्रम के व्यवस्थापक धर्मेन्द्र दास स्वामी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पोषबडा महोत्सव का आयोजन मकर संक्रांति पर श्री दादू वाणी का अखण्ड पाठ का आयोजन के साथ ही पौषबड़ा पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रीमद् दादू वाणी प्रवचन, सत्संग, महाआरती एवं पंगत प्रसादी का आयोजन महन्त रामप्रकाश महाराज के द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री दादू मन्दिर को भव्य रूप से सजाया गया वहीं श्रद्धालु भक्तों ने श्रीमद् दादू वाणी प्रवचन सुनकर धार्मिक लाभ उठाया।

बालिकाओं के लिए शौचालय बनेगा

बोराज, (निसं)। महिंद्रा एंड महिंद्रा जयपुर एवं सर्व मंगल ग्रामीण विकास संस्थान बून्दी द्वारा आजीविका संवर्धन हेतु सतत ग्राम विकास कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय बोराज के परिसर में बालिकाओं के लिए अलग से शौचालय हेतु भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का काम शुरू किया गया । वाइस प्रिंसिपल हरिशंकर जोनवाल ने बताया कि भूमि पूजन कार्यक्रम में महिंद्रा एंड महिंद्रा से रमन सिंह, विनोद सिन्हा, दिवाकर पाठक व सर्व मंगल ग्रामीण विकास संस्थान के परियोजना अधिकारी देवेंद्र तिवारी एवं इंजीनियर वसीम अंसारी ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्था प्रधानाचार्य गीता राजावत, वाइस प्रिंसिपल हरिशंकर जोनवाल एवं समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

चौधरी का ग्रामीणों ने स्वागत किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र श्रीमाधोपुर के ग्राम पंचायत मूंडरू की ढाणी जाटवाली (जालपाली) में भाजपा जिला किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष श्याम चौधरी गणपत राम सैनी के घर पहुंचे जहां पर कई समाजों के लोगों ने श्याम चौधरी का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया । वहीं वृद्ध माताओ, बहनों व बडे बुजुर्गों ने आशीर्वाद दिया । इस मौके पर चौधरी ने कहा कि मै हर समय व सुख दुख मैं आपके साथ खडा रहूंगा व खरा उतरूंगा। इस अवसर पर बद्री प्रसाद, चेताराम सैनी मूंडरू ,महेंद्र सिंह शेखावत , नाथूराम यादव अमरसिंह वाली, सोहन रूंडला, रघुवीर जांगिड़ व बडे बुजुर्ग उपस्थित रहे। वही चौधरी ने मान सम्मान के लिए सभी ग्राम वासियों, ढाणीवासियों का आभार व्यक्त किया।

पत्नी का हत्यारा रिमाण्ड पर

फागी, (निसं)। कस्बे में शनिवार को हुए हत्याकांड के आरोपी को न्यायालय ने दो दिन के पुलिस रिमाण्ड पर सौंप दिया। जिससे पुलिस गहनता से पूछताछ कर हत्या के करणों का पता लगाने में जुटी है। फागी थानाधिकारी भंवर लाल वैश्णव ने बताया कि हत्या में प्रयुक्त लोहे के हथोडे को बरामद कर लिया है। गोरलतलब है कि कस्बे के राजकीय चिकित्सालय में कार्यरत कम्पाउण्डर परशुराम कुम्हार ने अपनी पत्नी सरोज जो कि मकर संक्रांति त्यौहार के दिन छत पर भोजन बनाने में जुटी होने के दौरान आरोपी ने उसकी निर्मम हत्या कर दी थी।

पेपर लीक के विरोध में हल्ला बोल प्रदर्शन आज

कोटपूतली, (निसं)। प्रदेश में विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक प्रकरण के विरोध में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के कार्यकर्ताओं द्वारा मंगलवार को राजधानी जयपुर में पार्टी सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के नेतृत्व में विशाल हल्ला बोल प्रदर्शन कर राज्य सरकार का घेराव किया जायेगा।

विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए कोटपूतली से हजारों की संख्या में आरएलपी कार्यकर्ता, छात्र, युवा व बेरोजगार पार्टी के प्रदेश महामंत्री व पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना के नेतृत्व में जयपुर कूच करेंगे। जहां शहीद स्मारक पर विशाल धरना व विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।

कसाना ने बताया कि शहीद स्मारक से कार्यकर्ता सिविल लाइन्स मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने के लिए कूच करेंगे। धरना-प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर आरएलपी कार्यकर्ताओं की बैठक कसाना की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें तैयारियों का जायजा लेते हुए विभिन्न जिम्मेदारियों का वितरण भी किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए कसाना ने कहा कि वसुंधरा सरकार

■ कोटपूतली से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, छात्र, बेरोजगार करेंगे जयपुर कूच

के समय से ही पेपर लीक होना शुरू हुए जो आज तक जारी है। इस तरह के प्रकरणों की जांच राज्य सरकार द्वारा किसी बड़ी एजेंसी से करवाई गई होती तो बड़ी संख्या में कांग्रेस के मंत्री, विधायक व अधिकारी सलाखों के पीछे होते। पेपर लीक प्रकरण में कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा की मिलीभगत का नतीजा है। लेकिन आरएलपी कार्यकर्ता अब सडकों पर उतरकर सरकार का घेराव करेंगे। मंगलवार को कार्यकर्ता कृष्णा टॉकिज रोड से राजधानी जयपुर के लिए कूच करेंगें। इस दौरान बनवारी स्वामी, राजेश, कृष्ण सरपंच भालोजी, रत्तिराम, सत्यवीर खाड़ा, दिनेश रावत, गाँधी जाट, प्रवीण शर्मा, डी.के. तिवाड़ी, रोहिताश, संदीप, संजीव माठ, प्रताप सिंह, बिल्लू कांकरिया समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

विजेता टीम का जुलूस निकाला

टोंक, (निसं)। करोली में आयोजित 66 वीं राज्य स्तरीय अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता में टोंक जिले की टीम के चैम्पियन बनने पर सोमवार को विजेता टीम के खिलाड़ियों का जुलूस पटेल सर्किल से सवाईमाधोपुर सर्किल जैन नसियां तक खिलाडियों को जीप के उपर बिठाकर डोल नगाडों के साथ निकाला गया। इस अवसर पर टोंक के व्यापारियों, सामाजिक संगठनों एवं खेल से जुडे संगठनों के पदाधिकारियों एवं खिलाडियों ने विजेता टीम के सदस्यों को मालाऐं पहनाकर उनका हौंसला अफजाई करते हुए अभिनन्दन किया गया। टीम के प्रशिक्षक राहिल अली एवं टीम प्रभारी इरशाद पठान व अथर उल हक ने बताया कि टोंक की टीम के प्रतियोगिता में पांच मैच प्रदेश के विभिन्न जिलों की टीमों से हुआ जिसमें टोंक की टीम अपराजित रही। वहीं पांचों मैचों में मैन-ऑफ दी मैच नायफ रशीद रहने पर मैन ऑफ दा टूर्नामेंट का खिताब भी अपने नाम किया। इस मौके पर कन्हैया लाल मीणा, रामप्रसाद मीणा, फिजीकल डिप्टी माध्यमिक शिवनारायण शर्मा, युसुफ ऐजाजी, आनन्द वर्धन बम, आतिफ नकवी, सलीमुद्दीन खान, खालिद रशीद, मुमताज रशीद, असलम रशीद एवं अरशद आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की धर्मपत्नी जसोदा बेन का टोंक पहुंचने पर स्वागत

टोंक, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धर्मपत्नी जसोदा बेन एक निजी कार्यक्रम में जाते समय टोंक पहुंचीं, जहां सोमवार को सुबह घंटाघर स्थित साहू समाज के सीतारामजी के मंदिर में महादेवजी के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया व ठाकुर जी महाराज के भी दर्शन किये।

साहू समाज के लोगों ने यशोदा बेन का टोंक पहुंचने पर स्वागत किया। साहू

■ नैनवा जाते समय सर्किट हाउस टोंक में रात्रि विश्राम किया

समाज मंदिर ट्रस्ट उपाध्यक्ष पार्षद बादल साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धर्मपत्नी जसोदा बेन नैनवा किसी कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए जाते समय रात्रि लेट होने के कारण सर्किट हाउस टोंक में रात्रि विश्राम किया और सोमवार को सुबह साहू समाज मंदिर में शिवजी की पूजा अर्चना की व ठाकुर जी के दर्शन किए, उसके बाद वे अपने कार्यक्रम के लिए रवाना हो गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धर्मपत्नी जसोदा बेन का टोंक पहुंचने पर जिला प्रमुख सरोज बंसल के नेतृत्व में स्वागत किया।

इस अवसर पर पार्षद बादल साहू के साथ साहू समाज टोंक द्वारा जसोदा बेन का माला पहनाकर स्वागत सत्कार किया। इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज नरेश बंसल, जगदीश साहू उनियारा, सूरज साहू, पवन साहू, मोनू साहू, टम्मू साहू, रवि सैनी, प्रभु बडोलिया आदि उपस्थित रहे। इसी प्रकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धर्मपत्नी जसोदा बेन का टोंक आगमन पर पूर्व सभापति एवं भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य लक्ष्मी जैन एवं युवा भाजपा नेता विनायक जैन ने भी स्वागत किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धर्मपत्नी जसोदा बेन के अल्प प्रवास पर टोंक आगनम पर सोमवार को जिला प्रमुख आवास पर सरोज बंसल,भाजपा जयपुर शहर संगठन सह प्रभारी नरेश बंसल ने उनका साल उडाकर, चांदी का नारियल बैठकर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा की जानकारी दी

पावटा, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा में 32वें सड़क सुरक्षा सप्ताह का आगाज करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्या प्रकाश व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर संजीव चौधरी के निर्देशानुसार प्रागपुरा थाना एएसआई कुंवर सिंह ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा सप्ताह की जानकारी प्रदान की।

इस दौरान एएसआई कुंवर सिंह ने कहा कि वाहन दुर्घटनाओं को कम करना है तो यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करनी होगी। विद्यालय के बच्चे बाइक चला रहे हैं और उनके पास लाइसेंस नहीं है तो उनके परिजनों को बुलाकर विद्यालय स्तर पर ही समझाइश की जाएगी ताकि जीरो मोटिलिटी की जा सके। वहीं बच्चों को जानकारी देते हुए बताया कि नशा

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया।

करके वाहन नहीं चलाना चाहिए तथा घर से बाहर निकलते ही हेलमेट का प्रयोग आवश्यक रूप से करना चाहिए अन्यथा जनहानि होने की पूर्ण संभावना रहती है। साथ ही विद्यालय के संस्था प्रधान जय सिंह यादव ने कहा की चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग आवश्यक रूप से करना चाहिए। हमेशा उचित गति में ही वाहन चलाना चाहिए।

चोरी के आरोपियों को जेल भेजा

नारायणपुर, (निसं)। थाना पुलिस नारायणपुर के अंतर्गत 4 दिसम्बर को दिनदहाड़े स्टेट हाइवे 52 पर स्थित विनोद पब्लिक स्कूल के पास सूने घर में सोने-चांदी के जेवरात चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय ने सोमवार को जेल भेजा है। आरोपी दीपक (25) पुत्र रोहिताश जाति माली निवासी न्यू कॉलोनी बिजली ग्रेड के पास थानागाजी, बंटी (25) पुत्र पप्पू राम जाति माली निवासी राजपुरा मोहल्ला नारायणपुर, विक्रम (22) पुत्र फूलचंद जाति माली निवासी पेट्रोल पंप के सामने अलवर रोड थानागाजी को पुलिस ने 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया था। रिमांड के दौरान पुलिस ने चोरी का माल आरोपियों से बरामद किया। सोमवार को रिमांड अवधि समाप्त होने पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को थानागाजी न्यायालय मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां से मजिस्ट्रेट ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया।

अवैध पार्किंग व अस्थाई अतिक्रमण से व्यापारियों में आक्रोश

खैरथल, (निसं)। पिछले काफी समय से अवैध पार्किंग व अस्थाई अतिक्रमण के कारण परेशान दुकानदारों का सोमवार को ऐसा गुस्सा फूटा कि प्रशासन के खिलाफ सड़क पर उतर नारेबाजी कर विरोध जताया।

■ प्रशासन के खिलाफ सड़क पर उतर नारेबाजी की

वरिष्ठ व्यापारी शेर सिंह सैनी ने बताया कि चूड़ी बाजार के सामने शुरू होने वाले आदर्श मार्केट में अपनी दुकानों के सामने किए गए अस्थाई अतिक्रमण को हटाये जाने व मार्केट में आने वाले वाहनों के लिए स्थाई पार्किंग मार्केट से बाहरी इलाके जैसे शनि मंदिर से आगे वाली सरकारी जमीन पर स्थाई पार्किंग व्यवस्था होना बहुत जरूरी है। जबकि सीएलजी सदस्य राज सैनी ने कहा कि इस मार्केट में उसकी कंम्पयूटर की दुकान व घर का रास्ता है अवैध पार्किंग के कारण वे बेहद परेशान हैं। प्रशासन को बार-बार अवगत कराने व सीएलजी की बैठक में ध्यानाकर्षण लाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। आदर्श मार्केट के मुहाने पर रास्ता जाम करने वाले वाहनों को न खड़ा करने के लिए पाबंद करने की मांग को लेकर आदर्श मार्केट के दर्जनों स्थानीय दुकानदारों ने नगर पालिका जाकर ईओ के नहीं होने पर जेईएन मोतीलाल वर्मा को अपनी पीड़ा बताई और प्रशासन से राहत दिलाने की मांग की है। इस मौके पर शेर सिंह सैनी, संदीप खंडेलवाल, मनोज डाटा, कमलेश खंडेलवाल, भूषण गुप्ता, इशु गुप्ता, हनुमान गुप्ता, मुकेश सैनी, दिनेश गुप्ता, किशनलाल जांगिड़, धीरज गुप्ता, युवा समाजसेवी प्रेम सैनी, जगदीश टेलर, जोनी खंडेलवाल, गिरीश खंडेलवाल, भोजराज बसरानी, उमा गुप्ता, एवं आदर्श मार्केट के समस्त व्यापारीगण उपस्थित रहे।

जो सरकार लीक हो उसमें पेपर लीक रोकने की क्षमता नहीं : चौधरी

मालपुरा, (निसं)। सोमवार को मालपुरा टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र के भाजपा युवा मोर्चा मंडल का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया।

क्षेत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने हजारों कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए प्रदेश में गहलोत सरकार के चार साल को जंगलराज करार देते हुए कहा कि जो सरकार लीक हो उसमें पेपर लीक रोकने की क्षमता नहीं है। इसी का परिणाम बार-बार युवाओं को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चार साल में प्रदेश में अराजकता फैलने, महिला हत्याचार बढ़ने, पेपर माफियाओं व शराब माफियाओं सहित भूमाफियाओं का आंतक बढ़ा है। आज प्रदेश की महिलाएं व बहिन-बेटियों अपनी सुरक्षा को लेकर सरकार की लापरवाही का दंश झेल रही हैं। कानून व्यवस्था पूर्ण रूप से पटरी से उतर चुकी है।

गहलोत सरकार के मंत्री ही नहीं

भाजयुमो कार्यकर्ता सम्मेलन में विधायक कन्हैयालाल व जिलाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा का कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहना कर स्वागत किया।

अपितु अधिकारियों के भी आये दिन बिगड़े बोल के किस्से सामने आ रहे हैं। आज भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश के विकास के बजाय स्वयं की कुर्सी बचाने में व्यस्त है। ऐसी निकम्मी व नकारा कांग्रेस सरकार को उखाड़ फैंकने के लिए विधायक ने युवाओं से आव्हान किया। जिस पर मौजूद हजारों युवाओं ने एक स्वर में जय-जय राजस्थान के जयघौष लगाये। इस दौरान रामचन्द्र गुर्जर, संतकुमार जैन, भाजयुमो

■ भाजयुमो कार्यकर्ता सम्मेलन में विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने गहलोत सरकार पर साधा निशाना

जिलाध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा, मंडल अध्यक्ष हंसराज गुर्जर, युवा मोर्चा अध्यक्ष विमल धाकड, महामंत्री लक्ष्मण चौधरी, नरेन्द्र जैन आदि ने भी गहलोत सरकार पर निशाना साधा। युवाओं ने जिलाध्यक्ष व विधायक को 21 किलो फूलो का हार पहनाया।

वहीं पूर्व उपजिला प्रमुख अवधेश शर्मा अपने सैंकडों कार्यकर्ताओं के साथ नागौर के पर्बतसर में आयोजित किसान सम्मेलन में पहुंच पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को श्रीजी का दुपट्टा पहना मालपुरा विधानसभा क्षैत्र की समस्याओं से अवगत करवा मालपुरा आगमन का पायलट को निमंत्रण दिया।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए राशि स्वीकृत

पावटा, (निसं)। विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुरा धाभाई में स्थापित अस्पताल को अपना भवन नसीब होगा। विधायक इंद्राज गुर्जर की अनुसंशा पर स्वास्थ्य मंत्री प्रसादी लाल मीणा के निर्देश पर ग्राम गोविंदपुरा धाभाई में प्राथमिक केंद्र के भवन निर्माण के लिए 1 करोड 43 लाख की मंजूरी दी है। क्षेत्रवासियों ने खुशी जताते हुए स्वास्थ्य मंत्री प्रसादी लाल मीणा व विधायक इंद्राज गुर्जर का आभार जताया है। इस अवसर पर विधायक इंद्राज गुर्जर ने कहा कि गांव में लोगों को आसान तरीके से स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार जगह-जगह स्वास्थ्य संरचना खड़ी कर रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को लंबी दूरी तय कर पावटा, विराटनगर, शाहपुरा सहित कई जगहों पर इलाज हेतु जाना आना पडता था। लोगों की समस्या को देखते हुए ग्राम गोविंद पुरा धाभाई में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन निर्माण कार्य की शुरुआत की जायेगी। उन्होंने कहा कि जल्दी ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भवन बनकर तैयार हो जाएगा और फिर उसके बाद लोगों को स्वास्थ्य सुविधा मिलने लगेगी।

कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित

राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय राजकीय एलबीएस पीजी महाविद्यालय में सोमवार को वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिकताओं का प्राचार्य डॉ.उर्मिल महलावत ने शुभारम्भ किया।

खेल अधिकारी प्रो.मालीराम मीणा ने बताया कि 100 मीटर (छात्र वर्ग) दौड़ में अजय कुमार, हेमन्त सैन व पवन सिरोहीवाल क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर छात्रा वर्ग दौड़ में पायल शेखावत, कृष्णा गुर्जर व कविता मीणा क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रही। 200 मीटर छात्र वर्ग दौड में अजय कुमार, इन्द्राज गुर्जर व पवन सिरोहीवाल क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर छात्रा वर्ग में पायल शेखावत, मनीषा मीणा, कविता मीणा ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर छात्र वर्ग में इन्द्राज गुर्जर प्रथम, धर्मवीर तंवर द्वितीय व कृष्ण यादव तृतीय स्थान पर रहे तथा 400 मीटर छात्रा वर्ग में दीक्षा प्रथम, आशा गुर्जर द्वितीय तथा पायल सैनी तृतीय स्थान पर रही। 800 मीटर छात्र वर्ग में दलीप कुमार प्रथम, सचिन कुमावत द्वितीय तथा अनुप जाट तृतीय स्थान पर रहे। 1600 मीटर छात्र वर्ग में देवेन्द्र कुमार प्रथम, अनुप जाट द्वितीय एवं सीताराम मामोडिया तृतीय स्थान पर रहे। गोला फेंक (छात्रा वर्ग) में मनीषा मीणा प्रथम, संजू कसाना द्वितीय तथा दीक्षा तृतीय स्थान पर रही। इस दौरान वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ.आर.पी.गुर्जर, डॉ. मधु नागर, डॉ.आर.के.सिंह, प्रो. अनुभा गुप्ता, प्रो.सुरेश कुमार यादव, प्रो.एच.आर.धनेटिया, डॉ.बाबूलाल मीणा व प्रो.सज्जन सिंह यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मैं टी20 की आलोचना नहीं कर रहा लेकिन यह मेरा खेल नहीं है। हां, यह यहां है और यहां रहेगा। यह रोमांचक है और इसमें मजा भी है। जब आप किसी खेल में जाते हैं, तो आप आनंद लेना चाहते हैं। हां, यह देखना अच्छा है लेकिन यह ऐसा मुकाबला नहीं है जिसे मैं नियमित रूप से देखता हूं।'' -गॉर्डन ग्रीनिज

वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर, टी-20 क्रिकेट को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी कैरोलिनी मारिन

करियर को खतरे में डालने वाली दो बार घुटने की चोट किसी भी खिलाड़ी का हौसला तोड़ सकती है लेकिन ओलंपिक चैम्पियन कैरोलिना मारिन ने 'दर्द को स्वीकार' किया और हार मानने के बजाय संघर्ष करने का फैसला किया। ओलंपिक, विश्व और यूरोपीय चैंपियन मारिन को जनवरी में 2019 इंडोनेशियाई मास्टर्स फाइनल के दौरान अपने दाहिने घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) की चोट का सामना करना पड़ा था। उन्होंने 2020 में वापसी की और तोक्यो खेलों की तैयारी कर रही थी जब उन्हें एक और एसीएल का सामना करना पड़ा।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

फ्रांस ने रोमांचक मुकाबले में द. अफ्रीका को हराया

भुवनेश्वर, 16 जनवरी। फ्रांस ने सोमवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक पूल-ए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 2-1 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रखीं।

कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में विक्टर शारलेट ने सातवें मिनट में फ्रांस का पहला गोल किया, जबकि कॉनर ब्यूचैंप ने 15वें मिनट में दक्षिण अफ्रीका के लिये गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। दूसरे और तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई, लेकिन विक्टर ने आखिरकार 56वें मिनट में अपना और टीम का दूसरा गोल जमाकर फ्रांस को जीत दिलाई। फ्रांस दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ पूल-ए में तीसरे स्थान पर आ गया, जबकि दक्षिण अफ्रीका दोनों मुकाबले हारने के कारण चौथे पायदान पर पहुंच गया है।

अपने पिछले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से 0-8 से हारने वाली फ्रांस को क्वार्टरफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिये यहां हर हाल में जीत की जरूरत थी। वह छठे मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नरों पर गोल करने से चूके लेकिन सातवें मिनट में विक्टर ने पेनल्टी पर गोल दागकर फ्रांस को 1-0 की बढ़त दिला दी। फ्रांस की मुश्किलें तब बढ़ीं जब दक्षिण अफ्रीका ने पहला क्वार्टर समाप्त होने से ठीक पहले रेफरल पर पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया और कॉनर ने उसे गोल में तब्दील कर दिया।

दूसरे और तीसरे क्वार्टर में फ्रांस ने चार पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किये, जबकि दक्षिण अफ्रीका ने एक पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। दोनों ही टीमें हालांकि इन पर गोल नहीं कर सकीं। इस रोमांचक मुकाबले का निर्णायक पल मैच खत्म होने से चार मिनट पहले आया, जब फ्रांस ने दक्षिण अफ्रीका के अर्द्ध में प्रवेश करके पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया। विक्टर ने इस मौके का पूरा-पूरा फायदा उठाते हुए गेंद को नेट में दाग दिया और फ्रांस को आखिरी मिनटों में बहुमूल्य बढ़त दिला दी। दक्षिण अफ्रीका ने इसके बाद गोलकीपर को हटाकर एक अतिरिक्त खिलाड़ी को फॉरवर्ड पंक्ति में उतारा, हालांकि वह इस कोशिश को परिणाम में नहीं बदल सके और फ्रांस ने मुकाबला 2-1 से जीत लिया।

नीदरलैंड ने न्यूज़ीलैंड को 4-0 से रौंदा

राउरकेला, 16 जनवरी। नीदरलैंड ने कप्तान थिएरी ब्रिंकमैन की अगुवाई में फॉरवर्ड पंक्ति के शानदार प्रदर्शन की बदौलत सोमवार को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के ग्रुप-सी मुकाबले में न्यूजीलैंड को 4-0 से रौंद दिया। बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पर खेले गये एकतरफा मुकाबले में ब्रिंकमैन (दूसरा, 12वां मिनट) ने विजेता टीम के लिये दो गोल किये, जबकि बिजेन कोएन (19वां) और होडमेकर्स जेप (54वां मिनट) ने एक-एक गोल दागा।

अपने पहले मुकाबले में चिली को 3-1 से हराने वाली न्यूजीलैंड के पास तीन बार की विजेता नीदरलैंड के हमलों का कोई जवाब नहीं था। डच टीम के कप्तान ने दूसरे ही मिनट में फील्ड गोल करके टीम का आक्रामक रवैया साफ कर दिया। न्यूजीलैंड चौथे मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर का फायदा नहीं उठा सका, जबकि उनके कोच ग्रेग निकोल ने फॉरवर्ड पंक्ति में एक और खिलाड़ी बढ़ाने के इरादे से कुछ देर के लिये गोलकीपर को पिच से हटा लिया। ब्रिंकमैन ने इसका फायदा उठाया और 12वें मिनट में गोल दागकर नीदरलैंड की बढ़त दोगुनी कर दी।

दूसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में कोएन ने नीदरलैंड का तीसरा गोल किया, हालांकि इस क्वार्टर में न्यूजीलैंड ने अपने गोलकीपर को वापस बुला लिया और मजबूत विपक्ष को कुछ देर के लिये शांत रखा। तीसरे क्वार्टर में कोई गोल न होने के बाद जेप ने चौथे क्वार्टर में स्कोर किया। जस्टिन ब्लोक के पास आखिरी क्षणों में पांचवां गोल करने का मौका था, हालांकि उनका प्रयास गोल के पास से निकल गया और स्कोर 4-0 ही रहा। नीदरलैंड ने दो मैचों में दो विजय हासिल कर पूल-सी में पहला स्थान हासिल कर लिया है, जबकि दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया ओपन : जैक के जोश पर नडाल का अनुभव पड़ा भारी

मेलबर्न, 16 जनवरी। आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब को बरकरार रखने के लक्ष्य के साथ कोर्ट में उतरे स्पेन के स्टार खिलाड़ी राफेल नडाल ने सोमवार को इंग्लैंड के युवा होनहार जैक ड्रिपर को पहली लड़ाई में रोमांचक शिकस्त दी।

शीर्ष वरीय नडाल ने तीन घंटे से अधिक समय तक चले अपने पहले मुकाबले में ड्रिपर को 7-5, 2-6, 6-4, 6-1 से हराया। नडाल ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पुरूष एकल का खिताब 13 सालों के लंबे अंतराल के बाद हासिल किया था। उन्होंने यह खिताब उम्र में अपने से दस साल छोटे रूस के दानिल मेदवेदेव को हरा कर हासिल किया था। आज के मुकाबले में हालांकि नडाल को युवा जोश से लबरेज ड्रिपर ने तगड़ी चुनौती पेश की। पहले सेट में स्पेन के दिग्गज को कठिन चुनौती पेश करने के बाद ड्रिपर ने दूसरा सेट 2-6 से अपने नाम कर लिया।

हालांकि बाद के दो सेटों में नडाल ने इंग्लिश खिलाड़ी को अपने अनुभव से परिचित कराते हुए मुकाबला अपने नाम किया। नडाल को उनके पिछले सात में से छह मुकाबलों में हार मिली थी, जिसके बाद 36 वर्षीय खिलाड़ी आलोचकों के निशाने पर आ गये थे। अब तक 22 ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी नडाल ने इस जीत के साथ आस्ट्रेलियाई ओपन में न सिर्फ दमदार उपस्थिति दर्ज कराई बल्कि अपने आलोचकों को भी तगड़ा जवाब दिया।

पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण हार्दिक वेल्स के खिलाफ मुकाबले से लगभग बाहर

भुवनेश्वर, 16 जनवरी। भारत के अटैकिंग मिडफील्डर हार्दिक सिंह पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण वेल्स के खिलाफ एफआईएच हॉकी विश्व कप के टीम के आखिरी ग्रुप मैच से बाहर हो गए हैं। टीम के लिए टूर्नामेंट में सबसे प्रभावशाली प्रदर्शन करने वालों में से एक 24 वर्षीय हार्दिक ने स्पेन के खिलाफ भारत की 2-0 की जीत में एक गोल किया और फिर रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ गोल रहित ड्रॉ के दौरान कई मौके बनाए। राउरकेला में इंग्लैंड के खिलाफ मैच के दौरान हार्दिक को चोट लगी थी। मेजबान टीम गुरुवार को यहां वेल्स से खेलेगी। हालांकि उनकी स्थिति पर आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है। टीम के एक करीबी सूत्र ने कहा कि वैकल्पिक खिलाड़ी पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है और यह संभावना नहीं है कि टीम भविष्य में ऐसी मांग करेगी। हार्दिक का एमआरआई और अन्य स्कैन किए गए तथा यह भी पता चला है कि टीम प्रबंधन उसे वेल्स के विरुद्ध खिलाने के खिलाफ है क्योंकि ऐसी स्थिति में चोट बढ़ने की आशंका है। रविवार को जब खेल खत्म होने में महज तीन मिनट बचे थे तब हार्दिक लंगड़ा कर मैदान से बाहर चले गए थे। मैच के बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य कोच ग्राहम रीड ने कहा था कि यह उतना गंभीर नहीं है जितना शुरू में संदेह था।

चोट का समय मुश्किल था, मगर अभ्यास नहीं छोड़ा : सिंधु

नयी दिल्ली,16 जनवरी। भारत की शीर्ष शटलर पीवी सिंधु ने सोमवार को कहा कि चोट के कारण उनका जो समय कोर्ट से दूर गुज़रा वह मुश्किल था, लेकिन उन्होंने इसके बावजूद अभ्यास करना नहीं छोड़ा। अगस्त 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में सिंधु की बाईं एड़ी फ्रैक्चर हो गयी थी। उन्होंने चोट के बावजूद फाइनल खेलते हुए स्वर्ण पदक जीता, हालांकि इसके बाद वह करीब पांच महीने तक कोर्ट से दूर रहीं। सिंधु ने इंडिया ओपन 2023 से पूर्व यूनीवार्ता से कहा, मेरी चोट एड़ी में थी, बाकी शरीर ठीक तरह काम कर रहा था, तो मैं खड़े होकर स्ट्रोक्स का अभ्यास करती थी। उसके बाद काफी समय बच रहा था तो उसे मैंने परिवार के साथ बिताया।

उन्होंने कहा, ज़ाहिर है कि कुछ दिन घर में रही थी। मुझे हेयरलाइन फ्रैक्चर हुआ था, जिसमें काफी दर्द हो रहा था। डॉक्टर ने मुझे कुछ दिन आराम करने के लिये कहा। थोड़े दिन बाद मैं खड़ी हो पा रही थी, सो मैंने खड़े होकर स्ट्रोक्स अभ्यास करना शुरू किये क्योंकि मैं पैर को ज्यादा हिला नहीं सकती थी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने इस साल के पहले टूर्नामेंट मलेशिया ओपन 2023 के जरिये कोर्ट पर वापसी की, हालांकि उन्हें पहले ही चरण में चिर-प्रतिद्वंदी स्पेन की कैरोलिना मारिन के हाथों 12-21, 21-10, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, मैं चोट के बाद इस बात से खुश थी कि मैं अपना श्रेष्ठतम खेल दिखा सकी। वह मुकाबला तीन गेम तक चला, इसलिये मैं अपने प्रदर्शन से संतुष्ट थी, क्योंकि चोट से लौटकर खेलना आसान नहीं होता।

विश्व कप मैचों में मेरा और पाठक का वैकल्पिक इस्तेमाल अच्छी रणनीति : श्रीजेश

राउरकेला, 16 जनवरी। अनुभवी पीआर श्रीजेश का मानना है कि उनके साथी भारतीय गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक का मौजूदा हॉकी विश्व कप मैचों में वैकल्पिक क्वार्टर में उनकी जगह लेना कोच की अच्छी रणनीति है।

मुख्य कोच ग्राहम रीड ने स्पेन और इंग्लैंड के खिलाफ अब तक खेले गए पूल डी के दो मैच में वैकल्पिक क्वार्टर में श्रीजेश और पाठक का इस्तेमाल किया। श्रीजेश ने पहले और तीसरे क्वार्टर में भारतीय गोल संभाला जबकि पाठक ने मैच के दूसरे और चौथे क्वार्टर में ऐसा ही किया। श्रीजेश ने कहा, ''हम विश्व कप के अगले चरणों के लिए एक साथ तैयारी करना चाहते थे। अगर कभी भी दो गोलकीपर में से किसी एक को कुछ होता है तो दूसरे को तैयार रहना होगा इसलिए यह एक अच्छी रणनीति है।''

इस अनुभवी गोलकीपर ने कहा, ''हम क्वार्टर में अदला-बदली कर रहे हैं। उन्हें अनुभव मिल रहा है जबकि मेरे पास पर्याप्त अनुभव है। यह भविष्य के लिए अच्छी बात है।'' भारत और इंग्लैंड दोनों ने मौके बनाए लेकिन गोल नहीं कर सके। इंग्लैंड को आठ पेनल्टी कॉर्नर मिले और एक को भी गोल में नहीं बदला जा सका। भारत भी चार पेनल्टी कॉर्नर में से किसी पर भी गोल नहीं कर सका।

श्रीजेश ने कहा, ''कहीं न कहीं, हमें इस पर गौर करने की जरूरत है कि हम क्या कर सकते हैं, हम पेनल्टी कॉर्नर या अन्य गोल स्कोरिंग अवसरों में क्या बदलाव कर सकते हैं। हमें इंग्लैंड के मैच से सीखना चाहिए और अगले मैच के लिए तैयार रहना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''वेल्स एक बहुत अच्छी टीम है, उन्होंने स्पेन को अच्छी टक्कर दी। हम उनके खेल का विश्लेषण करेंगे और उसी के अनुसार योजना बनाएंगे।''

ऑस्ट्रेलिया ने अर्जेंटीना से ड्रॉ खेला

भुवनेश्वर,16 जनवरी। तीन बार की विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के पूल-ए मुकाबले में अर्जेंटीना के साथ 3-3 से ड्रॉ खेला। कलिंगा स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले में थॉमस डोनेल (18वां), मैको कसेलो (32वां) और मार्टिन फरेरो (48वां) ने अर्जेंटीना के लिये गोल किया, जबकि जेरेमी हेवर्ड (नौंवा), डेनियल बील (29वां) और ब्लेक गोवर्स (57वां) ने ऑस्ट्रेलिया के गोल दागे। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में फरेरो के गोल से अर्जेंटीना ने सभी को हैरान करते हुए ऑस्ट्रेलिया पर बढ़त बना ली थी, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने हार नहीं मानी और अंततः गोवर्स के गोल से मुकाबला ड्रॉ पर खत्म करवाने में सफल रही। विश्व कप की सबसे सफल टीम ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका की सबसे सफल टीम अर्जेंटीना के बीच इस मुकाबले में शुरू से ही कांटे की टक्कर देखने को मिली। अर्जेंटीना को पांचवें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसका वह फायदा नहीं उठा सका, जबकि जेरेमी ने नौवें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर को ऑस्ट्रेलिया के लिये गोल में तब्दील किया। दूसरे क्वार्टर के शुरू होते ही अर्जेंटीना ने एक और पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, जिसपर थॉमस गोल करने में सफल रहे और स्कोर 1-1 से बराबर हो गया। फरेरो मार्टिन को 27वें मिनट में ग्रीन कार्ड देखकर दो मिनट के लिये पिच से बाहर जाना पड़ा और ऑस्ट्रेलिया ने इसका फायदा उठाते हुए हाफ टाइम से ठीक एक मिनट पहले गोल कर दिया। अर्जेंटीना ने ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को ज्यादा देर तक टिकने नहीं दिया और ब्रेक के बाद दूसरे मिनट में ही मैको ने फील्ड गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-एक पेनल्टी कॉर्नर व्यर्थ किया, जबकि ऑस्ट्रेलिया आखिरी क्वार्टर में मिले दोनों पेनल्टी कॉर्नरों का लाभ भी नहीं ले सका। फरेरो ने आखिरकार 48वें मिनट में ऑस्ट्रेलियाई अर्द्ध तक दौड़ लगाते हुए गेंद को नेट में दाग दिया। तीन बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया 2-3 से पिछड़ चुकी थी और हार की कगार पर थी, लेकिन चैंपियन टीम ने आखिरी सीटी बजने तक हार न मानने वाला जज़्बा दिखाया। ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम मिनटों में गोलकीपर को हटाकर फॉरवर्ड पंक्ति में एक अतिरिक्त खिलाड़ी को तैनात किया। उन्हें इसका फल भी मिला और गोवर्स ने मैच खत्म होने से सिर्फ तीन मिनट पहले फ्री हिट अर्जित करके गेंद को गोली की तरह नेट के ऊपरी हिस्से में दे मारा। ऑस्ट्रेलिया ने अंततः 3-3 का ड्रॉ खेलकर अर्जेंटीना से अंक बांटे। पूल-ए की तालिका में क्रमशः पहले और दूसरे पायदान पर विराजमान ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना के पास चार-चार अंक हैं और दोनों ही सीधे क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की दावेदार हैं।

पंत ने दुर्घटना के बाद पहली बार किया ट्वीट

मुंबई, 16 जनवरी। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचने के बाद पहली बार ट्वीट करते हुए सोमवार को कहा कि उनके घुटने की सर्जरी सफल रही है और अब वह ठीक हो रहे हैं। पंत ने ट्वीट किया, मैं सभी के समर्थन और शुभकामनाओं के लिये विनम्र और आभारी हूं। मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मेरी सर्जरी सफल रही। ठीक होना शुरू हो गया हूं और मैं आगे की चुनौतियों के लिए तैयार हूं। पंत ने इस अवसर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), सचिव जय शाह और प्रशासन की मदद के लिये उनका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपने चाहने वालों को संबोधित करते हुए कहा, अपने दिल की गहराई से, मैं अपने सभी प्रशंसकों, टीम के साथियों, डॉक्टरों और फिजियो को भी उनके शब्दों और प्रोत्साहन के लिये धन्यवाद देना चाहता हूं। आप सभी को मैदान पर देखने के लिए उत्सुक हूं। गौरतलब है कि पंत 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली से रुड़की अपने घर जाते हुए सड़क दुर्घटना का शिकार हो गये थे। इस दुर्घटना में उनकी जान बच गयी, हालांकि उनके घुटने की तीनों लिगामेंट (मांस को हड्डी से जोड़ने वाली मांसपेशी) फट गयी थीं। दुर्घटना के बाद उन्हें कुछ दिनों के लिये देहरादून के मैक्स अस्पताल में रखा गया, जिसके बाद बीसीसीआई उन्हें एयरलिफ्ट करके मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ले आयी। यहां डॉ दिनशॉ पारदीवाला की निगरानी में उनके घुटने की सर्जरी हुई और अब वह ठीक होने के रास्ते पर हैं।

मलेशिया ने वापसी कर चिली को पस्त किया

राउरकेला, 16 जनवरी। मलेशिया ने सोमवार को एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के रोमांचक पूल-सी मुकाबले में चिली को 3-2 से हराकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार रखीं।

बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पर खेले गये मुकाबले के पहले हाफ में राज़ी रहीम (26वां मिनट) ने मलेशिया के लिए एकलौता गोल किया, जबकि जुआन अमोरोसो (20वां मिनट) और मार्टिन रॉड्रिगेज़ (29वां मिनट) ने गोल जमाकर चिली को 2-1 की बढ़त दिला दी थी। मलेशिया ने दूसरे हाफ में शानदार वापसी करते हुए अशरफ हमसानी (41वां) और नूरस्याफिक सुमंत्री (42वां मिनट) के गोलों की बदौलत मुकाबला 3-2 से जीत लिया। मलेशिया दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ पूल-सी में तीसरे स्थान पर आ गया है और उसकी क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं। चिली अपने दोनों शुरुआती मुकाबले हारने के कारण क्वार्टरफाइनल की दौड़ से लगभग बाहर हो गया है।

टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत तलाश रही दोनों टीमों ने आक्रामक शुरुआत की, हालांकि चिली ने पहले क्वार्टर में अधिक मौके बनाये। फिरहान अशरी ने मलेशिया के लिये सबसे पहला प्रयास किया जो गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया। कुछ देर बाद मलेशिया के फॉरवर्ड खिलाड़ी ने चिली के गोलकीपर एड्रियान हेनरिकेज़ को छकाया, लेकिन उनके पीछे खड़े विसेंट गोनी ने गेंद को नेट में नहीं पहुंचने दिया। चिली को पहला क्वार्टर समाप्त होने से पूर्व एक पेनल्टी मिली जिसपर फ्रांको बेकेरा मलेशियाई रक्षण को नहीं भेद सके। अगले ही मिनट में रैमुंडो वैलेंज़ुएला के पास गोल जमाने का अवसर था मगर उनका निशाना चूक गया। वैलेंज़ुएला अपनी गलती पर सिर पकड़ बैठे और पहला क्वार्टर गोलरहित समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर के पांचवें मिनट में अमोरोसो ने गोल जमाकर चिली को आखिरकार बढ़त दिला दी। चिली को इस क्वार्टर में मैच का दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसपर अमोरोसो ने गेंद को मलेशियाई गोलकीपर की बाईं ओर से निकालकर स्कोर 1-0 कर दिया। राज़ी रहीम ने 26वें मिनट में पेनल्टी पर गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर किया, लेकिन रॉड्रिगेज़ ने तीन मिनट बाद फील्ड गोल दागकर चिली को फिर से बढ़त की स्थिति में पहुंचा दिया। मलेशिया 40वें मिनट तक कुल नौ पेनल्टी कॉर्नर बर्बाद कर चुका था। उनके पास चिली के डिफेंस को भेदने का एकमात्र तरीका फील्ड गोल था, जो उन्हें 41वें मिनट में हमसानी ने दिया। मलेशिया के अर्द्ध में खड़े हमसानी ने हवा में आती हुई गेंद को क्रिकेट की तरह 'स्कूप' कर दिया जिसे गोलकीपर एड्रियान हेनरिकेज़ नहीं रोक सके। स्कोर 2-2 से बराबर होने के बाद मलेशिया के खेल में आक्रामकता आ गयी और अगले ही मिनट में सुमंत्री ने गोल करके उन्हें बढ़त दिला दी। चिली ने मैच खत्म होने से सात मिनट पहले एक बार फिर गेंद को नेट में पहुंचाया, हालांकि मलेशिया के रेफरल के बाद उस गोल को रद्द कर दिया गया और एशिया देश ने अपनी पहली जीत हासिल कर ली।

कानराड, वाल्टर बने दक्षिण अफ्रीका के नये कोच

जोहान्सबर्ग, 16 जनवरी। दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट टीम के लिये शुकरी कानराड और सीमित ओवर क्रिकेट के लिये रॉब वाल्टर को अपना नया मुख्य कोच नामित किया है। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। दक्षिण अफ्रीका के वॉल्टर ने इससे पहले राष्ट्रीय टीम के साथ कंडीशनिंग विशेषज्ञ के रूप में काम किया है। पिछले सात साल वह न्यूजीलैंड के घरेलू क्रिकेट में कोचिंग से जुड़े रहे। कानराड भी दक्षिण अफ्रीका के घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहे हैं और हाल ही में वह अंडर-19 टीम के प्रभारी थे।

वर्ष 2023 में दक्षिण अफ्रीका को सिर्फ तीन और टेस्ट खेलने है जिसके चलते कानराड के नये कार्यकाल की शुरूआत हल्के फुल्के ढंग से होगी। दक्षिण अफ्रीका 28 फरवरी को वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला खेलेगी।

दोनों कोच एक फरवरी से अपनी भूमिका निभायेंगे। दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट निदेशक हनोक नक्वे ने कहा कि वाल्टर का नेतृत्व बहुत मजबूत है और उन्हे पता है कि दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट को कैसे आगे बढ़ाया जाये। 2027 में 50 ओवरों के क्रिकेट विश्व कप में सफलता की नींव रखना महत्वपूर्ण था, जिसकी मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे मिल कर कर रहे हैं। 2027 विश्व कप जीतना जरूरी है और हमें वहां सफल होने के लिए सिस्टम बनाने की जरूरत है। दक्षिण अफ्रीका के सभी प्रारूपों के कोच मार्क बाउचर ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गये टी20 विश्व कप में टीम की हार के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। बाउचर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे। गौरतलब है कि पूर्व आलराउंडर लांस क्लूजनर ने भी दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के मुख्य कोच की भूमिका के लिये आवेदन किया था मगर अंतिम समय में उन्होने अपनी अर्जी वापस ले ली थी।

शेफाली के तूफान के आगे यूएई पस्त, भारत 122 रन से जीता

बेनोनी 16 जनवरी। कप्तान शेफाली वर्मा (78) और श्वेता शेरावत (74 नाबाद) के बीच 111 रन की शतकीय साझीदारी के बाद किफायती गेंदबाजी की बदौलत भारत ने टी-20 अंडर-19 महिला विश्वकप में ग्रुप डी के अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को कम अनुभवी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ 122 रन के विशाल अंतर से जीत हासिल की।

विलोमूरे पार्क मैदान पर भारतीय लड़कियों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट खोकर 219 रन बनाये जिसके जवाब में यूएई की टीम 20 ओवर के खेल में पांच विकेट पर 97 रन ही बना सकी। पूर्व भारतीय खिलाड़ी वीरेन्द्र सहवाग का महिला संस्करण कही जाने वाली शेफाली ने अपनी ख्याति के अनुरूप महज 34 गेंदों में 229.41 के स्ट्राइक रेट से 78 रन ठोक दिये। उनकी संक्षिप्त पारी में 12 चौके और चार छक्के शामिल थे। शेफाली का तूफान शांत होने के बाद भी श्वेता ने दूसरे छोर पर यूएई की गेंदबाजों की पिटाई जारी रखी, मगर उनको आउट करने का अस्त्र पारी के अंत तक यूएई की टीम के पास मौजूद नहीं था। श्वेता ने 49 गेंदों मे से 10 को सीमा रेखा के पार पहुंचाया।

बैडमिंटन के सितारे इंडिया ओपन में चमक बिखेरने को तैयार

नयी दिल्ली, 16 जनवरी। बैडमिंटन की दुनिया के दिग्गज खिलाडी मंगलवार से यहां शुरू होने वाले एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर के योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन के 11वें संस्करण में अपनी चमक बिखरेंगे।

के डी जाधव इंडोर हॉल में आठ लाख 50 हजार अमेरिकी डालर इनामी राशि वाली इस प्रतियोगिता में टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता डेनमार्क के विक्टर एलेक्सेन और चीन की चेन युफेई के अलावा मौजूदा महिला एकल विश्व चैंपियन जापान की अकाने यामागुची समेत 22 देशों के 242 खिलाड़ी शिरकत करेंगे।

चीन ने 22 जनवरी तक चलने वाले इस टूर्नामेंट के लिये 15 पुरुष और 15 महिला खिलाड़ियों के साथ सबसे बड़ा दल भेजा है जबकि जापानी दल में 29 खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डॉ हेमंत बिस्वा शर्मा ने कहा, योनेक्स सनराइज इंडिया का अपग्रेडेशन सुपर 750 श्रेणी के लिए है। कोरोना प्रतिबंध के कारण यह अब तक नहीं हो सका था, मगर इस साल बैडमिंटन प्रेमियों को उच्च गुणवत्ता वाले बैडमिंटन का लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। हम इसे और बड़ा बनाने के लिए पूरी मेहनत की है।

बीडब्ल्यूएफ उपाध्यक्ष, पैन एम, विष्णु टोलन ने कहा, योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2023 को सुपर 750 का दर्जा हासिल है। भारत के खिलाड़ियों ने हाल ही में कोर्ट पर उम्दा प्रदर्शन किया है। उम्मीद है कि इस हफ्ते घरेलू प्रशंसक अपने चहेते खिलाड़ियों के प्रदर्शन का पूरा मजा ले सकेंगे। हम भारत में बैडमिंटन के लिए जो अद्भुत क्षमता देखते हैं, उसका यह एक मजबूत प्रमाण है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू की अगुआई में 19 सदस्यीय दल पर मेजबान भारत की उम्मीद टिकी होगी। थॉमस कप विजेता टीम की अगुआई विश्व में आठवें नंबर के एचएस प्रणय, मौजूदा चैम्पियन और विश्व के दसवें नंबर के लक्ष्य सेन और विश्व चैंपियनशिप में विश्व में 13वें नंबर के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत होंगे। साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और पांचवीं वरीयता प्राप्त सात्विक रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी कोर्ट पर धमाल मचायेगी।

सिंधु ने कहा, इंडिया ओपन सभी भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही खास टूर्नामेंट रहा है, पिछली बार हमें बंद दरवाजों के पीछे खेलना पड़ा था, लेकिन इस बार इंडिया ओपन पहले से कहीं ज्यादा बड़ा होने जा रहा है और हम सभी इसे और भी खास बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

प्रसाद ने 'मांकडिंग' से जुड़ी टिप्पणी के लिए मार्क वॉ पर निशाना साधा

नयी दिल्ली, 16 जनवरी। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर मार्क वॉ पर यह कहने पर कटाक्ष किया कि टीमें विकेट हासिल करने के लिए 'मांकडिंग' का इस्तेमाल 'जानबूझकर' कर रही हैं। प्रसाद ने कहा कि गेंदबाजी छोर पर गेंद फेंकने से पहले आगे निकलने वाले बल्लेबाज को वैध तरीके से आउट करना 'सबसे बदतर' चीज है।

महिला अंडर-19 विश्व कप के दौरान गेंदबाजी छोर पर खड़ी रवांडा की बल्लेबाज को गेंद फेंकने से पहले काफी आगे निकलने पर पाकिस्तान की तेज गेंदबाज जैब-उन-निसा के रन आउट करने के वीडियो पर टिप्पणी करते हुए वॉ ने ट्वीट किया, ''सबसे बदतर चीज, ऐसा लगता है कि टीमें विकेट हासिल करने के लिए सोच-समझकर नियोजित तरीके से इसका इस्तेमाल कर रही हैं।''

ए.एस.पी. दिव्या दो करोड़ की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार

एस.ओ.जी. की एडीशनल एस.पी. दिव्या मित्तल को ए.सी.बी. ने सुबह अजमेर में उनके घर से गिरफ्तार किया

अजमेर, 16 जनवरी (कासं)। मादक पदार्थों की तस्करी मामले में आरोपियों को गिरफ्तारी से बचाने व केस से नाम हटाने के लिए एक दलाल के जरिये दो करोड़ रु. की रिश्वत मांगने की आरोपी एस.ओ.जी. की एडिशनल एस.पी. दिव्या मित्तल को सोमवार को ए.सी.बी.ने गिरफ्तार कर लिया। ए.सी.बी. की टीम ने दिव्या मित्तल को अजमेर स्थित एक सोसायटी के फ्लैट से गिरफ्तार किया और उन्हें पकड़कर जयपुर ले गई है।

एस.एस.पी. दिव्या मित्तल पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई के बाद नाम हटाने के एवज में 2 करोड़ की रिश्वत मांगने का आरोप है। आरोप है कि, दलाल ने उनके उदयपुर में स्थित रिसोर्ट पर पीड़ित को बुलाकर रिश्वत की मांग की और डराने-धमकाने की शिकायत पर ए.सी.बी. ने न्यायालय से आदेश प्राप्त कर एएसपी दिव्या मित्तल के 5 ठिकानों पर सोमवार को छापा मारा।

बताया जा रहा है कि ए.सी.बी. को कुछ दस्तावेज मिले हैं। इनके साथ वो दिव्या मित्तल को जयपुर रवाना हो गई है। ए.सी.बी. ने दिव्या के अजमेर स्थित एआरजी सोसायटी के फ्लैट पर, जयपुर स्थित एक फ्लैट पर, उदयपुर के सिकलवास स्थित रिसॉर्ट, चिड़ावा स्थित इनके पैतृक घर और अजमेर स्थित एसओजी के दफ्तर में रेड की कार्रवाई की है। शुरुआती पूछताछ में दिव्या मित्तल ने बताया है कि, रिश्वेत के पैसे ऊपर तक बांटे जाने वाले थे, अत: ए.सी.बी. इस मामले में उच्चाधिकारियों की संलिप्तता की भी जांच करेगी।

चिड़ावा में दिव्या मित्तल के माता-पिता रहते हैं। एसीबी झुंझुनूं की टीम ने सोमवार सुबह आठ बजे भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एएसपी इस्माइल खान के नेतृत्व में पैतृक मकान में सर्च शुरू किया, जो अभी तक जारी है। संभावना है कि यह सर्च देर शाम तक जारी रहेगा। गौरतलब है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिव्या मित्तल का परिवार मूल रूप से हरियाणा निवासी है, लेकिन कई दशकों से उनका परिवार चिड़ावा में रहता है। ए.सी.बी. के एडिशनल एसपी बजरंग सिंह ने बताया कि एक परिवादी ए.सी.बी. मुख्यालय पर आया था। उन्होंने इस बात की सूचना दी थी कि उसके खिलाफ एक प्रकरण दर्ज होने के बाद उसमें से नाम हटाने के एवज में दो करोड़ रुपए की डिमांड की जा रही है। परिवादी ने कहा कि उसका इस मामले में कोई दोष नहीं है, उसने बताया कि जब मैं अनुसंधान अधिकारी दिव्या मित्तल के पास गया तो उन्होंने मुझसे कहा कि आप उदयपुर की तरफ रवाना हो जाओ। आपके पास एक फोन आएगा। उसके अनुसार वहां चले जाना, थोड़ी देर में निकलते ही फोन आया और उसके बाद मैं उदयपुर के लिए रवाना हो गया, वहां मुझसे दो करोड़ की मांग की गई। असमर्थता जाहिर करने पर डरा-धमकाकर एक करोड़ रुपए से कम नहीं होने की बात कही गई, यहां से लौटकर ए.सी.बी. को रिपार्ट दी।

बताया जा रहा है कि पीड़ित जब बाद में एएसपी के पास गया तो एक करोड़ रूपये पर बात बनी। पहली किश्त के रूप में 25 लाख वो देने वाला था और इससे पहले ही ए.सी.बी. भी अपना जाल बिछा चुकी थी तभी दलाल को भनक लग गई और वो नहीं आया, ट्रैप फेल होने के बाद ए.सी.बी. ने अदालत से वारंट लेकर कार्रवाई की।

जानकारी अनुसार मई 2021 में अजमेर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 16 करोड़ रुपए से ज्यादा की नशीली दवाओं की खेप पकड़ी थी। इसमें जयपुर में साढ़े पांच करोड़ और अजमेर में 11 करोड़ की दवाओं के साथ आरोपी पकड़े गए थे। इसी मामले से नाम हटाने के एवज में रिश्वत मांगने का आरोप है। परिवादी ने 4 जनवरी को एसीबी से संपर्क किया था।

मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में गिरफ्तारी से बचाने और केस से नाम हटाने की एवज में 2 करोड़ रु. की रिश्वत मांगने के आरोप में ए.सी.बी. की टीम ने एडिशनल एस.पी. दिव्या मित्तल को गिरफ्तार कर लिया। ए.सी.बी. की टीम मामले की विस्तार से तफ्तीश करने के लिए दिव्या मित्तल को पकड़कर जयपुर ले आई।

- **आरोप है कि, दिव्या मित्तल ने एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्यवाही से नाम हटाने के लिए दो करोड़ रू. की रिश्वत मांगी थी।**
- **ए.सी.बी. को तलाशी में दिव्या के घर से कुछ दस्तावेज मिले हैं जिन्हें जब्त कर लिया गया है। ए.सी.बी. दिव्या को जयपुर ले गई है।**

राजस्थान हाईकोर्ट में सोमवार को नवनियुक्त 9 जजों को एक साथ शपथ दिलाई गई। इन नियुक्तियों के साथ ही हाई कोर्ट के 50 पदों में से 35 पदों पर नियुक्ति पूर्ण हो गई हैं, जिनमें 3 महिलाएं हैं।

राजस्थान हाईकोर्ट के नौ जजों ने एक साथ शपथ ली

- **इसी के साथ राजस्थान हाईकोर्ट में कुल 35 न्यायाधीश हो गये हैं, अब भी 15 पद रिक्त हैं।**
- **नये जजों में वकील कोटे से जज बनी नुपूर भाटी भी हैं, उनके पति पहले से हाईकोर्ट में जज हैं।**

जोधपुर, 16 जनवरी (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय में आज सुबह नौ जजों ने एक साथ पद की शपथ ली। रोचक है कि, जोधपुर की डॉ. नूपुर भाटी, जिनको सोमवार को हाईकोर्ट जज के रूप में शपथ दिलाई गई, उन के पति जस्टिस पुष्पेंद्र भाटी पहले से राजस्थान हाईकोर्ट में जज हैं।

ज्ञातव्य है कि, शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी कर वकील कोटे से 3 और न्यायिक अधिकारी कोटे से 6 जजों की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए थे। इसी के साथ अब हाइकोर्ट में 50 पदों में से 35 पदों पर जजों की नियुक्ति हो गई है।

सोमवार को सुबह राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्यपीठ जोधपुर में नव नियुक्त सभी 9 जजों को मुख्य न्यायाधीश पंकज मिथल ने शपथ दिलाई। वकील कोटे से नियुक्त जजों में जयपुर के गणेश राम मीणा, अनिल कुमार उपमन और जोधपुर की डॉ. नुपुर भाटी की नियुक्ति की गई है। जबकि, न्यायिक अधिकारी कोटे से राजेन्द्र प्रकाश सोनी, अशोक कुमार जैन, योगेन्द्र कुमार पुरोहित, भुवन गोयल, प्रवीर भटनागर और आशुतोष कुमार की नियुक्ति हुई है।

राजस्थान हाईकोर्ट में 35 में से अब 3 महिला जज हो गई हैं, जिनमें, वकील कोटे से जज के रूप में नियुक्त नूपुर भाटी के अलावा शुभा मेहता, रेखा बोराणा पहले से सेवाएं दे रही हैं।

मु.मंत्री के लिये...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लीक करवाने वालों के मूल सरगना को पकड़े, ना कि छुटभैयों को, क्योंकि ऐसा ही होता लग रहा है।

मंत्री हेमा राम चौधरी ने कहा कि युवा नेताओं को राजनीति में उनका उचित स्थान दिया जाना चाहिए जो होता नहीं लग रहा है।

पायलट के करीबी नेताओं ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लाने का प्रयास होना चाहिए ताकि पार्टी 21 विधायकों तक न आ जाए जैसा गहलोत के गत कार्यकाल में हुआ था। सचिन पायलट 21 विधायकों वाली पार्टी को सत्ता में लाए पर गहलोत मुख्यमंत्री बन गए। इस समय गहलोत पद छोड़ने से मना कर रहे हैं क्योंकि वे नहीं चाहते की पायलट मुख्यमंत्री बनें और गांधी परिवार का नेतृत्व इतना कमजोर है कि अशोक गहलोत का मुकाबला करने से डरता है।

मंडावर के पालोदा गांव में दो पक्ष भिड़े, फायरिंग में महिला सहित दो जनों की मौत

- **बताया जाता है कि, दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश थी। सुबह दोनों पक्षों में कहा सुनी हुई थी, उसके बाद पहले पथराव हुआ फिर एक पक्ष ने गोली चला दी।**
- **घटना की जानकारी मिलने पर डॉ. किरोड़ी लाल मीणा पीड़ित पक्ष से मिलने पहुंचे तथा दोषियों को गिरफ्तार करने, मंडावर पुलिस थाने को लाइन हाजिर करने व रसीदपुर पुलिस चौकी के पुलिसकर्मियों को सस्पैंड करने की मांग की।**
- **जयपुर-भरतपुर स्टेट हाईवे 10 बजे से 3 बजे तक प्रभावित रहा।**

मंडावर,16 जनवरी (निस)। मंडावर थाना इलाके के पालोदा गांव में दो पक्षों में चली आ रही पुरानी रंजिश के कारण सोमवार को एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर फायरिंग कर दी। इस खूनी झगड़े में दूसरे पक्ष की एक महिला सहित दो लोगों की गोली लगने से मौत हो गई जबकि आधा दर्जन लोगों को उपचार के लिए महुवा व मण्डावर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सोमवार सुबह दो पक्षों के लोगों में पुरानी रंजिश के चलते कहासुनी के बाद पथराव हो गया। पथराव के बीच एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जिसमे दूसरे पक्ष के हीरा लाल योगी (60) व अलका (20) पत्नी दीपराम योगी गोली लगने से गम्भीर रूप से घायल हो गये। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तथा एम्बुलेंस से गम्भीर घायलों को महुवा के राजकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वही 4 अन्य घायलों को महुवा के राजकीय अस्पताल व 3 घायलों को मंडावर के राजकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रैफर कर दिया गया।

इस घटना के बाद गुस्साए पीड़ित परिवार के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पुलिस थाने के आगे जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिजनों और लोगों से जानकारी ली। डॉ. मीणा ने पीड़ित लोगों की तरफ से मांग रखी कि, मंडावर पुलिस थाने को लाइन हाजिर किया जाए, रसीदपुर पुलिस चौकी को सस्पैंड किया जाए और आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए। किरोड़ी लाल मीणा ने बताया कि, जब तक यह मांगें नहीं मानी जाती तब तक मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम नहीं करवाया जाएगा। मामले को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन समाप्त हो किया गया है। इस दौरान एसपी संजीव नैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लालचंद कायल सहित महुवा, मानपुर के डीएसपी व जिले भर के आधा दर्जन पुलिस थानों के थाना अधिकारी मौजूद रहे।

पीड़ित पक्ष के लोगों द्वारा जयपुर भरतपुर स्टेट हाईवे पर जाम लगाने से जयपुर, भरतपुर की ओर आने, जाने वाले लोगों को भारी परेशानी हुई। पीड़ित परिवार के लोग सुबह करीब 10 बजे से थाने के सामने 3 बजे तक जाम लगा कर बैठे रहे।

पारदर्शिता की आड़ में सरकार एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की।

अरविंद केजरीवाल ने एक ट्वीट में सरकार के पत्र को खतरनाक बताया। उन्होंने ट्वीट में लिखा कि, "यह बेहद खतरनाक है न्यायिक नियुक्तियों में सरकार का दखल नहीं होना चाहिए।"

अब केन्द्र ने कोलीजियम सिस्टम के कामकाज को सरल व कारगर बनाने के लिए सर्च-कम-इवैलुएशन कमेटी बनाने का प्रस्ताव रखा हैं। सूत्रों ने कहा कि यह पैनल कोलीजियम को जजों की नियुक्ति के लिए नामों का सुझाव देखा और उन्हें सूचीबद्ध करेगा और अंतिम फैसला कोलीजियम करेगा।

जजों की नियुक्ति पर चल रहे शब्द युद्ध में कई मंत्री मौजूदा एवं पूर्व तथा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोलीजियम सिस्टम की आलोचना की और इसे न्यायपालिका औपेक्नैस (अपारदर्शिता) की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि जजों के चयन में सरकार की भूमिका होनी चाहिए जो कि वर्ष 1993 से सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम का एकाधिकार बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने कोलीजियम सिस्टम का जोरदार बचाव किया है। कांग्रेस, तृणमूल और आम आदमी पार्टी जैसे दलों ने सर्वोच्च न्यायालय के रुख का समर्थन किया है।

कानून मंत्री बनने के बाद से रिजीजू ने कई बार कहा कि कोलीजियम सिस्टम संविधान को हिस्सा नहीं है और उन्होंने ऐसे हरेक सिस्टम का विरोध किया जिसमें जजों की नियुक्ति में सरकार का कोई दखल ना हो। उन्होंने नैशनल जूडिशियल अपॉइन्टमैंट कमीशन को खारिज करने के लिए भी सुप्रीम कोर्ट की आलोचना की। भाजपा नीत सरकार ने 2014 में एक कानून बनाकर एन.जे.ए.सी. बताया था। आयोग में सरकार और न्यायपालिका के प्रतिनिधियों को सदस्य बनाया जाना था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने भी कई मंचों पर यह बात कहीं गत सप्ताह उन्होंने न्यायिक मंचों से एक दूसरे को नीचा दिखाने और सार्वजनिक मुद्दों पर ब्यानबाजी की आलोचना की और एन.जे.ए.सी. को खारिज किए जाने के लिए उन्होंने कहा कि विश्व में ऐसा दूसरा उदाहरण नहीं मिलेगा।

उन्होंने 1973 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले की भी आलोचना की जिसमें कहा गया था कि संसद संविधान में संशोधन कर सकती है पर संविधान के मूल ढांचे में नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम कानून है जिसका पूर्णतया पालन किया जाना चाहिए। चूंकि कुछ लोग या कुछ वर्ग कोलीजियम सिस्टम के खिलाफ हैं इसलिए हम इसे खत्म नहीं कर सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम में अभी सी.जे.आई. चन्द्रचूड़ एवं जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस के.एम. जोसफ, जस्टिस एम.आर. शाह, जस्टिस अजय रस्तोगी व जस्टिस संजीव खन्ना शामिल हैं।

रिजीजू के पत्र में राज्य सरकारों की तरफदारी की गई है कि हाई कोर्ट कोलीजियम में राज्य सरकारों के प्रतिनिधित्व होना चाहिए।

जापान सैन्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जापान को सैन्य ताकत बनाने की दिशा में काम करने की शपथ ली।

जापान ने इससे एक माह पहले अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने की योजना घोषित की थी अमेरिका आने से पहले कीशीदा यूरोपियन, ब्रिटिश व कैनेडियन नेताओं से उनके देशों में मिले थे।

एक समय था जब ऐसी बात सोची भी नहीं जा सकती थी क्योंकि दूसरे विश्व युद्ध के बाद जापान ने युद्ध नीति एकदम त्याग दी थी लेकिन परम्परावादी कई दशकों से इस प्रयास में हैं कि संविधान में शांति संबंधी प्रावधान को बदल दिया जाए और जापान की जनता भी इस रुख का समर्थन करती है असल में अगस्त में ताईवान के आसपास चीन द्वारा मिसाइले दागे जाने से जापान बहुत नाराज़ हुआ था क्योंकि इनमें से 5 मिसाइले जापान के पास गिरी थीं। यह ईस्ट चाइना सी में विवादास्पद सेन्काकू द्वीप पर चीन की गतिविधियों से भी रुष्ट है।

अमेरिका जिसे उम्मीद है कि उसके एशियाई हितों में जापान उसका माध्यम बनेगा, जापान की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

पश्चिम से समर्थन मिलने के बाद कीशीदा जापान की संसद का समर्थन लेने की कोशिश करेंगे।

प्रियंका गांधी ने महिला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया है।

उन्होंने भाजपा और उसके भ्रष्टाचार की आलोचना की तथा एक ठेकेदार द्वारा 40 प्रतिशत कमीशन मांगे जाने का आरोप लगाए जाने का मुद्दा उठाया साथ ही भाजपा नेताओं द्वारा कथित तौर पर भारी-भरकम रिश्वत मांगे जाने की बात कही। भाजपा पूरा जोर लगा रही है भ्रष्टाचार के आरोपों को नकारने का, पर हाल ही ने एक भाजपा विधायक द्वारा रिश्वत मांगे जाने पार्टी के लिए मुश्किले और बढ़ गई है।

सोमवार का खटिक का ट्रैक्टर एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि उसने चित्रदुर्ग के विधायक थिरपा रैड्डी को 90 लाख रूपए दिए थे। प्रैस कांन्फैंस में उसने अपनी और भाजपा विधायक की वार्ता का ऑडियो टैप भी जारी किया जिससे भाजपा पर विधायक ने इन्कार कर दिया।

जनधारणा में भ्रष्टाचार के आरोपों के टिकने के आधार पर ये नवीनतम आरोप पार्टी के लिए नुकसानदेह हो सकते हैं। भाजपा प्रवक्ताओं के आरोपों और आरोप लगाने के समय को राजनीति से प्रेरित बताया। और कहा कि ठेकेदार है तो केस कर सकते है लोकायुक्त के पास जा सकते है।

प्रधानमंत्री...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर एग्जीक्युटिव के एजेंडा को अंतिम रुप दिया।

मंगलवार को प्रधानमंत्री बैठक का समापन करेंगे और पार्टी को जीत का मंत्र देगे।

"अमर्त्य सेन की, भारत से वाकफियत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रीय स्तर पर अब ममता से कही अधिक है। वे दिल्ली जैसे महत्वपूर्ण राज्य के साथ ही पंजाब के भी नेता हैं।

बनर्जी ने अपने पड़ोसी राज्य त्रिपुरा में एक गंभीर प्रयास किया था, किन्तु वह वहां भी अपना कोई जनाधार नहीं बना सकी। उन्होंने गोवा के विधानसभा चुनाव में चर्चिल सहित गोवा के प्रमुख नेताओं को फण्ड्स उपलब्ध करवाए थे, लेकिन शायद खुद के साथ की वजह से ममता समर्थित सभी नेताओं की जमानत जब्त हो गई थी, जनप्रतिनिधि निर्वाचित कराने की बात तो छोड़िए।

दूसरी तरफ, तेलुगु राजनेता चन्द्रशेखर राव जैसे मजबूत नेता, भी हाशिए पर आ चुकी ममता से कही अधिक महत्वपूर्ण प्लेयर हैं। ममता में वर्तमान सरकार के राष्ट्रीय विरोध की धुरी बनने का करिश्मा नहीं है।

तर्क संगत राजनीतिक दावे करने के लिए भी अन्ततः राजनीतिक गणित की भूमिका प्रमुख होती है। वास्तविकता यह है कि मजबूत जनाधार ना रखने वाले वैकल्पिक प्रधानमंत्रियों का अल्प राजनीतिक जीवन यह दर्शा चुका है कि कोई गतिरोध ऐसे दावेदार की प्रतीक्षा कर सकता है। सेन ने अपने बयानों में अक्सर सार्वजनिक जीवन में सच्चाई व शुचिता बनाए रखने की बात की जाती है।

राजनीतिक भ्रष्टाचार समाज की अन्तर्निहित कार्यकुशलता को खोखला कर देता है। उनकी पार्टी के नेताओं द्वारा समय-समय पर किए गए भारी भ्रष्टाचार ने बंगाल के लोगों को सर्वाधिक आहत किया है। टी.एम.सी.के. राजनेताओं द्वारा की गई संगठनात्मक आपराधिक लूट से सबसे गरीब और सबसे कमजोर तबका सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। ममता बनर्जी ने इस सबके प्रति अपनी आंखे मूंद रखी हैं, हालांकि उन्होंने समय-समय दिए अपने बयानों में भ्रष्टाचारियों का कड़ा विरोध किया है। बनर्जी के एक दशक से अधिक लम्बे शासन में बंगाल की अर्थव्यवस्था और गरीबी में चली गई है। शेष भारत ने जहां निवेश आकर्षित किए, वहीं बंगाल ने निवेश लाने की सिर्फ बातें ही की, लेकिन धरातल पर कुछ भी फलीभूत नहीं हुआ।

बंगाल के युवक और युवतियां रोजगार की तलाश ही राज्य छोड़ रहे हैं। बैंग्लोर, हैदराबाद और पुणे ने नौकरियों की तलाश में लगे इन लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है। वहां नए निवेश एवं उद्योग भी आए हैं।

'91 नहीं मात्र 81 विधायकों ने ही इस्तीफे दिए थे'

राजस्थान हाई कोर्ट में इस्तीफों के मामले पर दायर याचिका की सुनवाई में विधानसभा के प्रमुख सचिव ने बताया

- **विधानसभा के प्रमुख सचिव ने बताया कि 81 विधायकों ने ही इस्तीफे दिए थे और इनमें से भी 5 के इस्तीफों की फोटो कॉपी पेश की गई थी।**
- **उन्होंने अदालत को जानकारी दी कि, नियम 173 (4) के तहत विधायक इस्तीफा वापस ले सकते हैं, उन्होंने यह भी कहा कि, महाधिवक्ता कोर्ट में विधानसभा का पक्ष रख सकते है।**
- **ज्ञातव्य है कि, सितम्बर 2022 में गहलोत समर्थक विधायकों ने इस्तीफे दिये थे, जिन पर लम्बे समय तक कोई फैसला नहीं होने के कारण भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ ने अदालत में याचिका दायर की थी।**

जयपुर,16 जनवरी (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट में सोमवार को कांग्रेस विधायकों द्वारा दिए गए इस्तीफों के मामले में विधानसभा के प्रमुख सचिव ने अपना जवाब पेश किया, जिसमें कहा गया है कि, 91 विधायकों ने नहीं बल्कि 81 विधायकों ने इस्तीफे दिए थे। इनमें भी पांच विधायकों के इस्तीफों की फोटो कॉपी पेश की गई थी। इसके अलावा छह विधायकों ने पेश होकर ये इस्तीफे प्रस्तुत किए थे। जवाब में आगे कहा गया है कि, विधायकों ने व्यक्तिगत रूप से पेश होकर अपने इस्तीफे वापस लिए हैं और नियम 173 (4) के तहत विधायक अपना इस्तीफा वापस ले सकते हैं। इसके अलावा अदालत को यह भी जानकारी दी गई कि, महाधिवक्ता विधानसभा की ओर से भी पक्ष रख सकते हैं। स्पीकर ने गत 13 जनवरी को इन इस्तीफों को अस्वीकार कर दिया था। इसलिए याचिका को खारिज किया जाए।

जवाब पेश करने से पहले सुनवाई के दौरान विधानसभा सचिव की ओर से महाधिवक्ता ने कहा कि वे आज ही मामले में जवाब पेश कर देंगे। इस पर जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस सीके सोनगरा की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता राजेन्द्र सिंह राठौड़ को कहा कि वे चाहे तो पेश होने वाले जवाब पर अपना प्रतिजवाब भी पेश कर सकते हैं। इसके साथ ही अदालत ने जनहित याचिका पर बीस जनवरी तक सुनवाई टाल दी। दरअसल गत सुनवाई को खंडपीठ ने महाधिवक्ता को कहा था कि वे अगली सुनवाई पर स्पीकर से पूछकर बताए कि विधायकों के इस्तीफों पर कब तक निर्णय कर लेंगे। वहीं याचिकाकर्ता की ओर से यह भी आपत्ति दर्ज कराई गई थी कि महाधिवक्ता विधानसभा की ओर से पैरवी नहीं कर सकते हैं। याचिका में कहा गया था कि कांग्रेस के 91 विधायकों ने गत 25 सितंबर को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे सौंपे थे। उसके बाद 18 व 19 अक्टूबर और 12 व 21 नवंबर को याचिकाकर्ता ने स्पीकर को प्रतिवेदन देकर इस्तीफे पर निर्णय करने का आग्रह किया था। याचिका में कहा गया था कि इसके बावजूद भी स्पीकर ने अब तक इन इस्तीफों को लेकर कोई निर्णय नहीं किया है। याचिका में कहा गया कि "यदि कोई विधायक इस्तीफा स्वयं पेश करता है तो विधानसभा प्रक्रिया नियम 173 के तहत स्पीकर के पास इस्तीफा स्वीकार करने के अतिरिक्त और कोई विकल्प नहीं होता। इस्तीफे के स्वैच्छिक और वास्तविक होने के संबंध में ही जांच की जा सकती है। याचिका में यह भी कहा गया कि यह असंभव है कि इतनी बड़ी संख्या में विधायकों से जबरन इस्तीफों पर हस्ताक्षर करवाए गए हो या उनके फर्जी हस्ताक्षर किए गए हों। विधायकों के इस्तीफों के चलते सरकार सदन में अपना विश्वास खो चुकी है। इसके बावजूद भी इस्तीफा देने वाले मंत्रिमंडल और मंत्रिपरिषद सहित अन्य सरकारी बैठक में शामिल हो रहे हैं।" याचिका में भी गुहार की गई थी कि इस्तीफा देने वाले विधायकों के नाम सार्वजनिक किए जाएं और बतौर विधायक इनका विधानसभा में प्रवेश से रोका जाए।

एक पक्षकार के रुप में स्वयं पैरवी करते हुए उपनेता प्रतिपक्ष राठौड़ ने कहा कि "राज्य की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाले सत्तारुढ दल के त्यागपत्र वीर विधायकों ने संविधान का मखौल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। पहले त्याग पत्र देना और फिर विधायकी जाने के भय से त्याग पत्र वापिस लेने से यह प्रमाणित होता है कि निजी स्वार्थों के लिए सत्ताधारी पार्टी के जनप्रतिनिधियों ने लोकतंत्र व संविधान का सरासर अपमान किया है। संविधान के आर्टिकल 190 (3) में विधायकों द्वारा सीट से त्याग पत्र देने का प्रावधान है पर उसे वापिस लेने का नहीं। राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की साढ़े 7 करोड़ जनता के मन-मस्तिष्क में 25 सितंबर 2022 का घटनाक्रम आज भी अमिट छाप की तरह ताजा है क्योंकि राजस्थान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब 91 माननीय विधायकों जिसमें मंत्री भी शामिल थे, ने अपने अपने क्षेत्रों की जनता के विश्वास को ठुकराते हुए सार्वजनिक तौर पर इस्तीफे दिये। टीवी चैनलों के कैमरों के सामने बस में भर भर कर अध्यक्ष महोदय के निवास पर ले जाए गए इन सदस्यों के इस्तीफ़े अब मात्र 6 विधायकों द्वारा प्रस्तुत किए जाने की आश्चर्य जनक कहानी सामने लायी गयी है। ना तो इस्तीफ़े ख़ारिज करने की दिनांक बतायी गयी है, और ना ही इस्तीफ़े देने वाले त्यागपत्र वीरों के नाम उजागर किए गये है। 110 दिनों तक वे सभी सदस्य निर्बाध वेतन-भत्ते व अन्य सुविधाएं उठाते रहे, विधायक विकास कोष से स्वीकृतियां जारी की, तबादला करवाए और आज भी संवैधानिक पदों पर आसीन है। उसके उपरान्त अब जब इस्तीफे वापिस ले लिये हैं तो ऐसे विधायकों व मंत्रियों का नैतिक दायित्व है कि वे त्याग पत्र देने व वापिस लेने की अवधि के मध्य तमाम प्राप्त की गई सरकारी सुविधाओं की राशि पुनः राजकोष में जमा कराएं और जो नीतिगत निर्णय लिये गये हैं उन्हें वापिस लिया जायें और सार्वजनिक रूप से ऐसे समस्त सदस्य जनता से माफी मांगें।" राठौड़ ने कहा कि, "यह मामला संवैधानिक प्रक्रिया के गंभीरतम दुरुपयोग का मामला है। न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद जिस प्रकार के टालू क्रिस्म के जवाब शपथ पत्र में दिए गए है, उनके सम्बंध में सम्पूर्ण क़ानूनी स्थिति का अध्ययन कर और क़ानूनी सलाह ले कर मैं अपनी ओर से कोर्ट में रिजोईंडर पेश करूँगा।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908